



सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 25] नई दिल्ली, शनिवार, जून 19, 1982 (ज्येष्ठ 29, 1904)
No. 25] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 19, 1982 (JYAISTHA 29, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

1982

[PART III—SECTION

शा०-1—राष्ट्रपति

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 मई 1982

सं० ए० 110016/1/81-प्रशा०—संघ लोक सेवा आयोग के अनुभाग अधिकारी श्री एच० एस० भाटिया को राष्ट्रपति द्वारा 3 मई, 1982 से तीन मास की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

2 श्री एच० एस० भाटिया कामिक और प्रशासनिक सुधार विभाग, के को० शा० सं० 12/1/74-सी० एम० (1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 को शर्तों के अनुसार रु० 75/- प्र० मा० का दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

य० रा० गांधी
अवर सचिव (प्रशा०)
संघ लोक सेवा आयोग

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110066, दिनांक 28 मई, 1982

स० (एफ० डी)/46/81-स्था०—राष्ट्रपति, श्री एस० सी० विश्वार्थी मध्य प्रदेश संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी का के० रि० पु० बल में प्रतिनियुक्ति का समय 18-1-82 से 20-3-82 तक बढ़ाते हैं।

ए० के० सूरि
महायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 मई 1982

सं० 10/30/81-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, निम्नलिखित वरिष्ठ भूगोलवेत्ताओं को उनके नामों के समक्ष दर्शित जनगणना कार्यालयों में प्रत्येक के समक्ष दर्शित तारीखों से एक वर्ष में अनधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि कम हो, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर अनुसंधान अधिकारी (मानचित्र) के पद पर पदोन्नति द्वारा महर्षि नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	कार्यालय जिसमें कार्यरत है	मुख्यालय	नियुक्ति की तारीख
1.	श्री मोहम्मद अब्बास	जनगणना कार्य निदेशालय, बिहार, पटना	पटना	26 फरवरी, 1982 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एम० आर० पुरी	जनगणना कार्य निदेशालय, हरियाणा, चण्डीगढ़	चण्डीगढ़	22 फरवरी, 1982 (अपराह्न)
3.	श्री श्याम देव	जनगणना कार्य निदेशालय, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद	हैदराबाद	24 फरवरी, 1982 (पूर्वाह्न)
4.	श्री माधव श्याम	जनगणना कार्य निदेशालय, महाराष्ट्र, बम्बई	बम्बई	18 मार्च, 1982 (पूर्वाह्न)

उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्तियां संबंधित अधिकारियों को अनुसंधान अधिकारी (मानचित्र) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेंगी। तदर्थ तौर पर उनकी सेवाएं उम ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बनाए रद्द किया जा सकता है।

दिनांक 29 मई

सं० 10/52/79-1 नई दिल्ली से
भारत के महापंजीकार का कार्यालय के सहायक निदेशक (प्रोग्राम) और इस समय सिस्टम एनालिस्ट के पद पर तदर्थ रूप से कार्यरत श्री बी० बी० राव को उसी कार्यालय में तारीख 30 मार्च, 1982 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक पदोन्नति द्वारा अस्थायी रूप से नियमित आधार पर उप निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री राव का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

पी० पद्मनाभ
भारत के महापंजीकार

कार्यालय : निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व,

दिल्ली-2, दिनांक 11 मई 1982

सं० प्रशासन-I/कार्यालय आदेश संख्या 54—इस कार्यालय के एक स्थायी लेखापरीक्षा अधिकारी श्री मन मोहन सिंह, वार्धक्य आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 31 मई 1982 अपराह्न को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जाएंगे।

उनकी जन्म तिथि 24 मई 1924 है।

सं० प्रशा०-I/का० आ० सं० 55—इस कार्यालय के एक स्थायी लेखापरीक्षा अधिकारी श्री जी० बी० लाल वार्धक्य आयु प्राप्त करने के परिणाम स्वरूप 31 मई 1982 (अपराह्न) को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जाएंगे। उनकी जन्म तिथि 18 मई 1924 है।

समर राय

संयुक्त निदेशक ले० प० (प्र०)

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय,

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 मई 1982

सं० 9-के० वा० ले० प० 1/40-69—महालेखाकार द्वितीय, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता कार्यालय में कार्यरत सर्वश्री डी० पी० वैनर्जी, मनोरंजन नाथ, लेखापरीक्षा अधिकारी (वार्धक्य) अपनी अधिवर्षिता आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-10-1981 तथा 30-11-1981 क्रमशः अपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गये।

एम० ए० सोमेश्वर राव
उप निदेशक (वार्धक्य)

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश

ग्वालियर, दिनांक 17 मई 1982

सं० प्रशासन-1/ले० अ० प्रमो०/51—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक प्रशासन -1/ले० अ० प्रमो०/510 दिनांक 31-3-1982 के निरसन में, महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश ग्वालियर ने श्री एल० बी० सिंह, (02/273) अनुभाग अधिका-री की स्थापना लेखा अधिकारी के रूप में वेतनमान रुपये 840-40-1000 द० अ०-40-1200 पर दिनांक 1 जनवरी,

1982 पूर्वाह्न से प्रोफार्मा (आपचारिक) पदोन्नति हेतु सहर्ष स्वीकृति प्रदान की है।

ह० अपठनीय
वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

कार्यालय महालेखाकार, राजस्थान

जयपुर, दिनांक 29 मई 1982

सं० प्रशा०-II/राजपत्र-अधिसूचना/168—महालेखाकार राजस्थान ने निम्नलिखित प्रवर अनुभाग अधिकारियों को पदोन्नत करके उनके आगे दिए दिनांक से अग्रतर आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारियों के पद पर नियुक्त किया है :—

1. श्री गणेश नारायण व्यास . 16-4-82 (पू०)
2. श्री राम गोपाल अग्रवाल . 24-4-82 (अप०)
3. श्री सुखदेव कुमार खन्ना . 27-4-82 (पू०)

एम० एस० शेखावत
वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा

आर्डर्नन्स फौवटरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 21 मई, 1982

सं० 27/जी०/82—वार्धक्य सेवा निवृत्ति आयु प्राप्त कर श्री के० पी० सुकुल, स्थानापन्न एम० ओ० (मौलिक एवं स्थायी सहायक) तारीख 31 अक्टूबर, 1981 (अपरारह) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 22 मई 1982

सं० 25/जी०/82—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री बान्छा सिंह, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 31 दिसम्बर, 1981 अपरारह से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 26/जी०/82—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री एच० आर० मजुमदार, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी स्टोरहोल्डर) दिनांक 30 जून, 1981 अपरारह से सेवा निवृत्त हुए।

डी० के० मेहता
सहायक महानिदेशक, आर्डर्नन्स फौवटरीयां

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई, 1982

सं० ए०-19018(164)/75-प्रशासन (राज०)-खण्ड-2—
राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, इलाहाबाद के सहायक

निदेशक, ग्रेड-1 (यांत्रिकी) श्री एस० सी० गुलाटी को दिनांक 12 मई, 1982 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, रांची में तदर्थ आधार पर उपनिदेशक (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 मई, 1982

सं० 12(752)/72-प्रशा० (जी)—तकनीकी सलाहकार के पद पर भारतीय निवेश केन्द्र/भारतीय औद्योगिक विकास बैंक भोपाल में, दिनांक 31-5-1980 से 31-3-1981 तक की प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त होने तथा दिनांक 1-4-1982 से 5-5-82 तक के अर्जित अवकाश की समाप्ति पर, श्री एस० आर० सिंह ने विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली में दिनांक 6-5-1982 (पूर्वाह्न) से उप-निदेशक (रसायन) के पद का कार्य भार संभाल लिया है।

सी० सी० राय
उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1982

सं० प्र०-1/2(353)/7—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को जो स्थापनापन्न उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा, समूह "ए" के ग्रेड II (के रूप में उनके नाम के सामने लेखा-कार्यालय में तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे हैं) को दिनांक 30-9-1981 से नियमित आधार पर उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा समूह "ए" के ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

1. श्री पी० एन० सोनी, म० नि० पू० नि० मुख्यालय, नई दिल्ली।
2. श्री एस० फारूख हमीद, म० नि० पू० नि० मुख्यालय, नई दिल्ली।
3. श्री सुधोष बंसल, पू० तथा नि० निवे०, कलकत्ता।
4. श्री एस० एल० सख्जा, पू० तथा मि० निवे०, बम्बई।
5. श्री एस० के० शुक्ल, म० जि० पू० नि०, मुख्यालय नई दिल्ली।

उप निदेशक पूर्ति के रूप में नियमित आधार पर पदोन्नति होने पर उपर्युक्त अधिकारियों को दिनांक 30-9-81 (पूर्वाह्न) से 2 वर्ष के लिए परीक्षाधीन रखा जाता है।

सोहन लाल कपूर
उप निदेशक (प्रशासन)

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 31 मई, 1982

सं० प्र०-6/247(38)—निरीक्षण अधिकारी (इन्जी) के ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे स्थायी सहायक निरीक्षण

अधिकारी (इन्जी) श्री जी० सहदेवन के रिचर्डसन और और क्रुडास लि० (भारत सरकार का संस्थान) में स्थायी रूप से समर्पित कर लिये जाने पर दिनांक 1-6-1980 के पूर्वाह्न से उनका त्याग पत्र स्वीकार कर लिया गया है।

न० म० पेरुमाल
उप निदेशक (प्रशासन)

की प्रीति कर 22-5-1982 (पूर्वाह्न) से इस कार्यालय में सहायक लौह एवं इस्पात नियंत्रक के पद पर नियुक्ति करते हैं।

एस० एन० विश्वास
संयुक्त लौह एवं इस्पात नियंत्रक

खान विभाग
भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 25 मई 1982

इस्पात एवं खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लौह एवं इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 25 मई 1982

सं० ई०-1-2(3)/75(०)—लौह एवं इस्पात नियंत्रक
तद्वारा श्री प्रवीर कुमार बसु राय चौधरी, अधीक्षक

सं० ए०-190012(30)/76-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री जी० एस० रेड्डी, स्थायी सहायक खनन अभियंता को भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 28-12-81 (पूर्वाह्न) से पदोन्नति की गई है।

ब० च० मिश्र
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1982

सं० 301/18/82-एफ० (एफ०)—सूचना और प्रसारण मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 301/18/82-एफ० (एफ०) दिनांक 3-3-82 के द्वारा प्रकाशित भारत का 29वां राष्ट्रीय फिल्म समारोह, 1982 के विनियमों के नियम 19 और 20 तथा सिनेमा पर सर्वोत्तम पुस्तक के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, 1982 विनियमों के नियम 15 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार ने तीन राष्ट्रीय ज्यूरियों द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर निम्नलिखित फिल्मों/निर्देशकों/कलाकारों/तकनीशियनों/लिखकों को पुरस्कार देने का निर्णय लिया है, अर्थात्:—

क्रम सं०	फिल्म का नाम और भाषा	पुरस्कार विजेता का नाम	पुरस्कार
1	2	3	4

1. फीचर फिल्में

1. सर्वोत्तम फीचर फिल्म के लिए पुरस्कार

दखल (बंगला)	निर्माता सूचना और सांस्कृतिक कार्य विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार, राइटर्स बिल्डिंग, कलकत्ता-700001।	“स्वर्ण कमल” और 50,000/- रुपये (केवल पचास हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
	निर्देशक श्री गौतम घोष, 24-ई, रुस्तमजी स्ट्रीट, कलकत्ता-700019।	“स्वर्ण कमल” और 25,000/- रुपये (केवल पच्चीस हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।

2. द्वितीय सर्वोत्तम फीचर फिल्म के लिए पुरस्कार:

पोक्कूवेडन (मलयालम)	निर्माता श्री के० रविन्द्रनाथन नय्यर, जनरल पिक्चर्स, क्विलोन-691001 (केरल)।	“रजत कमल” और 30,000/- रुपये (केवल तीस हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
	निर्देशक श्री जी० अरविन्दन, 9/1733, वेल्लाय-म्बलम, त्रिवेन्द्रम-695010 (केरल)।	“रजत कमल” और 15,000/- रुपये (केवल पन्द्रह हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।

1	2	3	4
3. राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम फीचर फिल्म के लिए नरगिम दत्त पुरस्कार :			
मप्पत्तपदि (तेलुगु)	निर्मिति श्री भीमवरापु बुचि रेड्डी ज्योति आर्ट क्रिएशन्स, नम्बर 12, रामनाथन स्ट्रीट, “टी” नगर, मद्रास-600017।	“रजत कमल” और 30,000 रुपये (केवल तीस हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।	
	निर्देशक श्री के० विश्वनाथ, नम्बर 2, (छठी फ़्लास स्ट्रीट, युनाइटेड इंडिया कालोनी, मद्रास- 600024।	“रजत कमल” और 15,000/- रुपये (केवल पन्द्रह हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।	
4. निर्देशक की पहली सर्वोत्तम फिल्म के लिए पुरस्कार :			
आधारशिला (हिन्दी)	श्री अशोक अहूजा 15/20, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली-110008।	“रजत कमल” और 10,000/- रुपये (केवल दस हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।	
5. सर्वोत्तम निर्देशन के लिए पुरस्कार :			
36 चौरंगी लेन (अंग्रेजी)	अपर्णा सेन, 8 सी०, सोनाली एपार्टमेंट्स, 8/2ए, अलीपुर पार्क रोड, कलकत्ता-700027।	“रजत कमल” और 20,000/- रुपये (केवल बीस हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।	
6. सर्वोत्तम पटकथा के लिए पुरस्कार :			
तन्त्रीय तन्त्रीय (तमिल)	श्री के० बालचन्द्र, 31, वारेन रोड, मद्रास- 600004।	“रजत कमल” और 10,000/- रुपये (केवल दस हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।	
7. सर्वोत्तम अभिनेता के लिए पुरस्कार :			
ओम पुरी आरोहण (हिन्दी)	श्री ओम पुरी, 181, बक्शी निवास, भगत सिंह कालोनी, अंधेरी (पूर्व)। बम्बई।	“रजत कमल” और 10,000/- रुपये (केवल दस हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।	
8. सर्वोत्तम अभिनेत्री के लिए पुरस्कार :			
रेखा उमराव जान (हिन्दी)	मुश्री रेखा, “सी बर्ड” बैड स्ट्रेड, बान्द्रा (पश्चिम) बम्बई-400050।	“रजत कमल” और 10,000/- रुपये (केवल दस हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।	
9. सर्वोत्तम बाल कलाकार के लिए पुरस्कार :			
इमागी निगथेम (मणिपुरी)	मास्टर लिखेन्द्र सिंह, थगमीबद, इम्फाल- 795001।	“रजत कमल” और 5,000/- रुपये (केवल पाँच हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।	
10. सर्वोत्तम छायांकन (रंगीन) के लिए पुरस्कार :			
36 चौरंगी लेन (अंग्रेजी)	श्री अशोक मेहता, प्लॉट नंबर 60, सैंक्टर नंबर 8, न्यू बम्बई, बाशी।	“रजत कमल” और 10,000/- रुपये (केवल दस हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।	
11. सर्वोत्तम छायांकन (सादा) के लिए पुरस्कार :			
मूरु दारीगलू (कन्नड़)	श्री एस० आर० भट, गणेश महल होटल, 18वीं फ़्लास, ग्रैंडमिगे रोड, मालेश्वरम, बंगलूर-560055।	“रजत कमल” और 10,000/- रुपये (केवल दस हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।	

1
2
3
4

<p>12. सर्वोत्तम आलेखन के लिए पुरस्कार :</p> <p>एलिपत्तायम (मलयालम)</p>	<p>श्री पी० देवदास, केरल राज्य फिल्म, विकास निगम, त्रिवेन्द्रम-695014 (केरल)।</p>	<p>“रजत कमल” और 10,000/- रुपये (केवल दस हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।</p>
<p>13. सर्वोत्तम सम्पादन के लिए पुरस्कार :</p> <p>आरोहण (हिन्दी)</p>	<p>श्री भानुदास दिवाकर, चौथी टोपोवाला लेन, शारदा बिल्डिंग, कमरा नंबर 39, डा० डी० बी० मार्ग, बम्बई-400007।</p>	<p>“रजत कमल” और 10,000/- रुपये (केवल दस हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।</p>
<p>14. सर्वोत्तम कला निर्देशन के लिए पुरस्कार :</p> <p>उमराव जान (हिन्दी)</p>	<p>श्री मन्जु, आर्ट हाउस, प्लॉट नं०-58, इरला, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058।</p>	<p>“रजत कमल” और 10,000/- रुपये (केवल दस हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।</p>
<p>15. सर्वोत्तम संगीत निर्देशन के लिए पुरस्कार :</p> <p>उमराव जान (हिन्दी)</p>	<p>श्री खय्याम, दक्षिण मूर्ति एपार्टमेंट्स 71/ ए, 10वीं रोड, बम्बई-400049।</p>	<p>“रजत कमल” 10,000/- रुपये (केवल दस हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।</p>
<p>16. सर्वोत्तम पार्श्वगायक के लिए पुरस्कार :</p> <p>एक दूजे के लिए (हिन्दी)</p>	<p>श्री सी० पी० बालसुब्रमण्यम, नम्बर 64, फर्स्ट क्रॉस स्ट्रीट, कामदार नगर, मद्रास-600034।</p>	<p>“रजत कमल” और 10,000/- रुपये (केवल दस हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।</p>
<p>17. सर्वोत्तम पार्श्वगायिका के लिए पुरस्कार :</p> <p>उमराव जान (हिन्दी)</p>	<p>सुर्भा आशा भोसले, “प्रभु कुन्ज” पेडर रोड बम्बई।</p>	<p>“रजत कमल” 10,000/- रुपये (केवल दस हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।</p>
<p>18. निर्णायक मण्डल का विशेष पुरस्कार :</p> <p>सद्गति (हिन्दी)</p>	<p>श्री मल्लिकार्जुन रे, निर्देशक, 1/1, बिष्णु लीफाण रोड, कलकत्ता-700020।</p>	<p>“रजत कमल” 5,000/- रुपये (केवल पांच हजार रुपये) का नकद पुरस्कार</p>
<p>19. प्रत्येक प्रादेशिक भाषा की सर्वोत्तम फीचर फिल्म के लिए पुरस्कार :</p> <p>(1) बंगल कयसर्वोत्तम फिल्म के लिए पुरस्कार :</p> <p>अदालत-ओ-एकटी मेये (बंगला)</p>	<p>निर्माता श्री डी० के० चक्रवर्ती, मैसर्स डी० के० फिल्म्स, इन्द्रफाहज, पी-36, इंडिया एक्सचेंज प्लेस, कलकत्ता-700001।</p>	<p>“रजत कमल” और 15,000 रुपये (केवल पन्द्रह हजार रुपये) का नकद पुरस्कार</p>
	<p>निर्देशक :</p> <p>श्री. तपन सिन्हा, 675, ब्लॉक “ओ” न्यू अलीपुर, कलकत्ता-700053।</p>	<p>“रजत कमल” और 7,500/- रुपये (केवल सात हजार पांच सौ रुपये) का नकद पुरस्कार।</p>
<p>(2) अंग्रेजी की सर्वोत्तम फिल्म के लिए पुरस्कार :</p> <p>36 चौरंगी लेन (अंग्रेजी)</p>	<p>निर्माता श्री शशि कपूर, मैसर्स फिल्म वलास, 6, रेडीमनो टेरेस, दूसरा तल, डी० ए० बी० रोड, बर्ली, बम्बई-400018।</p>	<p>“रजत कमल” और 15,000/- रुपये (केवल पन्द्रह हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।</p>

1	2	3	4
		निर्देशक	"रजत कमल" और 7,500/- रुपये (केवल सात हजार पांच सौ रुपये) का नकद पुरस्कार।
		गुश्रा शपर्णा मेन, 8 सी, सोनार्ली एपार्टमेंट्स, 8/2ए, अर्लीपुर पार्क रोड, कलकत्ता-700027।	
(3)	हिन्दी की सर्वोत्तम फिल्म के लिए पुरस्कार :		
	आरोहण	निर्माता	"रजत कमल" और 15,000/- रुपये (केवल पन्द्रह हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
		सूचना और सांस्कृतिक कार्य विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार, राइटर्स बिल्डिंग, कलकत्ता-700001।	
		निर्देशक	"रजत कमल" और 7,500 रुपये (केवल सात हजार पांच सौ रुपये) का नकद पुरस्कार।
		श्री श्याम बेनेगल 103, संगम, डा० जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-400026।	
(4)	कन्नड़ की सर्वोत्तम फिल्म के लिए पुरस्कार :		
	बारा	निर्माता	"रजत कमल" और 15,000/- रुपये (केवल पन्द्रह हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
		श्री एम० एम० सत्यू, बी-3, नेहरू नगर, जुहु तारा, बम्बई-400049।	
		निर्देशक	"रजत कमल" और 7,500/- रुपये (केवल सात हजार पांच सौ रुपये) का नकद पुरस्कार।
		श्री एम० एस० सत्यू, बी-3, नेहरू नगर, जुहु तारा, बम्बई-400049।	
(5)	मलयालम की सर्वोत्तम फिल्म के लिए पुरस्कार :		
	एलिपत्तायम	निर्माता	"रजत कमल" और 15,000/- रुपये (केवल पन्द्रह हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
		श्री के० रवीन्द्रनाथन नय्यर, जनरल पिक्चर्स, क्विलोन, 691001। (केरल)	
		निर्देशक	"रजत कमल" और 7,500 रुपये (केवल सात हजार पांच सौ रुपये) का नकद पुरस्कार।
		श्री अदूर गोपाल कृष्णन् दर्शनम् ट्रिवेन्द्रम-695017 (केरल)।	
(6)	मणिपुरी की सर्वोत्तम फिल्म के लिए पुरस्कार :		
	इमागी निगंधेम	निर्माता	"रजत कमल" और 15,000/- रुपये (केवल पन्द्रह हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
		श्री के० इबोहल शर्मा, एक्स-सिने, पाओना बाजार, इम्फाल-795001 (मणिपुर)।	
		निर्देशक	"रजत कमल" और 7,500/- रुपये (केवल सात हजार पांच सौ रुपये) का नकद पुरस्कार।
		श्री अरिवम श्याम शर्मा, थंगमीबन्द लोरेगपरेल, लीकाई इम्फाल-79500। मद्रास	
(7)	मराठी की सर्वोत्तम फिल्म के लिए पुरस्कार :		
	उंबरठा	निर्माता	संयुक्त रूप से "रजत कमल" और 15,000/- रुपये (केवल पन्द्रह हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
		श्री डा० बी० राव, बी-201, कल्पिता एन्कलेवज महार रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई-400059।	
		2. श्री जम्बार पटेल, कुरकुम रोड, दोण्ड, जिला—पुणे।	
		निर्देशक	"रजत कमल" और 7,500 रुपये (केवल सात हजार पांच सौ रुपये) का नकद पुरस्कार।
		डा० जम्बार पटेल० कुरकुम रोड, दोण्ड, जिला पुणे।	

1

2

3

4

(8) उडिया की सर्वोत्तम फिल्म के लिए पुरस्कार

शान राति

निर्माता

श्री बलराम मिश्र, मार्फत वरार्टी
पिक्चर्स, मिश्र भवन, तुलसी पुर
(कटक-8) (उडीसा)।

"रजत कमल" और 15,000/- रुपये
(केवल पन्द्रह हजार रुपये) का नकद
पुरस्कार।

निर्देशक

श्री मनमोहन महापात्र बी०-आर०-20
यूनिट सिक्म, भुवनेश्वर-751001
(उडीसा)।

"रजत कमल" और 7,500/- रुपये
(केवल सात हजार पाच सौ रुपये)
का नकद पुरस्कार।

(9) तमिल का सर्वोत्तम फिल्म के लिए पुरस्कार :

तन्नीर तन्नीर

निर्माता

(1) श्री पी० आर० गोविन्दराजन,
कलाकेन्द्र मूवीज, 31, ईस्ट अबिरामपुर
तीसरी गली, मद्रास-600004।
(2) श्रीमती डी० जयलक्ष्मी, कलाकेन्द्र
मूवीज, 31, ईस्ट अबिरामपुरम तीसरी
गली, मद्रास-600004।

संयुक्त रूप से "राजत कमल" और
15,000/- रुपये (केवल पन्द्रह हजार
रुपये) का नकद पुरस्कार।

निर्देशक

श्री के० बालचन्द्र 34, वारेन रोड,
मद्रास-600004।

"रजत कमल" और 7,500/- रुपये
(केवल सात हजार पाच सौ रुपये)
का नकद पुरस्कार।

(10) तेलुगु की सर्वोत्तम फिल्म के लिए पुरस्कार :

मीना कोकचिलक

निर्माता

श्री एड्डा नागेश्वर राव, 13, कामदार
नगर, नुगम बक्कम, मद्रास-400034।

"रजत कमल" और 15,000/- रुपये (केवल
पन्द्रह हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
का

निर्देशक

श्री भारती राजा, ई-5, प्रस्न बिल्डिंग
जेमनी कामप्लेक्स, मद्रास-600006।

"रजत कमल" और 7,500/- रुपये
(केवल सात हजार पाच सौ रुपये) का
नकद पुरस्कार।

2. लघु फिल्में

20. सर्वोत्तम सूचना फिल्म के लिए पुरस्कार :

फेसेज प्राप्टर दि स्टार्म

निर्माता

फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24, डा०
जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-400025।

"रजत कमल" और 5,000/- रुपये (केवल
पांच हजार रुपये) का नकद
पुरस्कार।

निर्देशक

श्री प्रकाश झा, फिल्म प्रभाग, 24,
डा० जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-
400026।

"रजत कमल" और 5,000 रुपये (केवल
पांच हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।

21. सर्वोत्तम शिक्षाप्रद/ज्ञानवर्धक फिल्म के लिए पुरस्कार :

दि फोर मिनट्स

निर्माता

फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24, डा०
जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-400026।

"रजत कमल" और 5,000 रुपये (केवल
पांच हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।

निर्देशक

श्री बी० जी० देवरे, फिल्म प्रभाग,
भारत सरकार, 24, डा० जी० देशमुख
मार्ग, बम्बई-400027।

"रजत कमल" और 5,000/- रुपये
(केवल पांच हजार रुपये) का नकद
पुरस्कार।

1	2	3	4
22. सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म के लिए पुरस्कार:	हाइड्रम	निर्माता फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24, जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-400026।	“रजत कमल”
		निर्देशक श्री महमूद कुरेशी, फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24, जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-400026।	“रजत कमल”
23 सर्वोत्तम कार्टून फिल्म के लिए पुरस्कार:	दि धिंकर	निर्माता फिल्म प्रभाग, भारत सरकार; 24, डा० जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-400026।	“रजत कमल” और 5,000/- रुपये (केवल पांच हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
		निर्देशक श्री ए० आर० सेन० फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24, डा० जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-400026।	“रजत कमल” और 5,000/- रुपये (केवल पांच हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
		एनिमेटर सुश्री गैला परांकर, फिल्म प्रभाग, भारत सरकार 24, डा० जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-400026।	“रजत कमल” और 5,000/- रुपये (केवल पांच हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
24. सर्वोत्तम भारतीय समाचार चित्र व्यूज मैगजोन नम्बर 12		के लिए पुरस्कार: निर्माता फिल्म प्रभाग भारत सरकार 24, डा० जी० देशमुख मार्ग बम्बई-400026।	“रजत कमल” और 5,000/- रुपये (केवल पांच हजार रुपये) का नकद पुरस्कार
3. पुस्तक पुरस्कार			
25 सिनेमा पर सर्वोत्तम पुस्तक के लिए पुरस्कार:	तमिल सिनेमाविन कदै (तमिल)	श्री अरन्धै नारायणन्, 19/14, पीटर्स रोड कालोनी, मद्रास-600014।	“रजत कमल” और 5,000/- रुपये (केवल पांच हजार रुपये) का नकद पुरस्कार
		4. दादा साहेब फाल्के पुरस्कार: श्री नौशाद अली, आशियाना, कार्टर रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050।	“स्वर्ण कमल” और 40,000/- रुपये (केवल चालीस हजार रुपये) का नकद पुरस्कार और एक शाल।

विक्रम सिंह
निदेशक (फिल्म)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 24 मई 1982

सं० ए० 12026/38/80 (ए० आई० आई० ए० पी०
ए०) —स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने वित्त मंत्रालय,
व्यय विभाग (रक्षा प्रभाग) नई दिल्ली के अनुभाग अधिकारी
श्री के० चौधरी को 14 अप्रैल, 1982 से आगामी आदेशों
2—116 GI/82

तक अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान
कलकत्ता में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति के
आधार पर, नियुक्त कर दिया है।

दिनांक 25 मई, 1982

सं० ए०-12023/7/76 (स० ह०) प्रशासन-1—नौसेना
मन्त्रालय, नई दिल्ली में वरिष्ठ श्रम अधिकारी के पद पर

नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप श्री ए० एम० शर्मा ने सफदर-जंग अस्पताल, नई दिल्ली से 30 अप्रैल, 1981 अपराह्न में जन सम्पर्क अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 27 मई 1982

सं० ए०-12026/38/80-ए० आई० आई० एच० पी० एच० (प्रशासन-1)—श्री जे० एम० भट्टाचार्य के अपने मूल कार्यालय (पेरण्ट आफिस) में परावर्तन (रिवर्शन) हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 11 अप्रैल, 1982 के पूर्वार्द्ध से अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य, कलकत्ता के प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

त्रिलोक चन्द जैन

उपनिदेशक प्रशासन (संगठन एवं पद्धति)

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 15 मई 1982

सं० विप्राइप्र/3(282)/81-स्थापना-1/6539—विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निदेशक, पी० पी० ई० डी० पूल के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं परमाणु ऊर्जा विभाग के स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्री एम० एम० शर्मा को इस प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर रु० 650-30-730-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान पर अप्रैल, 30, 1982 के पूर्वार्द्ध में आगामी आदेश जारी होने तक के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० विप्राइप्र/3(282)/81-स्थापना-I/ 6540—विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्री के० टी० थामस को इस प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान पर मई 1, 1982 के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेश जारी होने तक के लिए नियुक्त करते हैं।

आर० बी० बाजपेयी
सामान्य प्रशासन अधिकारी

बम्बई-5, दिनांक 14 मई 1982

सं० पी० पी० ई० डी०/4(788)/78/प्रशा०/6566—रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक), दक्षिण मद्रास कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी तथा इस प्रभाग के स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री एम० एस० मोहम्मद इकबाल ने अपनी प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त होने पर 30 अप्रैल, 1982 के अपराह्न में इस प्रभाग में आगे पद का भार छोड़ दिया।

बी० बी० थट्टे
अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 10 दिसम्बर 1982

आदेश

सं० ना० ई० सं०/का० प्र० 5/2606/2925/284—जब कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के अनुरक्षण नसिका संयंत्र के कारीगर 'अ' श्री मोहम्मद अब्दुल मजीद, (कार्मिक कूटांक 2925) (अवकाश की बिना किसी सूचना/मजुरी के) दिनांक 25-11-1980 के बाद से अप्राधिकृत काम में अनुपस्थित रहे हैं:-

और जब कि उक्त श्री मजीद को दिनांक 3-4-81 को एक तार जारी करके काम पर तत्काल आने का निदेश दिया गया;

और जब कि तार सं० ना० ई० सं० : न सं० 315, दिनांक 3-4-81 की डाक प्रति उन्हें पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा उनके स्थायी निवासीय पते निबाम सं० 5/10/64, पुलिस लाइन के समीप निजामाबाद (आ० प्र०) को भेजी गयी;

और जब कि उक्त श्री मजीद काम पर नहीं आए;

और जब कि उक्त श्री मजीद को दिनांक 31-5-81 को एक और तार जारी करके तत्काल काम पर आने का आदेश दिया गया;

और जब कि तार सं० नं० सं० : अ-149/505, दिनांक 31-5-81 की डाक प्रति जिसे उनके स्थानीय पते, निवास सं० 20-7-241/4, वनिका बाग के अन्दर, काजीपुरा, शाह अली बंड़ा, हैदराबाद के पते पर पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा भेजा गया था; डाक प्राधिकारियों द्वारा बिना वितरित किए हुए इस अभ्युक्ति के साथ लौटा दिया, "प्रेषितो चला गया है, अतः प्रेषक को लौटाया जाता है"—

और जब कि उक्त श्री मजीद अप्राधिकृत काम से अनुपस्थित रहे रहे हैं, और इस प्रकार नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी आदेशों के अनुच्छेद 39(5) तथा केन्द्रीय नागरिक सेवा (आचरण) नियम 1964 के नियम 3(1) के अनुसार कदाचरण का कार्य किया है;

और जब कि उक्त श्री मजीद को ज्ञापन सं० ना० ई० सं०/का० प्र० 5/2606/2925/1807, दिनांक 12-10-81 के द्वारा आरोप तथा उनके विरुद्ध की जाने वाली प्रस्तावित कार्यवाही की सूचना की गई;

और जब कि उनके उपर्युक्त स्थानीय पते पर पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित दिनांक 22-10-81 का उक्त ज्ञापन डाक प्राधिकारियों द्वारा बिना वितरित किए हुए, इस अभ्युक्ति के साथ लौटा दिया गया, "व्यक्ति चला गया है अतः प्रेषक को भेजा जाता है";

और जब कि उक्त श्री मजीद अप्राधिकृत काम से निरंतर अनुपस्थित रहे, तथा नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को अपना पता ठिकाना नहीं सूचित किया, जिसका तात्पर्य यह हुआ कि उन्होंने नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र से अपनी सेवा स्वेच्छया त्याग दी है;

और जब कि नियमानुसार जाँच करना व्यवहारतः असंभव हो गया है ;

और जब कि मामले के अभिलेखों का सावधानी पूर्वक मनन करने के पश्चात् अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट थे कि उक्त श्री मोहम्मद अब्दुल मजीद सेवा में रखने योग्य व्यक्ति नहीं थे तथा इस अन्तिम निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि उक्त श्री मोहम्मद अब्दुल मजीद पर सेवा से निष्कासन का दंड अधिरोपित किया जाए ;

और जब कि उक्त श्री मजीद को ज्ञापन सं० ना० ई० सं०/का प्र० 5/2606/2925/2249, दिनांक 29-12-81 द्वारा इस अन्तिम निष्कर्ष की सूचना दी गयी ;

और जब कि दिनांक 29-12-81 ने उक्त ज्ञापन को जिसे उनके निवासीय पते निवास सं० 20-7-241/4, दनिका बाग के अंदर, काजीपुरा, शाह अली बंड़ा, हैदराबाद को पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित किया गया था, से भी डाक प्राधिकारियों ने बिना वितरित किए हुए इस अभ्युक्ति के साथ वापस कर दिया "व्यक्ति चला गया है अतः प्रेषक को वापस किया जाता है";

और जब कि मामले के अभिलेखों के आधार पर अधोहस्ताक्षरी इस अन्तिम निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि उक्त श्री मोहम्मद अब्दुल मजीद पर सेवा से निष्कासन का दंड अधिरोपित किया जाए ;

अतः अब केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, नियन्त्रण व अपील) नियम 1965 के नियम 19 (II) को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी आदेशों के अनुच्छेद 43 तथा परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 22(1)/68-प्रशा०-II, दिनांक 7-7-79 के साथ संयोजित करते हुए उनमें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी उक्त श्री मोहम्मद अब्दुल मजीद को सेवा से तत्काल प्रभाव से निष्कासित करते हैं।

नि० कोडल राव,
मुख्य कार्यपालक

1. श्री मोहम्मद अब्दुल मजीद
नि० सं० 20-7-241/4,
दनिका बाग के अंदर,
काजीपुरा, शाह अली बंड़ा,
हैदराबाद।
2. श्री मोहम्मद अब्दुल मजीद
नि० सं० 5-10-64,
पुलिस लाइन के समीप,
निजामाबाद जिला

हैदराबाद-500762, दिनांक 31 मार्च 1982

आदेश

सं० ना० ई० सं०/का प्र० 5/2606/2638/653—जब कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के समृद्ध यूरेनियम आक्साइड संयंत्र के मददगार 'बी' श्री जी० नरसिंह दिनांक 11-12-80 से काम से अप्राधिकृत : अनुपस्थित रह रहे हैं ;

और जब कि उन्हें काम पर तत्काल आने के लिए दिनांक 29-12-80 को तार द्वारा निदेश दिया गया ;

और जब कि उक्त श्री नरसिंह को, उनके निवासीय पते पर प्रेषित तार की डाक प्रतिसं० ना० ई० सं०/का प्र० II/नं० 139/2636/म य आ स/3383, दिनांक 29-12-80, प्राप्त हुई किन्तु श्री नरसिंह काम पर नहीं आए।

और जब कि दिनांक 6-2-1981 को उन्हें काम पर तत्काल आने के लिए एक और तार प्रेषित किया गया किन्तु श्री नरसिंह काम पर नहीं आए ;

और जब कि अपने उपर्युक्त कार्य के द्वारा उक्त श्री नरसिंह ने नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी आदेशों के अनुच्छेद 39 (5) तथा केन्द्रीय नागरिक सेवा (आचरण) नियम, 1964 के नियम 3(1) (ii) तथा 3(1) (iii) के अनुसार कदाचरण का कार्य किया ;

और जब कि उक्त श्री नरसिंह को उनके विरुद्ध आरोप तथा प्रस्तावित कार्यवाही की सूचना ज्ञापन सं० ना० ई० सं०/का प्र० 5/2606/26236/929, दिनांक 26-4-1981 के द्वारा दी गयी ;

और जब कि उनके निवासीय पते:—निवास सं० 7-1-632/107, बापु नगर, संजीव रेड्डी नगर, हैदराबाद 500038, को प्रेषित आरोप पत्र सं० ना ई स/का प्र० 5/2606/2636/929, दिनांक 26-4-81 को डाक प्राधिकारियों ने बिना वितरित किए हुए इस अभ्युक्ति के साथ वापस कर दिया चला गया है";

और जब कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त श्री नरसिंह के विरुद्ध लगाए गए आरोप की जाँच करवाने का विचार किया तथा तदनुसार आदेश सं० ना ई स/का प्र० 5/2606/2636/1271, दिनांक 9-7-81 के द्वारा एक जाँच अधिकारी को नियुक्त किया ;

और जब कि दिनांक 13-10-81 को जाँच अधिकारी ने अपनी रपट प्रस्तुत की जिसमें यह कहा गया कि उक्त श्री नरसिंह को जाँच में भाग लेने के लिए नोटिस जारी करने पर भी उनके जाँच में भाग न लेने के कारण एक पक्षीय जाँच की गयी ;

और जब कि दिनांक 13-10-81 की जाँच रपट सह मामले के अभिलेखों के आधार पर अधोहस्ताक्षरी उक्त श्री नरसिंह के विरुद्ध लगाए गए आरोप को सिद्ध हुआ मानते हैं तथा इस अन्तिम निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि उक्त श्री नरसिंह पर सेवा से निष्कासन का दंड अधिरोपित किया जाए ;

और जब कि उक्त श्री नरसिंह को उपर्युक्त इस अन्तिम निष्कर्ष की सूचना ज्ञापन सं० ना ई स/का प्र० 5/2606/2636/176, दिनांक 29-1-82 द्वारा दी गयी ;

और जब कि उनके उपर्युक्त निवासीय पते पर पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित दिनांक 29-1-82 के ज्ञापन को उक्त श्री नरसिंह ने प्राप्त किया ;

और जब कि उक्त श्री नरसिंह ने निर्धारित समय के भीतर कोई भी अभिवेदन नहीं प्रस्तुत किया ;

और जब कि उक्त श्री नरसिंह द्वारा अप्राधिकृत : काम से निरंतर अनुपस्थित (बिना अवकाश की मंजूरी के) रहने का तात्पर्य नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र से स्वेच्छता अपनी सेवा त्यागना है ;

और जब कि अधोहस्ताक्षरी जांच रपट सह मामले के अभिलेखों के आधार पर इस अंतिम निर्णय पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री नरसिंह सेवा में बनाए रखने के लिए उपयुक्त व्यक्ति नहीं हैं तथा उस पर सेवा से निष्कासन का दंड अधिरोपित किया जाए ;

अतः अब नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी आदेशों के अनुच्छेद 43 को परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 22(1) 168-प्रशा-II, दिनांक 7-7-79 के साथ संयोजित कर उनमें प्रयुक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी उक्त श्री जी० नरसिंह को तत्काल प्रभाव से सेवा से निष्कासित करते हैं।

जी० जी० कुलकर्णी
प्रबन्धक, कार्मिक व प्रशासन

श्री जी० नरसिंह,
नि० सं० 7-1-632/107, बापु नगर,
संजीव रेडिङ नगर, हैदराबाद-500038

अन्तरिक्ष विभाग

इसरो उपग्रह केन्द्र

बंगलूर-560058, दिनांक 20 मई, 1982

सं० 020/1/(002)/82—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, इस केन्द्र के श्री एन० हरिदाशन चैट्टियार, अभियन्ता एस० बी० का नाम परिवर्तन सम्बन्धी सभी औपचारिकता में पूरी करने के बाद श्री एन० हरिदास के रूप में सहर्ष नाम परिवर्तन स्वीकार करते हैं।

आज तक सरकारी अभिलेखों में जहां कहीं भी श्री एन० हरिदाशन चैट्टियार का उल्लेख है उसे श्री एन० हरिदास समझा जायगा।

एम० सुब्रमण्यम,
प्रशासन अधिकारी

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 28 मई, 1982

सं० ए० 32013(मेट)/6/81-स्था० 1—राष्ट्रपति,
भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों को

उसी विभाग में, उनके नामों के सामने दी गई तारीख से अगला आदेश मिलने तक, स्थानापन्न मौसम विज्ञानी श्रेणी-1 के रूप में नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	मौसम विज्ञानी के रूप में कार्यभार संभालने की दिनांक
1.	श्री बी० एल० शर्मा	23-11-1981
2.	श्री कुल यश राय	10-12-1981
3.	श्री जे० के० खन्ना	28-11-1981
4.	श्री ओम प्रकाश	9-11-1981
5.	श्री पी० प्रसाद	9-11-1981
6.	श्री वी० मोहन	28-11-1981
7.	श्रीमतो अजाना चौधरी	9-11-1981
8.	डा० जगदीश सिंह	9-11-1981
9.	श्री के० सुब्बा राओ	24-12-1981
10.	श्री पी० डी० सेट्टी	9-11-1981
11.	श्री अमिजित लहरी	9-11-1982
12.	डा० एच० बी० गुप्ता	9-11-1981
13.	श्री वी० आर० सेशाद्री	9-11-1981
14.	श्रीमती एन० जयन्ती	9-11-1982
15.	श्री टी० सी० मनचन्दा	9-11-1981
16.	श्री आर० सी० सक्सेना	30-11-1981
17.	श्री के० सेथुमाधवन	9-11-1981
18.	श्री पी० सी० शर्मा	9-11-1981
19.	श्री सुरज प्रकाश	9-11-1981
20.	डा० टी० रमन राओ	10-11-1981
21.	श्री कांती प्रसाद	9-11-1981
22.	श्री एस० के० बैनरजी	20-11-1981
23.	श्री पी० एन० लिङ्गू	21-11-1981

सं० ई० (1) 00791—राजपत्र अधिसूचना सं० ए०-ए०-32013(III)/2/74-ई० 1/एस० एफ० एस० दिनांक 30-8-1977 में आंशिक संशोधन करके भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहायक मौसम विज्ञानी श्री एम० एस० राजगोपालन और श्री एस० के० जैन का दिनांक 14-4-1977 के बजाय दिनांक 12-5-1977 से मौसम विज्ञानी श्रेणी-2 के पद पर उसी विभाग में प्रोफार्मा पदोन्नति स्वीकृत की जाती है।

एस० के० दास
मौसम विज्ञान के अपर महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 मई, 1982

० ए०-32013/9/81-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित तकनीकी अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास की कृविधि के लिए वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के

में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1.	श्री पी० गुप्ता	रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली	वे० सू० स्टेशन गौहाटी	14-4-82 (पूर्वाह्न)
2.	श्री वी० गोवर्तनन्	—वही—	वे० सू० स्टेशन, सिलचर	1-5-82 (पूर्वाह्न)

प्रेम चन्द
सहायक निदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1982

—1200 के वेतनमान में सहायक अग्निशमन अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-32014/1/81-ई० डब्ल्यू०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री विश्राम सिंह, वरिष्ठ फायर फौरमैन (तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक अग्निशमन अधिकारी को दिनांक 12 अप्रैल, 1980 से अन्य आदेश होने तक रु० 650

2. श्री विश्राम सिंह को सिविल विमानक्षेत्र, लखनऊ में तैनात किया गया है।

ई० एल० ट्रेसलर
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलय

बम्बई-1, दिनांक 29 मई, 1982

सं० एस० टी० 2/80-81—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 232-ए के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क व लवण अधिनियम, 1944 की धारा-9 के अधीन न्यायालय द्वारा दीयी पाये गये व्यवस्थियों, और अधिनियम की धारा-33 में संदर्भित अधिकारी द्वारा रु० 10,000/- या इससे अधिक की राशि के लिए दंडित व्यवस्थियों के नाम व पते उपनियम-2 में उल्लिखित अन्य विवरणों सहित निम्न प्रकार से प्रकाशित किये जाते हैं:—

1. न्यायालय के मामले

31 मार्च, 1982 को समाप्त तिमाही का

विवरण—

क्रम सं०	व्यक्ति का नाम	पता	अधिनियम के किन प्रावधानों का उल्लंघन किया गया	दण्ड-राशि
1	2	3	4	5
—शून्य—				

II. विभागीय न्याय निर्णयन

क्रम सं०	व्यक्ति का नाम	पता	अधिनियम के प्रावधान या उसके अंतर्गत बने नियमों का उल्लंघन किया गया	दण्ड-राशि	धारा-33 के अंतर्गत न्यायनिर्णित शुल्केय माल का मूल्य, जो जप्त किया जाना है	अधिनियम की धारा-34 के अधीन जप्ती के स्थान पर अर्थ-वृद्ध की राशि
1	2	3	4	5	6	7
1.	मैसर्स प्रभात डाइंग एण्ड प्रिंटिंग वर्क्स।	सोनावाला क्रॉस रोड, गोरेगांव, बम्बई-63।	नियम 173-एफ नियम 9(1) के साथ पठित नियम	40,000/-	शून्य	शून्य

1	2	2	4	5	6	7
			173जी०(1) नियम 52-ए के साथ पठित नियम 173 जी(2) नियम 53 व 226 के साथ पठित नियम 173 जी०(4)।			

कु० श्री दिल्ली पर्सिहजी
समाहर्ता,
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई-1

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 27 मई 1982

सं० 9182—श्री जी० दोरईस्वामी ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मद्रास में सहायक समाहर्ता के पद पर तैनात थे, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के दिनांक 24-4-82 के आदेश सं० 77/82 (फा० सं० ए-22012/13/82-प्रशा०-II) के अनुसार निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के मद्रास स्थित दक्षिणी प्रादेशिक यूनिट में स्थानांतरण हो जाने पर, दिनांक 29-4-82 (पूर्वाह्न) से श्री एच० ए० पंड्या से सहायक निदेशक के पद का कार्यभार ले लिया।

एस० बी० सरकार
निरीक्षण निदेशक

40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 31 मार्च 1982 की पूर्वाह्न से छः महीने की अवधि के लिए अथवा पद, को नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 मई 1982

सं० ए०-19012/853/80-स्था०-पाच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री एस० सी० सारस्वत, पर्यवेक्षक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में प्रारम्भ में 17 सितम्बर, 1980 की पूर्वाह्न से छः महीने की अवधि के लिए अथवा पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

ए० भट्टाचार्य
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक मई, 1982

सं० ए०-19012/997/82-स्था०-पाच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री जी० एल० बुदानी, पर्यवेक्षक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 3 अप्रैल, 1982 की अपराह्न से छः महीने की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं। उनकी पदोन्नति हो जाने पर श्री बुदानी को केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण, नई दिल्ली में पदस्थापित किया जाना है।

दिनांक 27 मई, 1982

सं० ए०-19012/1003/82-स्था०-पाच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री आर० एस० रंधावा, अभिकल्प सहायक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल, 1982

सं० 1/23/69-ई० सी०-9—इस विभाग के वरिष्ठ वास्तुविद्, श्री ए० जे० भट्ट बाधक्य की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 30-4-1982 (अपराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० 1/348/69-ई० सी०-9—इस विभाग के वास्तुविद् श्री पी० सी० शर्मा बाधक्य की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 30-4-1982 (अप०) को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

श्रीमती नीना गर्ग
प्रशासन उपनिदेशक

कार्यालय सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 24 मई 1982

शुद्धि पत्र

सं० 365—इस कार्यालय द्वारा धारा 269-घ(1) के अधीन जारी किए गए नोटिस, जोकि भारत के राजपत्र 17-6-1978 के सप्ताहान्त अंक में पृष्ठ 3441 पर प्रकाशित किया गया था, में निम्नलिखित संशोधन किया जाना है ---

“श्री रंजीव गुप्ता सुपुत्र श्री बी० एन० गुप्ता के स्थान पर

“श्री रंजीव गुप्ता सुपुत्र श्री बी० एन० गुप्ता निवासी

मकान नं० 74, सेक्टर 5-अ, अन्डीगढ़” पढ़ा जाए।

मुख्यदेव अन्व

निरीक्षा सहायक आयुक्त आयुक्त

अर्जुन रंज, लुधियाना

प्रमुख बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 19 मई 1981

निर्देश सं. III 550/अर्जन/82-83--अतः मुझे,
हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या म्युनिसिपैलिटी होल्डिंग स 869
(नया) का अंश एम. प्लॉट सं. 758 बी जो सं. 758 बी/बी.
से निर्गत वाड सं. 1 है तथा जो मोराबादी रोड, ग्राम चदरी
रांची में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची और में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 4-9-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री प्रभात कुमार विश्वास (2) श्री प्रशांत कुमार
विश्वास (3) श्री प्रभात कुमार विश्वास (4) श्री
प्रबुद्ध कुमार विश्वास सभी बल्द स्व. के. के.
विश्वास, निवासी सिकर्ट ह्राउस रोड, थाना लाल-
पुर जिला रांची। वर्तमान पता-सी. एस. 17/4
गोल्फ ग्रीन अर्बन कम्प्लेक्स, कलकत्ता-70045
(अन्तरक)

2. श्री कृष्णा भगत (2) श्री जयदेव भगत दोनों नाबालिग
पुत्र श्री कर्मचन्द भगत जो अपने मां एवं स्वभाविक
अभिभावक श्रीमती मालती भगत द्वारा प्रदर्शित है।
निवासी करमडोली, थाना लालपुर, जिला रांची।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पुराने आवशिष्ट मकान एवं जमीन के कुल रकबे 5 कटठे सहित
माँजा मोराबादी रोड ग्राम चदरी रांची में स्थित है तथा पूर्ण रूप
में धमिका संख्या 1-7512 दिनांक 4-9-81 में वर्णित है एवं
रजिस्ट्रार आफ एस्थोरेन्स कलकत्ता द्वारा पंजीकृत है।

हृदय नारायण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 19-5-1982
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जो
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 19 मई 1982

निदेश सं. 111 548/अर्जन/8-2-83--उक्त: मन्त्रे,
हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या गंची म्यूनिस्सिपलटी होल्डिंग सं. 869
(नया) का अंश एम. एम. प्लॉट सं. 758 बी जों में 758
बी/ए. में निर्गत बॉर्डर सं. 1 है तथा जो मोरादादी रोड, ग्राम
चदरी रांची, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 5-9-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मन्त्रे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

3-116GI/82

1. श्री प्रभात कुमार विश्वास (2) श्री प्रवांस कुमार
विश्वास (3) श्री प्रभात कुमार विश्वास (4) श्री
प्रदुत कुमार विश्वास सभी बन्धु मन्त्र के हैं
विश्वास (5) श्री मती सदागरी विश्वास विश्वास
मन्त्र के हैं विश्वास, निवासी सेंट्रल हाउस रोड,
थाना लालपुर जिला रांची, वर्तमान पता-सी. एम.
17/4 गोलफ ग्रीन अर्बन कॉम्प्लेक्स, कलकत्ता-
700045

(अन्तरक)

2. श्रीमती मादती भगत जीज श्री कर्मचन्द भगत (2) श्री
रविन्द्र नाथ भगत दत्त श्री कर्मचन्द भगत निवासी
कर्मटोली, थाना लालपुर, जिला रांची

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पुराने आवासीय मकान एवं जमीन के कुल रकबे 5 कटठ
सहित मौजा मोरादादी रोड ग्राम चदरी, रांची में स्थित है तथा
पूर्ण रूप से बस्तिका संख्या 1-7523 दिनांक 5-9-81 में वर्णित
है एवं मन्त्र रजिस्ट्रार आफ एण्डोर्समेंट कलकत्ता द्वारा पंजीकृत है।

हृदय नारायण

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 19-5-1982

मोहर :

अधिनियम 1961 का अधिनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि., पना-411004

पना-411004, दिनांक 10 मई 1982

निर्देश सं. पि. ए. /एम-आर मिरज 1/सप्टे 81/684/
82-83-गत मर्के, आर के अफवाल,
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका मूल्य बाजार मूल्य
25,000 से अधिक है
और जिसकी रचना सं. नं. 236 है तथा जो मॉर्जे कपवाड ता
मिरज जि. सांगली में स्थित है (जो इसमें संपत्ति के अधिनियम
में और एन. ए. ए. अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधिनियम
में संशोधन किया गया है), मिरज जि. सांगली में स्थित है।
1908 (1908 का 16) के अधिनियम, ता. मितम्बर 1931
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि पर्याप्त संपत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है जो
अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरती (अन्तरित) के बीच
का अन्तरण का नाम ता. पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
नट्टे में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में दर्ज
नहीं किया गया है।—

- (ए) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधि-
नियम, के अधीन करने वाले अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या समझे अन्तरण में सुविधा
लिए और/या

- (ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 1) या उक्त अधिनियम, 1957
(1957 का 27) का प्रयोजनार्थ अन्तरती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के
सुविधा के लिए;

तब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ब के अनु-
सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित है।—

1. मिरज, जि. सांगली

(अन्तरक)

2. मिरज, जि. सांगली

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप - -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
अन्तरक के नाम पर व्यक्ति द्वारा, प्रक्षोभस्तक्षर
के नाम लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम में प्रयोग 20-क के
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रॉपर्टी जा सं. नं. 236, मॉर्जे कपवाड, ता. मिरज,
जि. सांगली में स्थित है।

(जो की रजिस्ट्रीकृत दिनांक नं. 2053 मितम्बर 1981
में दायित्व निवृत्त मिरज 1 के दफ्तर में लिखा है)।

आर के अफवाल
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजि., पना-411004

तारीख 10-5-1982

प्रो. ए.

1 श्री रहिमुद्दीन शरुद्दीन पीरजाद द्वारा जफरुद्दीन
पीरजाद महारण, ता जि जलगाव (अन्तरक)

2 श्री दितीप समस्थमल गांधी भागीदार समूह डेव्हलप-
मट कारपोरेशन जलगाव 56, नवी पठ, जलगाव
(अन्तर्गती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना ज़रूर करके पूर्वोक्त सम्पादक अंश के लिए कार्यवाहिया करता है।

पूना-411004, दिनांक 10 मई 1982

निर्देश स सि ए-5/एस आर जलगाव नवम्बर 81
689/62-63—एन मुझे, आर के अग्रवाल,
रायचूर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 'इसम
का 15 इसका 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख
के अधीन मजमूरा अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि गवाह सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000
रु स अधिक है।

और जिला मुख्यालय से न 240/1 है तथा ज. महाराज
ता और ज. जलगाव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनसूची मा. ७ र. पूर्ण रूप से वर्णित है), र. मा. व. उ. न. तारी
के कार्यालय दख्तम निबद्धक जलगाव में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर
1981

का उद्देश्य - स्पीड - चत बाजार मला र कम के दृश्यमान
प्रतिष्ठा के लिए अनागत की गई है जो सुझे गृह विभाग
करन का कारण है कि जथा पूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उस दृश्यमान पाने में, के दृश्यमान प्रतिष्ठा का
अनुवृत्त प्रवृत्त अति। वा अन्तर्गत । अति
प्रो. अन्तरिक्ष अन्तरिक्ष । अन्तरिक्ष अन्तरिक्ष । अति
ना पाया गया प्रतिकूल निम्नान्वित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविकता में कबित नहीं किया गया है -

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लक्ष्य में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस पत्रनाम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(४) इन सूचना कर पत्र में प्रकाशन की ता. १३ में ५५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशुद्धतापत्री के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्वयं-चरित्र - इसका प्रारंभ अन्त और पदों का जो उक्त
अभिव्यक्ति में प्रकट है - ०-क से परिभाषित
वर्तनी - यह, जो उक्त अन्त में
प्रकट है।

न. प्रत्येक स हुई किसी व्यक्ति का बाधक
 - धिनिधम अर्थात् कर दे। प्रत्येक के
 नायक स कर करने या उसमें बचने, सुविधा
 क लिए; और/या

ख) एसी किया था या नहीं जाना या ज्ञान प्राप्तियों में निम्न भारतीय प्रायःकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या प्रायःकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्राप्त नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अनसूची

प्रॉपर्टी जा सेत स न 240/1 महरण, ता जि
जलगाव मा स्थित है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र. 4180 जा नवम्बर 1981 में दय्यम निबन्धक जलगाव को दफ्तर में लिखा है)।

आर के अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज, पुना-411004

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण
में, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

तारीख 10-5-1982
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 30 अप्रैल 1982

निवेदन सं. सी. ए.-5 एस-आर/मालेगांव सप्टे 81/671/
82-83—यस: मुझे, आर. के. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सि. सं. नं. 733/बी प्लॉट नं. 16
है तथा जो कप रांड मालेगांव में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय दूर्यस निबंधक मालेगांव में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर
1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निश्चित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रमेशचंद्र जी शाहा 153, सामवार पंठ, मालेगांव
423203, जि. नासिक
(अन्तरक)

2. श्री इकॉनॉमिक ट्रांसपोर्ट्स ऑर्गेनायजेशन इकॉनॉमिक
हाउस, 1 फलक रोड, चिचवंदर, मुंबई
400009
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी सि. सं. नं. 733/बी प्लॉट नं. 16, कप रांड,
मालेगांव जि. नासिक में स्थित है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र. 4256 जो सितम्बर 1981
में दूर्यस निबंधक मालेगांव के दफ्तर में निर्यात है।

आर. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, पूना-411004

तारीख 30-4-1982
मोहर :

प्ररूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 1 मई 1982

निर्देश स. सी 5/एस आर. कल्याण/भारत सरकार स्पट. 81/679/82-83—यतः मुझे, आर. के. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या स. न. 6 (भाग), स. न. 8 (भाग), सि. स. न. 9814 से 9817 टिकका नं. 43 है तथा जं गजबंदन पाथली ता. कल्याण जि. ठाणे में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दायरे में दाय्यम निबंधक कल्याण में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित करे गए हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जोड़/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री चंद्रकांत रामधर देव स्वदन मंजूषा गोपाल नगर, डोंबिवली (पूर्व) जि. ठाणे
(अन्तरक)

2. श्रीमती मदाकिनी मुरार डोंगें लक्ष्मी निवासी कल्याण पथ, डोंबिवली (पूर्व) जि. ठाणे
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी जो स. न. 6 (भाग) और स. न. 8 (भाग) सि. स. नं. 9814 से 9817 टिकका नं. 42, गजबंदन पाथली ता. कल्याण जि. ठाणे में स्थित है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र. 1466 जो सितम्बर 1981 में दाय्यम निबंधक कल्याण के दफ्तर में लिखा है)।

आर. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजि, पूना-411004

तारीख 1-5-1982
मोहर

1 श्री विश्वनाथ जठर, मारम्बत 117, नवी पठ, जलगाव जि जलगाव

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

2 श्री रामचंद्र धाडाराम कावर श्री प्रमरा गोडगेराम कावर 109, नवी पठ, जलगाव जि जलगाव

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 1 मई 1982

निदेश सं सी ए 5/एस आर उत्तरा, मितम्बर 81 680/82 83—न मभे, आर के अशवा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सूचना अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी समस्या सि में न 1945/2 है तथा जा शहर जलगाव, जि जलगाव में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन-सूचना में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय में निबधक जलगाव के दफ्तर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मितम्बर 1981 का पूर्व उक्त अधिनियम के उचित बाजार मूल्य में न 1945/2 का प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरिती) आर अन्तरिती (अन्तरितीया) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कार्य नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) एक व्यक्ति आय या किसी धन या अन्य जास्ति का जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में से उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तभी अर्थ में ही लिये जायेंगे।

अनुसूचा

प्रापटी सि में न 1945/2 शहर जलगाव जि जलगाव में स्थित है।

(जिस की रजिस्ट्रीकृत विलख क्र 3453 जा मितम्बर 1981 में वास्तविक निबधक जलगाव के दफ्तर में लिखा है।

आर के अशवाल
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, पूना-411004

तारीख 1-5-1982
स्थान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 10 मई 1982

निर्देश सं. सी. ए. 5/एस-आर जलगाव 'सितम्बर' 81
687/82-83—यह मुझे, आर के अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
15,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मालगुजारी नं. 143/1 सी-2 है तथा जो
जलगाव में स्थित है (और इस उपावृत्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
द्वारा निबध्दक जलगाव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वम् सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरनिधियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(अन्तरक)

2 श्री दिलीप ममरकुमर गांधी, भागीदार समूह
डबलमट कम्पारेशन जलगाव 56, नवी पठ,
जलगाव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रतिष्ठित जलगाव नं. 143/1 सी-2 जलगाव में स्थित
है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 3456 जो सितम्बर 1981 में
दृश्यमान निबध्दक जलगाव के दफ्तर में लिखा है)।

आर के अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, पूना

तारीख 10-5-1982
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, पना-411004

पना-411004, दिनांक 10 मई 1982

निर्देश सं. सी. ए. 5/एस-आर जलगाव/सितम्बर 81 686/82-83—यन. मुझे, आर. के. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या शेट सं. न. 143/1 सी.-1 है तथा जो जलगाव में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दूरस्थ निबंधक जलगाव में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री श्रीकृष्ण सोमा चौधरी वित्तमल प्रेठ, जलगाव (अन्तरक)

2 श्री दिलीप समरधामाल गांधी, भागीदार समा डार वपरांत कारपोरेशन जलगाव 56, नदी एंग, जलगाव (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रांतीय जा शेट सं. न. 143/1 सी.-1 जलगाव में स्थित है। (जिस की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र. 3455 जो सितम्बर 1981 में दूरस्थ निबंधक जलगाव के वपन में लिखा है)।

आर. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, पना

तारीख : 10-5-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 1 मई 1982

निर्देश सं. सी. ए. 5/एस-आर नासिक/सितम्बर 81/677/82-83--यस: मुझे, आर. के. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी संख्या स. न. 440/2 है तथा जो टाकली रोड, नासिक में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में उक्त पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दाय्यम निबंधक नासिक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कर के दाय्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दाय्यमान प्रतिफल से ऐसे दाय्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्--

4-116GJ 82

1. श्री उमाजी महादू बनकर मला, नजबीक नासडी पुल, नासिक पूर्ण रोड, नासिक 422001 (अन्तरक)

2. मुख्य प्रवर्तक उज्जवल सहकारी गृहरचना संस्था (नियोजित) द्वारा-जिला मार्केटिंग अधिकारी 431/4, विश्व अपार्टमेंट, 3 ए माला, अशांक स्तम्भ, नासिक-2। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोटॉन जो स. न. 440/2, टाकली रोड, नासिक में स्थित है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र. 4014 जो सितम्बर 1981 में दाय्यम निबंधक नासिक के दफ्तर में लिखा है)।

आर. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, पूना।

तारीख 1-5-1982
साहय .

प्ररूप आर्द्र. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, पूना

पूना, दिनांक 1 मई 1982

निर्देश स. सी. ए. 5/एस. आर. जलगांव/अक्तूबर, 676/82-83—यत्: मुझे, आर. के. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी संख्या सि. म. नं. 1973 ए और बी प्लॉट नं. 12, है तथा जो शहर जलगांव में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दय्यम निबंधक जलगांव में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुपकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विजय गंगरिमल जैन, 98, भवानी पेट, जलगांव ।

(अन्तरक)

2. मसर्स मालीमहल अपार्टमेंट जलगांव भागीदार, श्री महेंद्र कुमार दादिवन्द जैन भवानी पेट, जलगांव ।

(अन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रापटी जा सि. म. नं. 1973 ए और बी प्लॉट नं. 12 शहर जलगांव में स्थित है ।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र. 1828 जो अक्टूबर, 1981 में दय्यम निबंधक जलगांव के दफ्तर में लिखा है ।)

आर. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज, पूना

तारीख : 1-5-82
मोहर :

प्रकट आई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, पना

पना, दिनांक 28 अप्रैल 1982

निर्देश म. पि 5/एस आर कल्याण/जान 82/670 82-83—यह सूचे, आर के आगरवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. में अधिक है और जिसकी मूल्यांकन प्लॉट नं. 10, म. नं. 57 हिस्सा नं. 2 वी +4 के है तथा जो गांव गजबंभन पाथली, ता. कल्याण जि. ठाणे में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दक्ष्यम निबधक कल्याण में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूचे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसूची में जो उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

- 1 श्री मधुकर बलवंत चौधरी और अन्य 5, आर्यरिप कोपर रोड, डोंबिवली (पश्चिम) जि. ठाणे।
(अन्तरक)
- 2 श्री आर. बी. मालगी, सचिव आर्यदय सहकारी गृहरेचना संस्था, मनपाडा रोड, डोंबिवली (पूर्व) जि. ठाणे।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधेहम्नाक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रपटी जो प्लॉट नं. 10, म. नं. 57, हिस्सा नं. 2 वी +4 के गांव गजबंभन पाथली, ता. कल्याण, जि. ठाणे में स्थित है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत दिनांक क्र. 9 जो जनवरी 1982 में दक्ष्यम निबधक कल्याण के दफ्तर में लिखा है।)

आर के आगरवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, पना

तारीख 28-4-82
माह

प्रकृष बाई, टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पुना

पुना, दिनांक 1 मई 1982

निर्देश सं. पि. 5/एस आर कराड/सप्ट/81/675/82-83—यत. मुझे, आर. के. आगरवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या जूना आर एस न. 75/1ए/2 नवा आर. एस. न. 79/1ए/2 है तथा जो कसबे कराड, ता. कराड, जि. सांगली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दाय्यम निबंधक कराड में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्गती (अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाखिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों को, जन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री वत्तात्रय महादेव भाबदे 66, सोमवार, कराड, जि. सातारा। (अन्तरक)
2. श्री गजारास श्रीधर कांटेनीस शिवाजीनगर हाईमंग गोगायनी न. 62 कराड जि. सातारा। (अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी जो जूना आर. एस. न. 75/1ए/2, नवा आर. एस. नं. 79/1ए/2, कसबे कराड, ता. कराड जि. सातारा में स्थित है।

(जैसेकि रजिस्ट्रीकृत दिल्ख फ. 3224 जो सितम्बर, 1981 में दाय्यम निबंधक कराड के दफ्तर में निखा है।)

आर. के. आगरवाल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, पुना

तारीख 1-5-82
मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सभ्यता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पूना

पूना, दिनांक 30 अप्रैल 1982

निर्देश सं. पि. 5/एम आर जलगाव/मष्ट 81/673/82-
83—यतः मूक, आर के आगरवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सभ्यता प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000 रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सीट स. न. 270 है तथा जो मंहरण ता.
और जि. जलगाव में स्थित है (जैसे इसमें उपायुक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दूर्यम निबंधक जलगाव में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1981
को प्रस्तावित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्चय
करने का कारण है कि प्रस्तावित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, एन अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

1. श्री भिजवाउदुबीन गथासुतबीन पिरजाबे मंहरण, ता.
और जि. जलगाव।

(अन्तरक)

2. श्री अनिरुद्ध विश्वनाथ पाटील भागीदार - मेसर्स
भारत एंटीम 172, नवी पेट, जलगाव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रोटिपी जो सीट स. न. 270, मंहरण ता. और जि. जल-
गाव में स्थित है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र. 3417 जो सितम्बर 1981
में दूर्यम निबंधक जलगाव के दफ्तर में लिखा है)।

आर. के. आगरवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पूना

तारीख 30-4-82

महोर :

प्रारूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, पना

पूना, दिनांक 1 मई 1982

निर्देश सं. पि. 5/एस आर 2/सप्ट 81 681/82-83—यत मू, आर के आगरवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु में अधिक है

और जिसकी मूल्यांकन न 5, सि. स. न 1381/2 है तथा जो धूल में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दाय्यम निबधक धूल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय या बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार न, स, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

1 श्री अनंत श्रीधर फडणीस और अन्य 5, संभाव नगर, पल्ले।

(अन्तरक)

2 (1) श्री होतचन्द चिमणलाल रिभवाणी ।
(2) सौ कमलाबाई होतचन्द रिभवाणी ।
(3) सौ निर्मलाबाई होतचन्द रिभवाणी ।

2864 आभा पथ, पल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रापटी जो ग न 5, सि. स. न 1381/2, धूल में स्थित है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत गिनेख क्र. 864 जो सितम्बर 1981 में दाय्यम निबधक धूल के दफ्तर में लिखा है।

आर के आगरवाल
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज पना

तारीख 1 5-82
साहर

प्ररूप आई.टी.एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 1 मई 1982

निर्देश सं सी ए 5/एम-आर धूल/नक-81/682/
82-83--अतः मुझे, आर के अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है
और जिसकी संख्या ग न 5, सि स न 1381/2 है तथा
जो धूल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दाय्यम
निबंधक धूल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1981
का पूर्वान्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर्क (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच में अन्तरण के लिए तदपाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने का अन्तरक के
वाचित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

1 श्री हरीशचंद्र चिमण लाल रिझवाणी और अन्य 2,
सि स न 2864, ग न 3 धूल (अन्तरक)

2 डा बलवत सीताराम पानट, सि स न
1382, ग न 5, धूल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रौपटी का ग न 5, सि स न 1381/2, धूल
में स्थित है।
(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र 3707 ज नवम्बर 1981 में
दाय्यम निबंधक धूल के दफ्तर में लिखा है)

आर के अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रज, पूना

तारीख 1-5-1982
माहुर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़ पूना,

पूना, दिनांक 30 अप्रैल 1982

निर्देश संख्या सी. 54 एस. आर. मालंग/सितम्बर-81/672/82-83---यह मुझे, आर. के आगरवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या स. नं. 228/2/3/2 है तथा जो संगमेश्वर, ता. मालंगांव जि. नासिक में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दस्यम निबंधक मालंगांव में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य का काम का अध्ययन प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री प्रभाकर मनोहर हिंगे, एन. डी. सी. कॉलनी बंगला नं. 6, सांयगांव ता. मालंगांव, जि. नासिक

(अन्तरक)

2. श्री. रामप्रकाश शिवचंद राय अग्रवाल और 4 336 कालबावेवी, दूसरी मंजिल, मुम्बई 400002

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी जो स. नं. 228/23/2 संगमेश्वर, ता. मालंगांव जि. नासिक में स्थित है।

जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेस क्र. 3502 जो सितम्बर 1981 में दस्यम निबंधक मालंगांव के दफ्तर में लिखा है।)

आर. के. आगरवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, पूना

दिनांक 30-4-82

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री नरमिन हारमुशा दातीवाला नेसबाग, सी3,
नानाचिक मूनई 40007

(अन्तरक)

2. श्री अच्युत रामचंद्र कलकणी, श्री उदय अच्युत
कलकणी, कलकणी बंगला, घंटाली रोड, ठाणे
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, पुना

पुना, दिनांक 30 अप्रैल 1982

निर्देश स. आई. ए. सी./सी. ए.-5/एस.-आर. धाने/
सितम्बर-81/674/82-83--यतः मुझे, आर. के. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या स. न. 146 हिस्सा नं. 8 (भाग) है तथा जो
पाटलीपाड़ा, कोलसेट ग्रामपंचायत, ता. और जि. ठाणे में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दृश्य निबंधक ठाणे
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
विवरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

5--116GI/82

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्धोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापटी जो स. न. 146 हिस्सा न. 8 (भाग) पाटलीपाड़ा
कोलसेट ग्रामपंचायत, ता. और जि. ठाणे में स्थित है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र. 841 जो सितम्बर 1981
में दृश्य निबंधक ठाणे के दफ्तर लिखा है।)

आर. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज पुना

तारीख 30-4-82

मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, कलकत्ता

कलकत्ता, 15 मई 1982

निर्देश सं. ए. सी.-6/आर-11/कल/82-83---यतः
मूके, के. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 219 है तथा जो दमदम रोड, कलकत्ता-28
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर. ए.
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 30-9-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नन्द गोपाल पान

(अन्तरक)

2. श्री ननी गोपाल दत्त और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

219 दमदम रोड, कलकत्ता-28 का 1/5 का अंश

के. सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, 54, रफीअहमद किववाह रोड,

कलकत्ता-16

दिनांक 15-5-82

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 मई 1982

निर्देश सं. ए सी. 4/रंज-11/कल./1982-83—यतः
मुझे, के सिन्हा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिस
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 219 है तथा जो दमदम रोड, कलकत्ता-28 में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर. ए.
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 30-9-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक की
वायित्व में कमी करने या उगसे बचत में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री मिहिर कुमार पाल ।

(अन्तरक)

2. श्री ननी गोपाल दत्त और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

219, दमदम रोड, कलकत्ता-28 का 1/5 अंश

के सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, 54, रफीअहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

दिनांक : 15-5-1982

मोहूर :

प्रकट आई० डी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 15 मई 1982

निर्देश सं. ए. सी.-5/आर-11/कल./82-83—यतः, मुझे, के. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 219 है तथा जो दमवम रोड, कलकत्ता-28 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर. ए. कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के बाविल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

1. श्री सुशील चन्द्र पाल ।

(अन्तरक)

2. श्री ननी गोपाल दत्त और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कृपा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

219, दमवम रोड, कलकत्ता-28 का 1/5 अंश

के. सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, 54, रफीअहमद किववाह रोड,

कलकत्ता-16

दिनांक : 15-5-1982

मोहर :

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 15 मई 1982

निर्देश सं. ए. सी.-7/आर.-111/कल./82-83--यसः
मुझे, के. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. 219 है तथा जो दमदम रोड, कलकत्ता-28
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बासुदेव पाल ।

(अन्तरक)

2. श्री ननी गोपाल दत्त और अन्य ।

(अन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

219, दमदम रोड, कलकत्ता-28 का 1/5 अंश

के. सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, 54, रफीक़ुल्लाह क़िदवाही रोड,

कलकत्ता-16

दिनांक . 15-5-1982

मोहर :

प्ररूप आर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 15 मई 1982

निर्देश सं. आर्. ए. सी./रंज-11/कल./1982--
यतः, मुझे, के. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 219 है तथा जो दसवम रोड, कलकत्ता-28
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर. ए.
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 30-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री सनील चन्द्र पाल ।

(अन्तरक)

2. श्री ननी गोपाल दत्त और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।
गया है।

अनुसूची

219, दसवम रोड, कलकत्ता-28 का 1/5 अंश

के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, 54, रफीअहमद किबवाह रोड,
कलकत्ता-16

दिनांक : 15-5-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---

(1) श्री पन्चानन दास मेट्रोपोलिटन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 12 मई 1982

निर्देश सं० टी० आर०-175/81-82/स्टे० 616, आई०

ए० सी०/एक्यू० आर०-1/कल०-यतः मुझे, एम० अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 55 है तथा जो मलंगा लेन कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक, 4 सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए नग्न राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण

उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)

के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वास्तव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

55, मलंगा लेन कलकत्ता में अब स्थित मकान जो
4-9-1981 तारीख में डीड नं० 7508 अनुसार रजिस्ट्रार
आफ एयसुरेंस का दफ्तर में रजिस्ट्रीकृत हुआ।

एम० अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

दिनांक : 12-5-1982

मोहर :

प्रमाण आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 12 मई 1982

निर्देश सं० टी० आर० 191/81-82/एस० एल० 617,
आई० ए० सी०/एक्यू०/आर०-1/कल०-यतः मुझे, एम० अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है तथा जो नितार्ई बाबु लेन कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 2 सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अधोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैगार्ग पिगमेट्स एण्ड एलाईड प्रोडक्ट्स।

(अन्तरक)

(2) चन्द्रवीर, साहा एण्ड लक्ष्मी प्रसाद शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

1 नं० नितार्ई बाबु लेन कलकत्ता में अब स्थित, 2 कट्टा
14 छटांक, 41 वर्ग फीट जमीन पर मकान जो 2-9-1981
तारीख में डीड नं० 8051 अनुसार रजिस्ट्रार आफ एमोरेम
के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

एम० अहमद,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

दिनांक: 12-5-1982

मोहूर:

प्रारूप आई० डी० एन० एस०—

(1) श्री देव प्रसाद मंत्री।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) कलायती नाथ।

(अन्तरक)

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

कलकत्ता-16, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० 1092/एक्यू० आर०-III/82-83—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

यतः मझे, एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन मजमूदा प्राधिकारी को, यह विप्रवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिस्तका उच्च बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख 0 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त हुआ है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 3 है तथा जो गोविन्द बोस लेन, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 2 सितम्बर, 1981

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वारन्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावित्त में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या,

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या दिनांक जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

3, गोविन्द बोस लेन, कलकत्ता। 1 के०-3 छटांक-12
स्केयर फीट जमीन पर मकान (1/6 वां शेयर)

एम० अहमद,

सहायक अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 14-5-1982

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

(1) श्रीमती सोभाना लाहिरी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती कल्याणी नाथ ।

(अन्तर्गती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० 1093/एक्यू० आर०III/82-83— यन्.
मुझे, एम० अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका इस्तेमाल मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा जो गोविन्द बोस लेन, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 2 सितम्बर, 1981

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख), ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

3, गोविन्द बोस लेन, कलकत्ता 1 कट्टा, 3 छटांक 12 ;
स्केयर फीट जमीन पर मकान । (1/6 वां शेयर) ।

एम० अहमद,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांक : 14-5-1982

मोहर :

प्रारूप आइ. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती शांतीमयी मेहता ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कल्याणी नाथ ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० नं० 1094/एक्यू० आर-III/82-83---

यतः मुझे, एम० ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा जो गोबिन्द बॉस लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक, 2 सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, एम० दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ---

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3, गोबिन्द बॉस लेन, कलकत्ता 1 कट्ठा, 3 छटांक 12 स्केय
फीट जमीन पर सकान । (1/6 वां शेयर)

एम० ग्रहमद,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

दिनांक : 14-5-1982
माहुर :

व्यवस्थापक, टी. ए. ए. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० 1095/ए० सी० म्यू० आर-III/82-83--

यतः, मुझे, एम० ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा जो गोबिन्द बाम लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2 सितम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है--

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिये;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा है--

(1) श्री रतन प्रसाद मैत्रा

(अन्तरक)

(2) श्री कललानी नाथ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

3, गोबिन्द ब्राम लेन, कलकत्ता। 1 K-CR-12
स्केयर फीट जमीन पर मकान। (1/6 वां शेयर)

एम० ग्रहमद,

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांक : 14-5-1982

मोहर :

प्रकरण छद्मि० टी० एन० एस०---

(1) जयन्त कुमार मित्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) श्री कललानी नाथ

(अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० 1096/ए० सी० न्यु० आर०-III/82-83--

यतः मुझे, एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे आपने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा जो गोबिन्द बॉस लेन, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 2 सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित।
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3, गोबिन्द बॉस लेन, कलकत्ता 1 किलो-3 छटाक-12
स्केयर फीट जमीन पर मकान। (1/6 वा शेर)

एम० अहमद,
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 14-5-1982.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एच. -----

(1) श्री ज्योतिन्द्र नाथ मैत्रा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

(2) श्रीमती कलयानी नाथ

(अन्तरिती)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मई 1982

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

निर्देश सं० 1097/ए० सी० क्यू० आर०-III/82-83--

यतः, मुझे, एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा जो गोविन्द ब्रोम लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, 2 सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

3, गोविन्द ब्रोम लेन, कलकत्ता । 1 किलो-3 छटांक-12 स्केयर फीट जमीन पर मकान । (1/8 वां शेयर)

एम० अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 14-5-1982

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० ६६०—

(1) श्रीमती निर्मला सादा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सुकृति दे

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश सं० 1090/ए० सी० न्यू०, आर०-III/82-83—

यतः, मुझे, एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उगता बाजार मूल्य, 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7 है तथा जो एलेनबाई रोड, कलकत्ता
में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 23-9-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

7, एलेनबाई रोड, कलकत्ता 3 किलो- 4 छटाक- 35 स्केयर
फीट जमीन पर मकान ।

एम० अहमद,
सक्षम प्राधिकारी,
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 14-5-1982

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती निर्मला गादा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री तृप्ति दत्ता

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

कलकत्ता, दिनांक 14 मई, 1982

विदेश सं० 1091/ए० सी० न्यू० गार-III/82-83—यत्त

मुझे; एम० ग्रहमद;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7 है तथा जो एलेनबाई रोड, कलकत्ता में
स्थित है (और इसमें उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 23 सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

7, एलेनबाई रोड, कलकत्ता, 3 किलो-4 छटांक-35 स्केयर
फीट जमीन पर मकान (1/2 गेयर)

एम० ग्रहमद,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांक : 14-5-1982

माहिर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) सुनीला बाला दास

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मोहम्मद मन्वीम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 मई 1982

निर्देश सं० 1087/ए० सी० व्यू० आर-III/82-83-यनः,
मुझे, एम० अहमद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु से अधिक हैऔर जिसकी सं० 2 सी है तथा जो तिलजाला लेन, कलकत्ता
में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
अर्जित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 28 सितम्बर, 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप में कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

2 मी, तिलजाला लेन, कलकत्ता, 5 किलो-12 छटांक जमीन
पर मकान (1/2 गेयर)एम० अहमद,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांक : 15-5-1982

सोहर

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 मई 1982

निर्देश सं० 1088/ए० सी० क्यू० आर-III/82-83—यन,
मुझे, एम० अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें-
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसका सं० 2 सी है तथा जो तिलजाला लेन, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारों के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 28 सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्रीमती सुशीला बाला राम

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद अमजम और दूसरा

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

शरहीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

2 सी, तिलजाला लेन, कलकत्ता 5 किलो-12 ठांका जमीन
पर मकान (1/4 वां जेयर)

एम० अहमद,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांक : 15-5-1982

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एच० एस०—

(1) श्रीमती सुशीला बाना दास

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल गफ्फार

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 मई 1982

निर्देश सं० 1089/ए० सं० क्य०/आर०-III/82-83—

धन, मुद्रा, एम० ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 में है तथा जो निलजाला लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक, 28 मितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 सी, निलजाला लेन, कलकत्ता, 5 किलो-12 छटाक
जमीन पर मकान (1/4 वां शेयर)

एम० ग्रहमद,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

दिनांक 15-5-1982

सोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 मई 1982

निर्देश सं० 1084/ए० सी० क्यू० आर०-III/82-83—यतः,
मुख्य, एम० ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 4 है तथा जो डोभर पार्क, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 28 नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री सुशान्त कुमार पाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री चूर्णलाल कुमभेरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

49 डोभर पार्क, कलकत्ता 19 किलो-5 छटांक-39 स्केयर
फाट जमीन पर मकान (1/3 वा शेयर)

एम० ग्रहमद,

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांक : 15-5-1982

सहोदर :

प्रकरण धार्मिक टी. एन. एच.—

(1) श्री सुशान्त कुमार पाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री माखन लाल फुमरेरा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज—, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 मई 1982

निर्देश सं० 1085/ए० मा० त्प० आ०-III/82-83---

यत, मुझे, एम० ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहाय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 4 है तथा जो डोभार पार्क, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28 मितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार न, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राह्य —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सहोदरग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4, डोभार पार्क, कलकत्ता, 19 किला-5 छटाक-3 स्केयर
फीट जमीन पर मकान। (1/3 वां शेयर)

एम० ग्रहमद,
सहाय प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज—, कलकत्ता

दिनांक 15-5-1982

माहर

प्रमाण आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 मई 1982

निदेश सं० 1086/ए० सी० क्यू० आर-III/82-83—यनः
मुझे, एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में
अधिक है

और जिसकी सं० 4 है तथा जो डोभार पार्क कलकत्ता में
स्थित है (और इसमें उगावट अनुसूची में और पूर्ण रूप में,
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 28 सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
का से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सुशान्त कुमारपाल ।

(अन्तरक)

- (2) श्री ब्रजलाल फुममेरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वहां प्रयुक्त होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

1, डोभार पार्क, कलकत्ता 19 किलो-5-छटांक-3 ग्रेडर
फीट जमीन पर सकात (1/3 वा शेयर)

एम० अहमद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज—, कलकत्ता

दिनांक 15-5-1982
मोहरः

प्ररूप बाह्य. टी. एन्. एस.-----

(1) श्री विश्वरूप बोस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्रीमती शानि रानी मित्रा ।

269-ब(1) के अधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 मई 1982

निर्देश सं० 1083/ए० सी० न्य० आर-III/82-83-यत्.

मुझे, एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसका सं० 49/13 बी. है तथा जो हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21 सितम्बर 1981 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किमा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित:-

को यह सूचना जारी करके पुरावन सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रुतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोद्गताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही प्रयुक्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

49/13 बी, हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता, 1 किलो-8 छटांक-2 स्क्वियर फीट जमीन पर मकान ।

एम० अहमद,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांक : 15-5-1982
मोहर

प्रारूप धाई० टी० एन० एस०—

1—श्री विमल कुमार घोष।

(अन्तरगत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

2—श्री कमाई गान चाम्बी और

दुमरा

(अन्तरिणी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश सं०—1082/एक्वी-ग्रां III/82-83—यन, मुं, एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 43 है तथा जो शिल रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16 अक्तूबर, 1981 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कर के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

43, झील रोड, कलकत्ता

3 के 0 9 सी एच जीमन पर मकान।

एम० अहमद

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज III कलकत्ता-16

दिनांक 14 मई 1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

1. श्री देवेन्द्र चन्द्र राय और दुसरा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

2. कुमारी रूबी स्कीनेक्स ट्रेडरम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III-कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक, 14 मई 1982

निर्देश सं० 1081/एक्वी आर-III/82-83—यतः, मुझे,

एम० ग्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 45/1ए० है तथा जो सामगुल दुदा रोड, कलकत्ता स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाँहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

45/1ए, सामगुल दुदा रोड, कलकत्ता ।
2 के०—5 सी एच० जमीन पर मकान ।

एम०ग्रहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III कलकत्ता-16

तारीख : 14 मई 1982

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश सं०-1080/एक्सी० प्रार-III/82-83—यतः मुझे

एम० आहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के
 अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 144 है तथा जो चारुचन्द्र
 प्लेस इण्ट, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
 में ग्राह्य, पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
 कार्यालय अलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30 सितम्बर 1981
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 षट्द्वि प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
 पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाचन, उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
 कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने
 में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
 मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती आशालता घोष

(अन्तरक)

2. श्री दब्रगत सरकार।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट (एक तल्ला),

144, चारुचन्द्र प्लेस इण्ट, कलकत्ता।

एम० आहमद

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

दिनांक : 14 मई 1982
 मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 मई 1982.

निर्देश सं०-1079/ए० सी०क्यू०आर०-III/82-83—यनः,

मुझे, एम० अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० I है तथा जो कलोनल विश्वास
रोड़, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबध अनुसूची में
और, पुराण से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 सितम्बर 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहम्मद इयाकूब और दूसरा

(अन्तरक)

2. श्री चित्ररंजन राउथ ।

(अन्तरिती).

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1. कलोनल विश्वास रोड़, कलकत्ता ।

2 के०—जमीन पर मकान ।

एम० अहमद

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज III, कलकत्ता

दिनांक : 12-5-1982

माहूर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. —

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 मई, 1982

निर्देश सं० 1078/ए० सी० क्यू० आर-III/82-83; -यतः,
मुझे, एम० अहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 46/3 ए है तथा जो बालीगंज प्लेस, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 29 सितम्बर 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री अभय कुमार चक्रवर्ती

(अन्तरक)

(2) श्री महेश कुमार सारफ और दूसरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

46/3ए, बालीगंज, प्लेस कलकत्ता । 1-किलो-14 छटांक
जमीन ।

एम० अहमद,
संक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांक : 6-5-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री दीपक चन्द्र लाहिरी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० ए० सी० ब्यू० आर-I/कलकत्ता
टी० आर०-170/81-82/एस० एल० नं० 623-यतः मुझे,
एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16 है तथा जो शेक्सपियर सारणी में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 9 मिनम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(2) सुबीर कसजाई एंड आदर्श मैसर्स भादुरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

16 शेक्सपियर सारणी कलकत्ता में अब स्थित, 476.66
मीटर जमीन पर एक तस्ला मकान जो 7682 डीड नं०
अनुसार 9-9-81 तारीख में रजिस्ट्रार आफ एमुरेंस का
दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

एम० अहमद,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

दिनांक : 13-5-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री सुधांसु शेखर चौधरी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) कालिपदा घोष एंड अदर्स

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० ए० सी० व्यू० आर०-I/कलकत्ता
टी० आर०-171/81-82/एम० एल० नं० 622—यतः मुझे,
एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5/2 है तथा जो सील लेन में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8
सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

5/2, सील लेन कलकत्ता में अब स्थित, 1 बीघा, 3 कट्टा
1 छटाक, 14 वर्ग फीट जमीन पर एक तल्ला टाईल सेड, मकान
जो 8-9-1981 तारीख में डीड नं० 7665 अनुसार रजि-
स्ट्रार आफ एसोरेस का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

एम० अहमद,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

दिनांक: 14-5-1982

मोहूर :

प्रकरण आई० टी० एन० एल०—

(1) श्री गंगाराम, वास एंड आदर्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती गीता देवी बाजपाई पत्नी श्री प्रशाद बाजपाई
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कलकत्ता, दिनांक 14 मई, 1982

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० आई० ए० सी० ए० सी० क्यू० आर-1/कलकत्ता
टी० आर-157/81-82/एस०एल० नं० 621—यतः, मझे, एम०
अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 21 एच है तथा जो अबुलसुर रोड़ कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
30 मितम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

21 एच अबुलसुर रोड़ कलकत्ता अब स्थित 3 कट्टा 5
छटांक, 24 वर्ग फीट, जमीन जो 30-9-1981 तारीख में
रजिस्ट्रार आफ एसोरेंस का दफ्तर में जीड नं० 1184 अनुसार
रजिस्ट्री हुआ।

एम० अहमद,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

दिनांक : 14-5-1982
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती दीपिका सीन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पद्मा लाल साऊ

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश सं० टी० आर०-283/81-82/एस० एल० 620
आई० ए० सी० ए० सी० न्यू० आर०-1/कलकत्ता —यतः, मुझे,
एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5/1 ए०, 5/2ए, 5/3ए, 5/4ए और
5/5ए है तथा जो हास्पिटल स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
5 सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसर्गण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

5/1 ए, 5/2ए, 5/3ए, 5/4ए और 5/5ए, हास्पिटल स्ट्रीट
कलकत्ता में अब स्थित है, 6 कट्टा 13 छटाक जमीन पर
आंशिक दो तल्ला और आंशिक तिन तल्ला मकान का आधा
हिस्सा जो डीड नं० 7530 अनुसार 5-9-1981 तारीख में
रजिस्ट्रार आफ एग्सुरेंस का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ ।

एम० अहमद

सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

दिनांक : 14-5-1982

माहूर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सीरिन्द्र नाथ दत्त

(अन्वयक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) मालविका कोमार्परेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०
(अन्वयिका)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 15 मई 1982

निर्देश सं० 1099/ए.सी.क्यू० आर०— /82-83—यन.

मुझे, एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 14 है तथा जो सीलमपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उमावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिका काला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4 सितम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर में कटौत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

9—116 GI/82

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बंदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

14, सीलमपुर रोड, कलकत्ता

एम० अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

दिनांक : 15-5-1982

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री कमल कुमार आजी एंड अवर्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री नारायण दत्त मिश्र

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कलकत्ता-16, दिनांक 17 मई 1982

निर्देश सं० टी० आर०-220/81-82/कम सं० 625--आई०
ए० सी०/ए० सी० ब्यू० आर-I/कलकत्ता यतः, मुझे, एम०
अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8 है तथा जो गोलाप शास्त्री लेन, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 30 सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तालीम से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

8 नं०, गोलाप शास्त्री लेन, कलकत्ता में अब स्थित 3 कट्टा,
4 छटांक, जमीन पर तिन तल्ला मकान जो 30-9-1981
तारीख में डीड नं० 1-8608 अनुसार रजिस्ट्री हुआ।

एम० अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता-6

दिनांक: 17-5-1982

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री अलोक चन्द्र नाहिरि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) सुबीर करनाई एंड अदर्स

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) भवेश भादरी

वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 13 मई, 1982

निर्देश सं० टी० आर० 169/81-82/एकम सं० 624--

आई० ए० सी० ए० सी० ब्यू० आर-1/कलकत्ता-16 यतः मुझे,
एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं० 16 है तथा जो शेक्सपियर सरणी में
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में,
रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन;
दिनांक 9 नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

16 शेक्सपियर सरणी, कलकत्ता में अब स्थित 476.81
वर्ग मीटर जमीन पर एक तला मकान जो डीड नं० 7683
अनुसार 9-9-1981 तारीख में रजिस्ट्रार आफ एसोरेस
के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

एम० अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक 13-5-1982
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती दीपिका सील

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती केवल देवी एंड ग्रुपर्स ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- , कलकत्ता

कलकत्ता-16 दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश सं० टी० आर० 282/81-82/ क्रम सं० 619--
आई० ए० सी० ए० सी० न्यू० आर-1/कलकत्ता-16 यतः मुझे,
एम० ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जमकी सं० 5/1 ए, 5/2ए, 5/3ए, 5/4ए और 5/5ए
है तथा जो हास्पिटल स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रारकी
अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रार अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5 सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप----

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

5/1ए, 5/2ए, 5/3ए, 5/4ए और 5/5ए, हास्पिटल स्ट्रीट,
कलकत्ता में अब स्थित, 6 कट्टा 13 छटांक, जमीन पर आंशिक,
दो तल्ला और आंशिक तिन तल्ला मकान का आधा हिस्सा
जो डीड नं० 7531 अनुसार 5-9-1981 तारीख में रजि-
स्ट्रार आफ एसोरेम के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ ।

एम० ग्रहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

दिनांक : 14-5-1982

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

(1) श्री धनन्जय राय

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ग(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मंजू मित्र

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) टेनेंट्स

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 12 मई 1982

निर्देश सं० टी० आर०-196/81-82 618/
आई० ए० सी०/ए सी ब्यू० आर०-I/कलकत्ता-यतः मुझे,
एम० ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए में अधिक है

और ज़मकी सं० 124 बी है तथा जो लेनिन मरणा में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 21 सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूचन
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-3 में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

124 बी लेनिन मरणा, कलकत्ता में अब स्थित, आंशिक,
नित तल्ला और आंशिक चार तल्ला मकान और जो 4 कट्टा
3 छटांक, 6 वर्ग फीट, जमीन पर अब स्थित, और जो डीड नं०
8044 अनुसार 21-9-1981 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

एम० ग्रहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

दिनांक: 12-5-1982

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० 382/81-82---यतः, मुझे, श्रीमती मंजु माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 203 प्लॉट नं० 20 है
जो हिन्दवाडी बेलगम में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय बेलगम ग्रंडर डाकुमेंट नम्बर 1069 दिनांक 3
सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक
रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्रीमती सुशीला कुंडिराज डोंबले नंबर 95, रोड
नं० 3, भारतनगर, शाहपुर, बेलगम
(अन्तरक)

(2) 1. श्री फिरोज दरबाशाह मेहता
2. श्रीमती धनु फिरोज मेहता 203/2/1 बी०
प्लॉट नं० 20, हिन्दवाडी, बेलगम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

हिन्दवाडी, बेलगम में स्थित बिल्डिंग (जमीन सहित) जिसका
नंबर है आर० एस० नंबर 203 और प्लॉट नंबर 20।

श्रीमती मंजु माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

दिनांक . 4-12-1981

सांहर .

प्ररूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 21 मई, 1982

निर्देश सं० सी० आर० नं० 32772/81-82/अवनि बे०—

यतः, मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2758 तथा 2759 है, तथा जो तुम्कूर
गांधीनगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
तुम्कूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 7 सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूमि अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा(1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) श्री जी० ए० शिवस्वामी, श्री जी० एन० चक्रलेशय्या
के पुत्र 5वा क्रस, मिछधगंगा एक्सटेंशन तुम्कूर
(अन्तरक)

(2) श्री एच० एम० गंगाधरय्या मेक्रेटरी, मिछार्ता एजू-
केशन मोसाइटी गोल्लहल्ली तुम्कूर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाम निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1715 दिनांक 7-9-1981)

नया नं० 2758 और 2759, गांधी नगर, तुम्कूर ।

मंजु माधवन,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज, बंगलौर

दिनांक : 21-5-1982

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 मई, 1982

निर्देश सं० जी० आई० आर० सं० सी०-33/अर्ज-अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मे से भ० सं० बी० 4 है तथा जो आई० टी० कालेज क्रासिंग, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपायधनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12 सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) प्रगतिशील सहकारी गृह निर्माण समिति लि०
मी-207 निरामानगर लखनऊ

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्र देखा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूखंड संख्या 12 खसरा संख्या 992 में से 5148 वर्ग-फुट का भूखंड संख्या बी-4 स्थित आई० टी० कालेज क्रासिंग, लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो फार्म संख्या 37-जो नं० 6340 एषं सेलडीड में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 12-9-1981 को किया जा चुका है (12-9-1981)।

ए० प्रसाद

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 20-5-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स प्रगतिशील सहकारी गृह निर्माण समिति
नि० सी०-207, निरालानगर, लखनऊ
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जय नारायण
(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) श्री जय नारायण
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

लखनऊ, दिनांक 20 मई 1982

निर्देश सं० जी० आई० आर० सं० जे०-57/अर्जन—अतः,

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 12 में से है तथा जो भूखंड सं० 1
आई० टी० कालेज क्रॉसिंग लखनऊ में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18 सितम्बर, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित अनुसूची में उक्त अन्तरण दिनांक में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसूचन
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

10-116GI/82

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूखंड संख्या 12 खसरा सं० 992 में से भूखंड पैयमाईशी
3680 वर्गफीट स्थित आई० टी० कालेज क्रॉसिंग शहर लखनऊ
तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेल डीड तथा फार्म 37-जी०
संख्या 6334 में वर्णित है जिनका पंजीकरण भव रजिस्ट्रार
लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 18-9-1981 को किया
जा चुका है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 20-5-1982

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 मई 1982

निर्देश सं० जी० आई० आर० सं० सी०-34/अर्जन-यतः,
मुझे, ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 12 है तथा जो स्थित आई० टी०
कालेज क्रासिंग लखनऊ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) मीसर्स प्रगतिशील सहकारी गृह निर्माण समिति लि०
सी०-207 निरालानगर, लखनऊ

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्र प्रभा भारती

(अन्तरिती)

(3) श्रीमती चन्द्र प्रभा भारती

(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूखंड संख्या 12 खसरा नं० 992 स्थित आई० टी०
कालेज क्रासिंग लखनऊ में मे भूखंड संख्या बी पैमाइसी 3530
वर्गफुट एवं वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड एवं फार्म 37-
जी० संख्या 6342 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब
रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक सितम्बर 1981
को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 20-5-1982

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस् -----

(1) प्रगतिशील सहकारी गृह निर्माण समिति लि०
सी-207 निरासागर लखनऊ

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 मई 1982

निर्देश सं० जी० आई० आर० सं० ए०-108/अर्जन-अतः,

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० बी०/3 है तथा जो आई० टी० कालेज क्रॉसिंग,
लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 18 सितम्बर, 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूखण्ड संख्या 12 खसरा संख्या 992 में से भूखण्ड
संख्या 13/5 पैमाइशी 5121 वर्ग फीट स्थित आई० टी०
कालेज क्रॉसिंग, लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो फार्म
37-जो संख्या 6336 एवं सेलडीड में वर्णित है जिनका
पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक
18-9-1981 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 20-5-1982

माहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 मई 1982

निर्देश सं० जी० आई० आर० सं० एम्०-134/अर्जन-अतः,
मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी०-58/30, डी०-58/ए० बी० सी० है तथा
जो मिर्गा, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अर्धन, दिनांक 12 सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्--

(1) श्री ईश्वर गजेन्द्रश्वर शिवा ठाकुर प्रेमिससेज सं०
बी० 8/44-44-ए सोनारपुरा वाराणसी में स्थापित
एक डेटा द्वारा इसके सेवायत एवं टस्टी गण :--

1. अमृलेन्दु शोखर नास्कर
2. अर्धेन्द्र शोखर नास्कर
3. नवेन्द्र शोखर नास्कर
4. परेन्द्र शोखर नास्कर
5. विमलेन्द्र शोखर नास्कर

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती मजू अग्रवाल
2. श्री मुकेन्दु राय कटारिया
3. बाल गोविन्द अग्रवाल

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरिती:

(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पूर्ण भूमि व भवन इत्यादि जो अचल सम्पत्ति संख्या
डी०-58/30, डी०-58/ए और डी०-58/30-बी और
डी०-58/30-सी स्थित मिर्गा वाराणसी पैमाइशी 23462
बर्गफीट तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड में वर्णित है
और जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय
में दिनांक 12-9-1981 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 20 5-1982

मोहर

प्रूप आर्. टी. एन. एस.-----

(1) मैसर्स प्रगतिशील सहकारी गृह निर्माण समिति
लि० सी-207 मिरालानगर लखनऊ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जयश्री पाण्डेय

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) श्रीमती जयश्री पाण्डेय

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

अर्जन रंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

लखनऊ, दिनांक 20 मई 1982

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० जी० आई० आर० सं० जे०-56/अर्जन--अतः,

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसका सं० 12 में का है तथा जो भूखण्ड संख्या ए-13
स्थित आई० टी० कालेज क्रासिंग लखनऊ में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रार अधिकां के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रार अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29
सितम्बर, 1981(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अवसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/वा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;भूखण्ड संख्या 12 खसरा न० 992 स्थित आई० टी०
कालेज क्रासिंग लखनऊ में से भूखण्ड संख्या ए-13 पैमाइशी
2030 वर्गफीट एवं वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडॉड एवं
फार्म 37-जो संख्या 6566 में वर्णित है जिनका पंजीकरण
सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 29-9-1981
को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 20-5-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

लखनऊ, दिनांक 20 मई, 1982

निर्देश सं० जी० आई० आर० सं० एस०-230/अर्जन-अतः,
मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 12 है तथा जो में का भूखण्ड सं० बी०/3
स्थित आई० टी० कालेज क्रासिंग लखनऊ में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रार कार्यालय अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रारकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, सितम्बर
1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स प्रगतिशील सहकारी गृह निर्माण समिति
लिमिटेड, सी०-207, निराला नगर लखनऊ
(अन्तरक)

(2) श्रीमती संतोष दीक्षित

(अन्तरिती)

(3) श्रीमती संतोष दीक्षित

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूखण्ड संख्या 12 खमरा न० 992 स्थित आई० टी०
कालेज क्रासिंग लखनऊ में से भूखण्ड संख्या बी०/3 पैमायशी
2006 वर्गफुट एवं वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड एवं फार्म
37-जी० संख्या 6338 में वर्णित है जिनका पंजीकरण
सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक सितम्बर 1981
को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 20-5-1982

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

लखनऊ, दिनांक 25 मई, 1982

निर्देश सं० जी० आई० आर० सं० के० 108/अर्जन—अतः,
मुझे, ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० बी० 1/1 है तथा जो कुर्सीरोड़ महानगर
इक्सपोज़िशन स्कीम लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19 सितम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन—

(1) श्रीमती निर्मला देवी

(अन्तरक)

(2) 1 श्री प्रभाकर विपारी
2 श्रीमती बरुना तिवारी
3 श्री विवेक तिवारी
4 श्री सुधाकर विपारी

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरिती

(यह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी दावेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सूच्य संख्या बी-1/1 कुर्सी रोड़ महानगर एक्सपोज़िशन
हाऊसिंग होम लखनऊ पैयमाइशी 7000 वर्ग फीट तथा वह
सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड एव फार्म 37-जी संख्या 5973/
में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के
कार्यालय में दिनांक 19-9-1981 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 25-5-1982

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लखनऊ

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

लखनऊ, दिनांक 20 मई, 1982

निर्देश सं० जी० आई० आर० सं० एन०-47/अर्जन-अन

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 253/1 है तथा जो ग्राम तुलसीपुर वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक, 26 अक्टूबर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री लाल बहादुर मिश्रा
2. लल्लन
3. मान बहादुर सिंह
4. रामाधार सिंह

(अन्तरक)

- (2) मैमर्स नवोदित सहकारी आवास समिति लि० वाराणसी द्वारा इसके सेक्रेटरी श्री भुवनेश्वर प्रसाद रजिस्टर्ड आफिस सी० के० 65×190 बड़ी पिपरी वाराणसी

(अन्तरिती)

- (3) उपरोक्त अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूखंड संख्या 253/1 में से 63881 वर्गफुट भूमि स्थित ग्राम तुलसीपुर परगना-देहान अमानत, जिला वाराणसी, तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो फार्म 37-जो संख्या 42/1981 एवं मेलडीड में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 26-10-1981 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लखनऊ,

दिनांक : 20-5-1982

मोहर :

परूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

लखनऊ, दिनांक 20 मई, 1982

निर्देश सं० जी० आई० आर० सं० पी०—92/अर्जन—अतः,

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12 में का भू० सं० बी०—4 है तथा जो आई० टी० कॉलेज आसिंग लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14 अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिब्य में कमी करने या नमो बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

11—116GI/82

(1) श्रीमती चन्द्र लेखा

(अन्तरक)

(2) प्रगतिशील सहकारी गृह निर्माण समिति लि०
पी-207 निगलानगर लखनऊ

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूखण्ड संख्या 12 खसरा संख्या 922 में से भूखंड संख्या बी०—4 स्थित आई० टी० कॉलेज आसिंग शहर लखनऊ पैमाइशी 5148 वर्गफीट एवं वह सम्पूर्ण संपत्ति जो फार्म 37-जी संख्या 6894 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 14-10-1981 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 20-5-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 अप्रैल, 1982

निदेश सं० पो० आर० नं० 1879/23-J/81-82—अनः

मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 997, पैकी जमीन है तथा जो गांव बजेपुर, तालुका मोरवी, जिला राजकोट में स्थित है (और इस से उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोरवी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. द भी मोहन बाना,
नरसिंग टेकरी के पीछे,
बजेपुर, वाडी, तालुका मोरवी,
जिला राजकोट ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री जयन्ती लाल हरी भाई पटेल,
गांव मोटी मराड, तालुका मोरवी,

(2) श्री नाथलाल गोकल दास, पटेल,
गांव मोी मराड, तालुका धोरजी,
अभी मोरवी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 6 बीघा है जो सर्वे नं० 997 गांव बजेपुर तालुका मोरवी में स्थित है तथा जिसका वर्णन मोरवी रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 4258/ सितम्बर, 1981 में दिया गया है ।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख 26-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 26 अप्रैल, 1982

निवेदन सं० पी० आर० नं० 1880/23-1/81-82---प्रतः

मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सर्वे नं० 402, प्लॉट नं० 16, पैकी, है तथा
जो उमाकान्त पंडित उद्योग, नगर गोंडल रोड, मांछवी प्लॉट
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
1-9-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री मती चिमलाबेन धन जी भाई,
की घोर से कुल मुह्तयार,
श्री त्रिभुवन दास, ईश्वर भाई, अमीन,
कलावड रोड, राजकोट ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जयाशेन मोहन लाल,
स्वास्तिक सोसायटी,
राज कोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 600 वर्ग याडें है, जो
उमाकान्त पंडित उद्योगनगर, राजकोट में स्थित है तथा जिसका
वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता बिश्रीखत नं० 6480/10-9-81 में
दिया गया है।

आर० आर० शाह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

तारीख : 26-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 अप्रैल, 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1590/एक्वी०/23-II/82-83-

प्रतः मुझे आर० आर० शाह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नाद नं० 264, वार्ड, नं० 2, मालेसार
मोहल्ला, है तथा जो सुरत में स्थित है और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16 के अधीन दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
को लिए और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भुत्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. धेत फार्म रोसकेर सजी,
गोलवाला ।
रोशनबेन फरीदुन केलावाला ।
रेस्टेम बाग, बेकुला बाम्बे ।

(अन्तरक)

2. (1) प्रभुराम शिव लाल,
(2) चतदान बेन, प्रभुराम ।
(3) शरीश कुमार प्रभुराम
(4) विनोद कुमार प्रभुराम
अमबाबाडी, कालीधुल, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो मालेसार मोहल्ला, वार्ड नं० 264, वार्ड
नं० 2, सुरत सितम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 10-4-1982
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1591/एक्वी०/23- /82-

83--अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० नोड नं० 4403, छः नगर, जोरी है, तथा जो जोगीमपुरा, 1, सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में पूर्ण किया गया है या उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) चम्पकलाल मणीलाल छापगर ।
- (2) प्रभावेन चम्पकलाल छापगर ।
सशामपुरा, छापगर, जोरी,
सुरत ।

(अन्तरक)

2. (1) अरविन्द भाई, मनगुभाई शाह
- (2) श्रीमती मृदुला बेन शाह
अरविन्द भाई शाह
ज्योहो, छलोदर्स,
काला मेहता जोरी,
सशामपुरा, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामीन में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के माध्यम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ठ में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोड नं० 4403, छापनगर जोरी, सशामपुरा सुरत, सितम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 19 4 82
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज- ; अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1592/एकसी०/23-11/82-
83--अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 1059, आदर्श सोसायटी पास है तथा जो
आशा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
यन्त्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पुष्पाबेन की कुल मुल्लयार :

दोला भाई पटेल,

डा० राम लाल कालीदास देहाई

आदर्श सोसायटी,

आथवा लैन्स, सूरत ।

(अन्तरक)

2. प्रमुख और सचिव,

ऐडेयन पार्क को०आ० हाउसिंग सोसायटी :—

1. श्री योगेश शांतीलाल काण्डक्टर,

वरिया महल, चौक बाजार,

सूरत ।

2. श्री अशोक द्वारकादास,

अधिकारी पानी नी भीड़, साणी, पुलिया, सूरत ।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 105-9, आदर्श सोसायटी पास,
अथवा लैन्स, सूरत, सितम्बर, 1981 में यथाविधि रजिस्ट्री
की गयी है ।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज- , अहमदाबाद

तारीख : 19-4-1982

साहू :

परूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 अप्रैल, 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1852/एम्बो/23-I/81-
82—अतः मुझे, आर० आर० शाह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नटवर नगर, तालुका बाडीया बगसरा,
नजदीक जिला अमरेली है तथा जो अमरेली में स्थित है (और
इस से उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अमरेली में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर,
1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षों :-

1. मोरारजी इफनबारी अम्बुल हुसेन भाई.
बालाचीर की शेरी,
गांव बगसरा, जिला अमरेली।

(अन्तरक)

2. श्री मनोज कुमार अमृतलाल धानक की ओर में,
श्री अमृतलाल गोरधन लाल धानक बाजार में,
गांव बगसरा, जिला अमरेली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 4472 वर्ग याडें है जो
नटवरनगर, बगसरा पैठ नजदीक तालुका बाडीया, जिला
अमरेली में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन बाडीया रजिस्ट्री-
कर्ता विस्तीर्ण नं० 908/सितम्बर, 1981 में दिया गया है।

आर० आर० शाह

सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 20-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1853/एक्सी०/23-I/81-

82--अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 154-2, एफ० नं० 258-2, टी० पी० एस० 20 है तथा जो कोचर्स, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-9-81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री शैलेन्द्र जसवंत राय अंजोरिया और अन्य
बैकुण्ठ को० आ० हा० सोसायटी,
लल्लु भाई ग्रे पार्क, अंगी,
वाग्ने -58

(अन्तरक)

2. श्री रमेशचन्द्र सी० मोदी,
एन० डी० इंजीनियरिंग फोलेन्ज क्वार्टर्स,
नवरंग पुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 622 वर्ग गार्ड है, जो कोचर्स, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्री खत नं० 11080/11-9-81 में दिया गया है।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 22-4-1982

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल, 1982

निदेश नं० पी० आर० नं० 1854/एचवी/23-I/81-82-

अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 676, टी० पी० एस. 28,
है तथा जो वाडज, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-9-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी
(अन्तरिनीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से वांछित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

12-116GI/82

1. श्री जगदीश भाई कुंवर लाल पटेल,
8, कल्याण सोसायटी,
एनिसबीज, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री लीलाबेन अश्विनकुमार पटेल,
222-6, पटेल पार्क, स्टेडियम, रोड,
नवरंगपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिनी)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिये करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जमीन जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता
बिक्रीखत नं० 3273/11-9-81 में दिया गया है, जिसका कुल
क्षेत्रफल 659 वर्ग यार्ड है तथा जो वाडज अहमदाबाद में
स्थित है ।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 22-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1855/23-I/81--
82--अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 676, टी० पी० एम० 28, है तथा जो बाइज, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-9-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वर्षों में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए ।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षों :—

1. श्री हरगोविन्द दास कुंवर भाई पटेल,
8, कल्याण सोसायटी, एलिसबीज,
अहमदाबाद-6

(अन्तरक)

2. श्रीमती डाहीबेन, परमोत्तमदास,
222-6, पटेल पार्क, स्टेशियन रो नजदीक,
नवरंग पुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 659 वर्ग गार्ड है जो बाइज, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिस्त्रीखत नं० 3275/11-9-81 में दिया गया है ।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अहमदाबाद

तारीख : 22-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1856/23-I/81-82---

प्रतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 1681, ए-2, शाहपुर बॉर्डे 2, शीट नं० 41, सी० नं० 760, सी, है तथा जो जेठ के पंडा के नजदीक, घी कांटा, रोड, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-9-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या सम्पत्ति प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महेन्द्र लाल भाई,
यहनीफी खडकी, जवेरी वाड,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री चन्द्र कान्त गुलाब चन्द शाह,
नगर शेठ का पंडा, घी कांटा,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका क्षेत्रफल 92.4 वर्ग गज है, जो नगर जेठ का पंडा, घी कांटा, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विस्त्रीकृत नं० 9564/65 दिनांक 17-9-1981 में दिया गया है।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 22-4-1982

गोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1857/23-I/81-82--

अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० 146, पैकी टी० पी० एस० 6, सब-प्लॉट नं० 3, है तथा जो पैकी चालडी, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-9-81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. (1) श्री नरहरिप्रसाद महाशंकर त्रिवेदी,
(2) हरीश कुमार, नरहरी प्रसाद त्रिवेदी
"नरहरी भवन" पालडी,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री हरीश एपार्टमेंट पालडी को०आ०-हा० सोसायटी,
प्रमोटर:--श्री घनश्यामलाल जे-पंडया,
रायखंड कल्याणाला नं० 5,
टोकरशाह की पोल, जमालपुर,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 206 वर्ग मीटर 493.65 वर्ग गार्ड और 206 वर्ग मीटर है जो पालडी अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विस्त्रीकृत नं० 11124, 11125 और 11122/18-9-81 में दिया गया है।

आर० आर० शाह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 22-4-1982

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निवेश सं० पी० आर० नं० 1858/23-1/81-82---

अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 394+400+401 पैकी
सब-प्लॉट नं० 19, 19-ए, है तथा जो टी० पी० एस० 3,
चंगीसपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 21-9-81

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 2---

1. (1) श्री राजीव भाई रमेशचन्द्र परीख
(2) श्री रमेश चन्द्र जगमोहनदास परीख
(3) श्रीमती विजयादेन रमेशचन्द्र परीख
(4) श्री संजीवभाई रमेशचन्द्र परीख
"वन्दे मातरम् प्लेटस" अलकापुरी,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री प्रवीणाबेन गैलप भाई,
श्री गैलेश भाई, बंसीलाल पारीख
जलवर्षन सोसायटी,
नटराज सिनेमा के सामने,
आश्रम रोड, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 532 1/2 वर्ग गार्ड है,
जो चंगीसपुर, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन
अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 3588, 3589, 3593
और 3594/21-9-81 में दिया गया है ।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख : 22-4-1982

मोहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1859/23-I/81-82---

अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 27-1, सब प्लॉट नं० 20 पैकी इस्टर्न साइड है तथा जो टी०पी० एस० 4, मनीनगर, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची म और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-9-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधिक्य में कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री सपलराम बलाजी नागर,
फांकरिया रोड, गोरघन पाडी के समाप्ति पर,
"नागर भुवन", मनीनगर,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री तनमुख ए० राडी और अन्य
46, राजेन्द्र पार्क सोसायटी,
ओडव रोड, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान जो जमीन पर खड़ा है, जिसका क्षेत्रफल 210 वर्ग यार्ड है, जो मनीनगर अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिम्बीखत नं० 11523/24-9-81 में दिया गया है :--

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 22-4-82

मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एन०एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1860/23-I/81-82—

अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 193+194, एफ० पी० 328, सब
प्लॉट नं० 10, है तथा जो टी० पी० एस० 21, पालडी,
अहमदाबाद, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 25-9-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय को बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या ग्रन्थ वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. सेजल कम्प्यूशन की ओर है से
भागीवार—श्री सतीश चन्द्र बाबू लाल शाह
गीता बाग के नजदीक,
सी० जी० शाह रोड, पालडी,
अहमदाबाद ।

(मन्तरक)

2. श्री कीर्ति भाई एम० बीरा,
बी-1, जय सवन, जुहू स्कीम रोड, नं० 3,
धीमे पारले, वेस्ट बोम्बे-56

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवरोहस्ताक्षरी के वास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

राखटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 14, कुल क्षेत्रफल 84 वर्ग यार्ड, जो पालडी
अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद
रजिस्ट्रीकर्ता बिम्बीखत नं० 8653/25-9-81 में दिया गया
है ।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 22-4-1982
मोहर :

प्ररूप आर्. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

जायमान, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I,

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1861/एकवी०/23-I/81-82-

अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 193+194, ई० पी० 328, सब प्लॉट नं० 10, है तथा जो टी० पी० एस० 21, पालडी, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-9-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एंगे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें घटने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था रिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सेजल कंस्ट्रक्शन की ओर से भागीदार :

श्री सतीशचन्द्र धाबू लाल शाह,
गीता बाग के नजदीक,
सी० जी० रोड, पालडी,
अहमदाबाद ।

(यन्त्रांक)

2. श्रीमती लीलावती भानु प्रसाद व्यास और अन्य

स्मृति एपार्टमेंट, फ्लैट नं० 8,
आबावाडी, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 8 जिसका कुल क्षेत्रफल 84 वर्ग यार्ड है, जो पालडी अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद, रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 8937/25-9-81 में दिया गया है ।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 22-4-1982

संहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1862/एक्सी०/23-I/81-82-

अतः मुझे, आर० आर० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० 387, पैकी सब प्लोट नं० 20-23, पैकी है तथा जो यूनिट नं० 3, टी० पी० एस० 19, शेखपुर खानपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता के अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-9-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी अन्य या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

13-11631/82

1. श्री सरलाबेन चतुरभाई पटेल की ओर से कुल मुक्तयार :
श्री दिनेशचन्द्र चंदुलाल शाह,
गिरीश पटेल एण्ड कंपनी,
नेहरू पार्क, वस्त्रापुर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री सी० पी० पान्डे,
महेसाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कायबाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 12, जिसका कुल क्षेत्रफल 113 वर्ग यार्ड है, जो शेखपुर, खानपुर, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन, अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 11651/29-9-81 में दिया गया है।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 22-4-1982

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I,

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी०आर० नं० 1863/एक्सी०/23-1/81-

82—अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० इ०पी० 387, पैकी सब प्लोट नं० 20-23 पैकी यूनिट नं० 3 है तथा जो टी० पी० एस० 19, शेखपुर, खानपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-9-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सरलाबेन चतुरभाई पटेल की ओर से कुल मुख्तियार श्री दिनेश चन्द्र, चंदुलाल शाह, गिरीश पटेल एंड कंपनी, नेहरू पार्क, यस्वापुर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री एम० एम० सिंह,
डी-6, समरपान, गुलबार टेकरा,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 11, जिसका कुल क्षेत्रफल 119 वर्ग यार्ड है जो शेखपुर, खानपुर, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन, अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिश्रीखत नं० 11652/29-9-81 में दिया गया है।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 22-4-1982

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I,

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1864/एक्यू/23-I/81-

82—अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें एक पदवाच 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० इ०पी० 387, पैकी सब प्लॉट नं० 20-23, पैकी यूनिट 1 है तथा जो प्लॉट नं० 4, टी० पी० एस० 19, शेखपुर, खानपुर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-9-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, जैसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सरलाबेन चतुरभाई पटेल की और सेकुल मुस्तयार :
श्री दिनेश चन्द्र चंदुलाल शाह,
गिरीश पटेल, एंड कंपनी,
नेहरू पार्क, वस्त्रापुर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री जी० एस० नायर और अन्य
5, सुवर्ण नगर, नवरंगपुरा,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 4, जिसका कुल क्षेत्रफल, 113 वर्ग गार्ड है जो शेखपुर, खानपुर, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन, अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विन्नीखत नं० 11653/29-9-81 में दिया गया है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 22-4-1982

मोहर :

प्रकृष जाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1,

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निवेश सं० पी० आर० नं० 1865/एस्वी/23-1/81-82---

अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 623, सब प्लॉट नं० 8,
टी० पी० एस्० 3 है तथा जो कोचरब, अहमदाबाद में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-9-81
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. रसिकलाल नरेशचन्द्र शाह
एलिमन्नीज, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री नवीन चन्द्र कान्तीलाल शाह और अन्य
गुलबार का टेकरा, एलिमन्नीज,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो, उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 1307 वर्ग यार्ड है, जो
कोचरब, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन,
अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विखीखत नं० 15512/3-9-81 में
दिया गया है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 22-4-82

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I,

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1866/एचवी०/23-I/81-

82—अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 183 पैकी सब प्लॉट नं० 6 ए०, टी० पी० एस० 26 है तथा जो वासना, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची से और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8-9-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर (प्रकारों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री तुलसी भाई भलाभाई पटेल,
गांधि वासना, जिला अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री तुलसी एपार्टमेंट आनर्स एसोसियेशन,
प्रमुख : जयेंद्र मनीलाल त्रिपाठी,
गांधि वासना, जिला अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वादों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-त में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 631.50 वर्ग यार्ड है जो वासना, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन, अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 10684/3-9-1981 में दिया गया है।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 22-4-1982

मोहर:

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल, 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1867/एक्वी/23-I/81-82—

अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 150-1, 151-1, 151-2, 151-3 परको टी० पी० एस० 20 है तथा जो एफ० पी० 300-305 पी० कोचरब, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनु-सूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-9-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एतत् दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्गति (अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है---

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसके दायित्व में सुविधा के लिए; बाँट/वा

(ब) ऐसे किसी भाव या किसी धन या अन्य जास्तिवाँ का, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा---

1. श्री जयन्तीलाल बल्लभजी हीरानी, "हीरानी निवास", पोस्ट आफिस के सामने, साबरमती, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री श्रीनाथ एपार्टमेन्ट एसोसियेशन :
सक्रेटरी : किशोर शामजी पोटालिया,
नवा बाइज, अहमदाबाद।
प्रमुख: हंसमुख लाल, जयन्तीलाल शाह,
वासना, अहमदाबाद।

(अन्तर्गति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ कराया हुआ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोपः---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 563 वर्ग गार्ड है, जो कोचरब अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण तर्जन अहमदाबाद, रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 11040/10-9-1981 में दिया गया है।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 22-4-1982

मोहर :

प्रत्यक्ष आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) में अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० पी० आर० सं० 1868/एक्सी/23-1/81-82—

अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमने 'यथा' 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 184—185, प्लॉट नं० 22, टी० पी० एस० 21, है तथा जो पालडी, आंबावाडी, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-9-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) नेमी किसी घाव या किमा घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में से उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा, (1) के अधीन, निम्नलिखित धाराओं अर्थात् :—

1. श्रीमती नर्षीन चन्द्र पटेल,
बंगला नं० 10, दूसरी लेन,
पंचवटी, आंबावाडी,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती दन्तुमतीबेन, कृष्ण प्रसाद परीख
श्री कृष्ण प्रसाद श्रीछबलाल परीख,
शैलेख्या, एपार्टमेंट, फ्लैट नं० 3,
आंबावाडी, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट जिगाहा कुल क्षेत्रफल 121 वर्गमीटर है जो आंबावाडी, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विनियम नं० 11120/11-9-81 में दिया गया है।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 22-4-1982

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1869/एनबी/23-I/81-82—
अतः मुझे, आर० आर० शाह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 846 है, तथा जो बेजलपुर, जिला
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16
के अधीन दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में लगी करने या उनसे उबलने में सुविधा
के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री डायजी भाईजी,
गांव बेजलपुर,
जिला अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री मीनल रमेश भाई
गांव शाहवाडी,
जिला अहमदाबाद

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 4 एकड़ 31 गूँठा, है जो गांव
बेजलपुर जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन
अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता अफ्रीखत नं० 2287/सितम्बर, 1981
में दिया गया है।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन, रेंज-I अहमदाबाद

तारीख : 22-4-82

श्री ५५

मुख्य भाई-डी.एन.एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निर्देश सं० पी०आर० नं० 1870/एक्वी 23-I/81-82—

अतः मुझे, आर० आर० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 1866 है तथा जो खाड़ीया बोर्ड, 3, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन 28-9-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भू या अन्य जाइस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

14—116GI/82

1. (1) श्रीमती विमलाबेन, जयसिंह भाई
(2) नीतिन भाई भजुभाई,
सांफडी शेरी, मानेक चौक,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती छायाबेन उत्तम राव
दीप्तिबेन अश्विन कुमार,
सोनीकी खडकी, मानेक चौक,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाकाम्य:—

(क) इस सूचना के उपरान्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा न्यायस्थायी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका सर्वे नं० 1866, खाड़ीया बीर्द 3, अहमदाबाद, रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 10996/28-9-81।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 22-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1871/एक्वी/23-I/81-82---

अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 323, सब प्लॉट नं० 2, हिंसा नं० सी० एंड बी० है तथा जो दरियापुर कार्जापुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-9-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. (1) श्री रजीत भाई, सुभाष भाई,
(2) सुवीर भाई, सुबोधभाई
शाहीबाग, पुनिम स्टेशन के सामने,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. रतन एपार्टमेंट,
द्वारा सुबोधभाई मंगलदान,
शाहीबाग, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 690 वर्ग मीटर है मकान का क्षेत्रफल 286 वर्ग मीटर है जो दरियापुर कार्जापुर अहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 10876 और 10879/25-9-81 में दिया गया है ।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 22-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1872/एकवी/23-I/81-82--

अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 101, सब प्लॉट नं० 1, पैकी 2 और पैकी 3 है तथा जो शेखपुर खानपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्री कारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-9-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री जगदीश मानेकलाल चौहान,
14-सी, सरदार कुंज सोसायटी,
बहार सन्टर के नजदीक, शाहपुर,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. सौराष्ट्र इम्पोरियम की ओर से भागीदार :
धनमुखलाल हरजीवन भाई बाघेला और अन्य
हरसिंग चेम्बर्स, आश्रम रोड,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जिसका कुल क्षेत्रफल 307 वर्ग फीट है, जो शेखपुर-खानपुर, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 11031/10-9-8 में दिया गया है।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 22-4-1982

मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधिन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1873/23-I/81-82—अतः

मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० सर्वे नं० 448-2-1/1448-2-2-पैकी है तथा जो गांव 'बोडकदेव, जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-9-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए धोरण

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाव कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

1. श्रीमती कंकुबेन गोविन्दभाई सोमाभाई
गांव बोडकदेव, जिला, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री सागरभाई कल्याण भाई रायका,
सी-1, वसुन्धरा एपार्टमेंट,
नवरंगपुरा, मार्केट के सामने
अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्तः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा पधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 2400+2339+2400 वर्ग गार्ड है जो गांव बोडकदेव जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विस्त्रिखत नं० 11141/11142 11146/14-9-1981

आर० आर० शाह

सख्त प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 22-4-1982

मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I,

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल, 1982

निवेश सं० पी० आर० नं० 1874/23-I/81-82—अतः

मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 376-6, 376-7, और 376-3 है तथा जो सैजपुर बोधा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-9-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयेण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विद्यागौरी, प्रह्लादभाई मोदी,
कुबेर निवास, रामखंड,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीनगर, सैजपुर को० हा० सोसायटी,
द्वारा/मनोजकुमार हीरालाल पटेल,
6-ए, प्रतीकुंज, सोसायटी, आंबावाडी,
भदरापुरा, रोड, अहमदाबाद।

अतः यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 29 गुंठा पैकी 1/2, 29 गुंठा पैकी 1/2, 0.15 गुंठा एंड 0.12 गुंठा है, जो सैजपुर बोधा अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 11257, 11258, 11205, 11266, 11254, 11255, 11259/16-9-81।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख : 22-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I,

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1875/23-I/81-82—अतः
मुझे आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 412, और 421, टी० पी० एस० 10,
एफ० पी० 46 है, तथा जो सब प्लॉट नं० 4-बी, रखीयाल,
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 24-9-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मंछाराम धुलाभाई दत्तानीया
गांव रखीयाल,
जिला अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. प्रवीप इन्डस्ट्रीज,
सोले प्रोप्राइटर : मनसुखभाई सी० पंचाल,
73, नेहरूपार्क, सोसायटी,
गोमतीपुर, अहमदाबाद-22

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 1100 वर्ग यार्ड है जो
रखीयाल टी० पी० एस० 10, अहमदाबाद में स्थित है तथा
अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 8464/24-9-81/

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख: 22-4-1982

मोहर:

प्रमुख भाग. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I,

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1876/23-1/81-82--अतः

मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 6, शीट नं० 229, सनद नं० 2146, मे 52 है तथा जो आंबावाडी रोड, किलोल बाल मंदिर के सामने, स्थित है (और इससे उपाबद्ध अतसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-9-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निताओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित की द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. (1) श्रीमती प्रभावती बालवंतराय जानी
- (2) श्री जगदीश चन्द्र, बलवंतराय जानी, मुभाष नगर, खोडीयार मंदिर के नजदीक, भावनगर ।
- (3) श्री किशोर चन्द्र, बलवंत राय जानी भरत नगर, बेमालिया, ब्लॉक नं० 766, भावनगर ।

(अन्तरक)

2. शाह भूपेन्द्र वृजलाल और अन्य प्लॉट नं० 945, हीरा भुवन डीन के सामने, भावनगर ।

(अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का प्लॉट नं० 1195 जो किलोल बाल मंदिर के सामने, आंबावाडी रोड, भावनगर में स्थित, है तथा भावनगर रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 2308/16-9-81

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख 22-4-1982

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एम०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज I,

अहमदाबाद, दिनांक 23 अप्रैल, 1982

निदेश सं० पी०आर० नं० 1877/23-I/81-82—अतः

मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके भ्रष्टाचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 249-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 402 प्लॉट नं० 15 पैकी है तथा जो उमाकान्त पंडित, उद्योग नगर, गोंडाल रोड, मण्डबो प्लॉट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रविशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया नहीं गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती चंद्रिकाबेन, लिभुवन दास,
कलाबाद रोड, राजकोट।

(अन्तरक)

2. मैसर्स लिबरल इंजीनियरिंग वर्क्स,
पराबाजार, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

राष्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 760 वर्ग यार्ड है, जो उमाकान्त पंडित उद्योगनगर राजकोट में स्थित है तथा जिसका वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता बिम्बीखत नं० 6386/10-9-81 दिया गया है।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख 23-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I,

अहमदाबाद, दिनांक 23 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी०आर० नं० 1878/23-I/81-82—अतः

मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 402, प्लॉट नं० 15, पैकी है तथा
जो उमाकान्त पंडित, उद्योग नगर, गोडल रोड, मांडली प्लॉट,
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 6-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—116 GI/82

1. चंद्रीकाबेन त्रिभुवन दास
कलाबड रोड, राजकोट ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती दयाबेन मनहरलाल
परा बाजार, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 480 वर्ग यार्ड है जो उमाकान्त
पंडित उद्योगनगर, राजकोट में स्थित है तथा जिसका वर्णन
राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 2 6384/10-9-81 में दिया
गया है ।

आर० आर० शाह,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख 23-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रैंज I,

अहमदाबाद, दिनांक 24 अप्रैल 1982

निदेश सं० आर० पी० नं० 1605/एक्सी/23-II/82-83—

अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मञ्जूर प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है

और जिनका सं० 101/2, 101/3, 101/4, (पी), 132/2, 132/3, 132/4, 132/5, 132/6, 132/7, 132/8, 132/9, है तथा जो इंग्रों में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1981

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री यमना लाल भागजी भाई
वापी, तह० पारडी ।

(अन्तरक)

2. मोहम्मद नाहर बावामिया,
बयिकुल्ला, बाम्बे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ० 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ० 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सिलकियत जो० एम० नं० 101/2, 101/3, 101/4, 132/2, 132/3, 132/4, 132/5, 132/6/7, 132/8, 132/9, इंग्रों सितम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है ।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेंट रैंज I, अहमदाबाद

तारीख 24-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

अहमदाबाद, दिनांक 24 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1606/एकत्री/23- /82-83---

अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी नं० 87/2, 91/4, 93, 94, 96, 96/1, 73/1,
96/2/बी है, तथा जो छीरी तह० पारडी में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय पारडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

1. मिस्टर महमद हाजी सुलेमान और
आलीहुससिन हाजी सुलेमान
गांव चीरी, तह० पारडी,
जिला बलसार।

(अन्तरक)

2. रामा पल्प पेपर प्राइवेट लिमिटेड,
812, गृहजा चेम्पर्स,
नारीमन पोईन्ट,
बाम्बे-400021

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो गांव छीरी, एस० नं० 87/2, 91/पी, 93,
94, 95, 96/1, 73/1, 96/2/बी, सितम्बर, 1981 में
रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख 24-4-1982

मोहर :

प्रमुख भाई .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II

अहमदाबाद, दिनांक 24 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1607/एक्वी/23-II/82-83---

अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 31/2, 31/6 जमीन है तथा जो बारदोली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बारदोली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री यूसुफ इब्राहीम कारीया,
अब्दुल हाथी इब्राहीम कारीया,

(अन्तरक)

2. अकसानगर, एसोसियेट्स,
बोरवाड, बारदोली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो एस० नं० 31/2, 31/6, बारदोली सितम्बर,
1981 में रजिस्ट्री की गयी है ।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारिख 24-4-1982
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज II,

अहमदाबाद, दिनांक 24 अप्रैल, 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1680/एक्सी/23-II/82-83---

अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 122, काबोब्री जमीन है तथा जो
कामरेज में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय कामरेज
में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

1. रामाभाई हामाभाई पटेल,
काबोब्री, त० पालसाना।

(अन्तरक)

2. मैसर्स महेन्द्रा जेबरी, व एसोसियेट्स का भार्गवदारों,
आटव लाइन्स, सुरत।

(1) महेन्द्रा छगनभाई जेबरी,

(2) साकरचन्द, छगनभाई सरकार।

कुस कुंज, 212, बालकेश्वर रोड,
बाम्बे।

(3) नवीनचन्द्रा, छगनभाई सरकार।

कुण कुंज, 212, बालकेश्वर रोड,
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भिलकितय जो काबोब्री, ब्लाक नं० 122, सितम्बर, 1981
में रजिस्ट्री की गयी है।

आर०आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख 24-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एच.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज ,

अहमदाबाद, दिनांक 26 अप्रैल, 1982

निदेश सं० पी० आर० ० 1609/एक्वा/23-II/82-83—

अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० एफ० पी० नं० 77, टी० पी० एस० 4,
तथा जो आन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय
आनद में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 1-9-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) पटेल अशोकभाई मंगनभाई बीन लक्ष्मीदास ।
- (2) पटेल शान्ता बेन, मंगनभाई बीन लक्ष्मीदास,
दोनों सपनारशी सोसायटी में रहते हैं ।
अमूल डयरी रोड, आनन्द ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स जे० के० इन्वेस्टमेंट कम्पनी, के द्वारा
आन सन्स हौम, सुभाष रोड,
आनन्द ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुला जमीन जो टी० पी० एस० 4, एफ० पी० नं० 77,
आनद और जो बिक्रीखत नं० 2369 और 2370 पर सब
रजिस्ट्रार, आनद के कार्यालय में 1-9-1981 में सम्पूर्ण वर्णित
में रजिस्ट्री की गया है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख 26-4-1982

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1610/एफवी/23-II/82-83--

अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० एफ० पी० नं० 78, टी० पी० एस० 3, है तथा
जो आनंद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय आनंद
में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिनियम
दिनांक 23-9-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरित
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्--

1. (1) छावड़ा गंकरभाई षाणाभाई
(2) चाँवडा, हारमान भाई षाणा भाई
पुष्पकुन्ज सोसायिटी के पीछे,
आनंद ।

(अन्तरक)

2. कुंवरबेन नथाभाई प्रजापति,
चन्द्रालोक के पीछे,
भालेण रोड, आनंद ।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

खुला जमीन जो सब प्लॉट नं० 1, और 2, प्लॉट प्लॉट नं०
78, टी० पी० एस० 2, आनंद में वर्णित है विक्रीखत नं०
2538 पर सम्पूर्ण वर्णित में आनंद सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में
तारीख 23-9-1981 में रजिस्ट्री की गयी है ।

आर० आर० शाह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 26-4-1982

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एसे० आर०-2/9-81/
5545—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम पालम, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में;
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) से बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सरदार सिंह सुपुत्र श्री गोकल, सुखबीर सिंह सुपुत्र
श्री धनि राम, निवासी ग्राम-पो० पालम, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री राधा कृशन सुपुत्र श्री उमा शंकर निवासी ग्राम-
पो० पालम, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि की तादादी 16, 1/2 विघे, क्षेत्र 825 वर्गगज;
ग्राम-पालम, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख : 18-5-1982.
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2

9-81/5546—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि भाग, है तथा जो ग्राम पालम, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली; भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री सरदार सिंह सुपुत्र श्री गोकल, सुखबीर सिंह सुपुत्र श्री धीधराम, निवासी—ग्राम और पो० पालम, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री जय चन्द, सुपुत्र श्री गनपत, निवासी—ग्राम और पो० माहिबाबाद, मोहसदपुर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादात्री 16-1/2 विण्डे, (क्षेत्रफल—825 वर्गगज)
ग्राम—पालम, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 18-5-1982

माहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० आर०-2/
9-81/5625—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख सितम्बर 1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदत्त प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें अचानक में मर्यादा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मर्यादा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भरम पाल सुपुल श्री बिष्णु दत्त, निवासी ग्राम
और पो० छपरोला, जिला—गाजियाबाद, श्रीमती
सतवती पत्नी सुरीन्द्र सुरी, श्रीमती राजवती
पत्नी श्री विरेन्द्र सुरी, निवासी—1619/11-
नवीन महुदरा दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विद्यावती पत्नी श्री छाजू राम, निवासी—
ग्राम और पो० बुरारी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 19 दिश्वे, खसरा नं० 268 (न्यु), 875
(पुराना), स्थापित—ग्राम—बुरारी, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 18-5-82

मोहोर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०---

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षी सहायक आगकर आयुक्त,
अर्जन रेंज, भोपाल
भोपाल, दिनांक 24 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन) 2604---अतः मझे देवप्रिय पन्त,
आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो अमर टाकीज सागर में लगा हुआ है में स्थित है (और इसमें उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-9 सितम्बर 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में उचित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अचाने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. (1) श्री राम मुरारी पुत्र लक्ष्मी प्रसाद।
(2) श्री मदन मुरारी पुत्र लक्ष्मी प्रसाद।
(3) श्री कुंज बिहारी पुत्र लक्ष्मी प्रसाद श्रीमती रामवती विधवा श्री लक्ष्मी प्रसाद सभी निवासी सागर (म० प्र०)।
(अन्तरक)
2. (1) श्री शंकर लाल पुत्र श्री कुन्दन लाल खटीक
(2) श्री राम प्रसाद पुत्र गणेश प्रसाद।
(3) श्री सत्तार पुत्र अराती
(4) श्री पूरन लाल पुत्र भैयालाल---निवासी सागर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका नाप 8005 स्क्वेअर फीट है तथा जो अमर टाकीज से लगा हुआ है। तथा कटरा बार्ड सागर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आगकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 24-5-1982
मोहर :

प्रारूप भाई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 20/82-83—यतः

मुझे एसे० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1-5-67, है, जो मुसीराबाद हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाक्षेत्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय चीकडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, विपणन में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. (1) मयद अब्दुल नदम पिता लैट मयद अब्दुल हाफीज 38 मूर हाऊज डा 3 स्कार ब्रोफ, टोरेटो, ओंटारियो कनाडा।
- (2) मयद कादर नवाज पिता मयद अब्दुल हाफीज, हुट्टीन कामन रोड, सुलटोन, मुरे, इंग्लैंड।
- (3) मयद धोसमोहीऊहीन अलीयास फहीम पिता मयद अब्दुल हाफीज, 1-1-300/2 अशोक नगर, हैदराबाद।
- (4) मयद खाजा मोहोऊ हीन 1980 अपार्टमेंट नं० 402, फाऊलर डाइव्ह मीसावेज ओंटारियो, कनाडा।
- (5) श्री मोहमदी सुलताना अलीयास सुलतान सरकार पति लैट को० एम० एम० : सरकार 8 डेक्स बरी लेन कुलाबा, बम्बई।
- (6) श्रीमती अहमदी माइना पत्नी बी० एस० शेख 10-5-3/1/3 मासाब टैंक, हैदराबाद। जी० पी० ए० फार 1, 2, 4 और 5 श्री मयद धोस मोहीऊहीन अलीयास फहीन, 1-1-300/2, अशोक नगर, हैदराबाद। (अन्तरक)
2. श्रीमती आमराबेगम पिता लैट मीर अहमद आली 23-1-644/1, मोधिल पूरा, हैदराबाद (1-5-67 मुशीराबाद, हैदराबाद)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इमारत नं० 1-5-67, मुशीराबाद, हैदराबाद खिस्तीण 10 41 चौ० गज रजिस्ट्रार/कर्ता विलेख नं० 815/81 रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी चीकडपल्ली।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 29-4-1982

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 21/82-83—यतः
मुझे, एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम असलत पुरखादर,
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के भिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रत प्रतिगत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था; ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1),
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टी० राठूराज सांग पुत्र डी० लक्ष्मन सिंग घर
नं० 2-1-602, विद्यानगर, हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. (1) श्री मोहम्मद अब्दुल आजीज पुत्र केट मोहम्मद
अब्दुल हाफीज।

(2) श्रीमती रफीया सुलताना पत्नी मोहम्मद
अब्दुल आजीज 5-1-485 से 487, जाम-
बाग, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियाँ करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेप 1:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोक्तृताक्षरी के पास
निष्पन्न में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-1-485, 486, 487, पुतली बावली, जामबाग
हैदराबाद विस्तीर्ण 239 बी० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
5240/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 29-4-1982
माहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 22/82-83---यनः
मुझे एस० गोविन्द राजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3-6-364 है, जो बशीरबाग हैदराबाद में
स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुमूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्ग-
त, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मैसर्स उदानी इंजीनियरींग कं० (हैदराबाद)
प्रा० लि० बाई श्री पी० जे० उदानी एम० डी०
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एल० ब्रम्हर्भा पती एल कृष्णा मूर्ती, - 6-6-
85, अरुनदनपेट, गंटूर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन एम० सी० एच० नं० 3-6-364, निबटरी
सिनेमा के पीछे बशीरबाग, हैदराबाद विस्तीर्ण 280 चौ०
गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5266/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
हैदराबाद।

एम० गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 30-4-1982

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एच०---

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 23/1982-83---यतः

मुझे एस० गोविन्द राजन

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जमकी सं० 3-6-364 है, जो बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उगावद्ध अनुसूची में श्रौंर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कबित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचभे में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मैसर्स ऊदानी इंजीनीयरिंग कं० हैदराबाद प्रा० लि०
वाई श्री पी० जे० ऊदानी एम० डी० हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री के शिवराज के पिता कं० रामस्वामी, घर नं० 23-1-193, कोटवा शालीजा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहुस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुसी जमीन एम सी० एच० नं० 3-6-364, लिबर्टी सिनेमा के पीछे, बशीर बाग हैदराबाद। विस्तीर्ण 250 चौ० गज० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5267/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 30-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 24/1982-83—यतः मुझे
एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी नं० 3-6-364 है, जो लिबर्टी के पीछे हैदराबाद
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद,
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स उदानी इंजीनियरिंग कं० हैदराबाद प्रा० लि०
बाद श्री पी० जे० उदानी एम० डी० हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री जी० जे० सत्यनारायणा पिता जे० वेंकटाद्री
(2) श्रीमती डी० राजमनो जे० डी० बी०

मानिक्यम, 23-1-82/1, शांतिमला

तालाब, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन एम० सी० एच० नं० 3-6-364, लिबर्टी
सिनेमा के पीछे बशीर बाग, हैदराबाद विस्तीर्ण 383 चौ०
गज। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5265/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिधिकारी
हैदराबाद।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 30-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 25/82-83-यतः

मुझे गोविन्द राजन

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो शमशाबाद गांव में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय रंगारेड्डी जिला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरक में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में आने करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, अंतर/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

17 116GA/82

1. (1) श्रीमती मांसीनी बाई पत्नी लेट कीशनदास गांधी।
- (2) श्री हरभगवान दाम के० गांधी पुत्र लेट कीशनदास गांधी।
- (3) श्री गोविन्दराम के० गांधी पुत्र लेट कीशन दा गांधी।
- (4) श्री टीकमचंद के० गांधी पुत्र लेट कीशनदास गांधी।
- (5) श्री दीनेशकुमार के० गांधी।
- (6) श्री प्रकाश चन्द के० गांधी।
- (7) श्री रमेश के० गांधी। सभी किशन दाम गांधी के पुत्र हैं। 47 दादाभाई रंगू बम्बई-56 जी० पी० ए० श्री बसीलाल के० गांधी
- (8) श्री बशीलाल के० गांधी पुत्र किशनदास गांधी, शमशाबाद गांव रंगारेड्डी जिला।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सोमा गांधी पत्नी बन्सीलाल के० गांधी, शमशाबाद गांव, तालुका पञ्चम रंगारेड्डी जिला (आ० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 3 एकड़, 8 गुंठे, सर्वे नं० 40 से और 5 एकड़ 3 गुंठे सर्वे नं० 42 (कुल 8 एकर 10 गुंठे) शमशाबाद गांव जिला पञ्चम रंगारेड्डी। रजिस्ट्रीकृत प्लॉट नं० 5556/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगारेड्डी जिला।

ए० गोविन्द राजन

सश्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 30-4-1982

मोहर :

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०—

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आर० ए० सी० सं० 26/82-83—यतः

मुख्य ए० सी० गोविन्द राजन

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसको सं० कृषि भूमि है, जो शमशाबाद गांव में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधीकारी के कार्यालय रंगारेड्डी जिला में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकार के लिए अस्तित्व में है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकार से ऐसे दृश्यमान प्रतिकार का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए उप पाया गया प्रतिकार, निम्नलिखित प्रमाणों के अन्तर्गत निम्नलिखित में या अन्यथा व्यवहार में नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक तदुद्देश्य के अर्थ का बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती रकूमनो बाई पत्नी लेट कीशनदास गांधी
(2) हरभगवाम दास पं० गांधी पुत्र लेट कीशनदास गांधी।

(4) श्री टीकमचंद के० गांधी पुत्र लेट कीशनदास गांधी।

(5) श्री दीशकुमार के० गांधी।

(6) श्री प्रकाश चन्द के० गांधी।

(7) श्री रमेश चन्द गांधी। सभी कीशनदास गांधी के पुत्र हैं। 47 दादाभाई रोड बम्बई 56 जी० पी० ए० श्री बंसीलाल के० गांधी।

(8) बंसीलाल के० गांधी पुत्र कीशनदास गांधी, शमशाबाद गांव, रंगारेड्डी जिला।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सीमा गांधी पत्नी बंसीलाल के० गांधी : शमशाबाद गांव, तालुका पश्चिम रंगारेड्डी जिला (आ० प्र०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तुरन्तपश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कृतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 6 एकर 37 गुठे सर्वे न० 41 अगुर के वांग के साथ, शमशाबाद गांव तालुका पश्चिम रंगारेड्डी जिला। रजिस्ट्रार विलेख न० 5905/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिष्ठात्री रंगारेड्डी जिला।

ए० सी० गोविन्द राजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 30-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई: टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 27/82-83—यतः
मुझे एस० गोविन्द राजन

1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो शमशाबाद गांव में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है);
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रंगारेड्डी जिला में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए:

1. (1) श्रीमती रकुमीनी नई पत्नी लेट कीशनदास गांधी।
(2) श्री हरभगवान दास के० गांधी पुत्र लेट
कीशनदास गांधी।
(3) श्री गोविन्द राम के० गांधी पुत्र लेट श्री
कीशनदास गांधी।
(4) श्री टोकमचंद के० गांधी पुत्र लेट श्री कीशन
दास गांधी।
(5) श्री दीनेशकुमार के० गांधी।
(6) श्री प्रकाशचन्द के० गांधी।
(7) श्री रमेशचंद के० गांधी सभी किशनदास
गांधी के पुत्र हैं 47, दादाभाई रोड बम्बई
56 जो० पो० ए०, श्री बसिलाल के० गांधी।
(8) श्री बसिलाल के० गांधी कीशनदास
गांधी, शमशाबाद गांव, रंगारेड्डी जिला।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सीमा गांधी पत्नी बन्सीलाल के० गांधी
शमशाबाद गांव, तालुका पञ्चवीम रंगारेड्डी जिला।
(आ० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषिभूमि 1 एकड़ 26 गुंटे सर्वे नं० 39 से और 26
गुंटे वें नं० 39, 11 एकड़ 11 गुंटे सर्वे नं० 40 से एकड़
12 गुंटे सर्वे नं० 41 से एक एकड़ 25 गुंटे सर्वे नं० 23 से
(कुल 19 एकड़ 20 गुंटे) शमशाबाद तालुका, पञ्चवीम रंगारेड्डी
जिला आंध्र प्रदेश। रजिस्ट्रीकृत वीलेख नं० 6863/81
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगारेड्डी जिला।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 30-4-1982

मोहर:

यह सूचना आयकर अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री राना हरपाल सिंह हमुमा और अन्य बढवान,
जिला सुरेन्द्रनगर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 23-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1890—यतः मुझे जी० सी०
गं

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 2064 है तथा जो बढवान जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, बढवान में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री दुर्गा थोली सेफस की ओर से प्रवीन एम०
कपासी महालक्ष्मी सिनेमा, सुरेन्द्र नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 3 एकर 24 गुंठे हैं जो बढवान सीम जिला सुरेन्द्रनगर सेमे स्थित है तथा जो बढवान सब-रजिस्ट्रार, रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 3902, 3, 4 और 5/9-9-81 है।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , ग्रहमदाबाद

तारीख : 4-5-1982

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-23-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1889—यन मुझे जी० सी० गंग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एम० नं० 2110—खार्डिया बोट-3, है तथा जो लवारकी पोल, मदनगोपाल हुबेली रोड, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3 सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम्से दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम्से अन्तरण के लिए, नष्ट पाया गया प्रतिफल निर्मालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किंगी आप की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम, धारा की 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री पञ्चाल रत्नछोड़लाल नानालाल उर्फ मनसा पञ्चाल ए-7, जीवन परराग सोसायटी, राजभवन रोड, शाहीबाग, अहमदाबाद-380004।

(अन्तरक)

2 श्री मनुभाई चुर्शीलाल पटेल और अन्य बगला नं० 2, बसत बिहार भीसायटी, एम० एल० कामर्स कोलेज रोड नववंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योदस्तावरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 107 वर्ग गज है जो लवारकी पोल, मदनगोपाल हुबेली रोड, अहमदाबाद में स्थित है तथा अहमदाबाद सब-रजिस्ट्रार रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 10642/3-9-81 है।

जी० सी० गंग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज I, अहमदाबाद

तारीख : 4-5-1982

साहय

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मई 1982

निर्देश नं० पा० आ० नं० 1888—यतः मुझे, जी० सी०
गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 102, हिस्सा नं० सी०,
टी० पी० एम० 29, है तथा जो वाडज, अहमदाबाद में स्थित
है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30
मिनम्बर 1981

को पूर्वागत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वागत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नोक्त उद्देश्य में उक्त अन्तरण द्वारा न बांटा जाये
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एमी किया जाना या किसी अन्य आम्ति को
या जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ---

1. महेन्द्र सिंहजी एल० की और से नरेन्द्र सिंहजी
एम, 14 मानिकबाग कोलोनी, अहमदाबाद।
(अन्तरक)

2. सभवनाथ एपार्टमेंट को० प्रो० हा० सासायटी लिमिटेड
के/प्रो भगवती मेडीकल एण्ड जनरल स्टोर्स,
गुजरात विद्यालय के सामने अहमदाबाद।
(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 272 वर्ग गज है (1/3,
817 वर्ग गज का) जो वाडज अहमदाबाद में स्थित है तथा
जो सब-रजिस्ट्रार अहमदाबाद बिक्रीखत नं० 11631/30-9-
81 है।

जी० सी० गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख 3-5-1982

महो

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1887--यत मुने, जी० सी०
गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 102, हिस्सा नं० टी० पी०
एम० 29 है। तथा जो वाडज अहमदाबाद में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30
सितम्बर 1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की उचित उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1 श्री रनजीत सिंह जी पापेला पब्लिक कोलोनी, नवरंगपुरा,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2 मधुवनथ एपार्टमेंट को० आ० हा० मागायरी,
लिमिटेड के/श्री भगवती मेडिकल एण्ड जेनरल
स्टोर्स गुजरात विद्यालय के सामने अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पत्रागत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 272 वर्ग गज (1/3, 817
वर्ग गज का) जो वाडज अहमदाबाद में स्थित है तथा सब
रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 11640/
30-9-81 है।

जी० सी० गर्ग
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 3-5-1982
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सञ्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मई 1982

निर्देश सं० पी० आर० सं० 1886—यन: मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० सं० 2515-1-ए पैकी खानपुर-3, मेकण्ड फ्लोर है तथा जो आनंद शोपींग सेंटर, शोप सं० 170, अहमदाबाद में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-9-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री लैहेंचंद नारायण 32, वीरपुरनगर सोमायटी नवावाडज, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री रजनाकान्त ठाकरसीभाई श्रीमती विमलाबेन फोजालाल महेता, गोर्पापुरा, कार्जाका मैदान, मुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान सं० 170, दूसरा मंजला, आनन्द शोपींग सेंटर, पानफोर नाका अहमदाबाद तथा रजिस्ट्रीकर्ता सब-रजिस्ट्रार अहमदाबाद बिक्रीखत सं०-11005/10-9-81 है।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 3-5-82

महिर

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1885—यतः मुखे, जी० सी०
गंग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे० नं० 3487, 3488, 3489, 3486
शारपुर-II फ्लेट नं० ई०-6, है तथा जो पांचवा मंजला,
फिरदौश फ्लेट, खानपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 मितम्बर
1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर्गत (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

--116GI/82

1. बेहर्मानाबेन खोरशेब जी कारंजावाला कारंजावाला
बिल्डिंग, खानपुर दरवाजा के सामने उषाकिरण
फ्लेट के सामने, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2 श्री मुजाउद्दीन फकरुद्दीन कादरी नं० ई०-5, फ्लेट,
पांचवा मंजला, फिरदौश फ्लेट, खानपुर, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 127 वर्ग यार्ड है जो खानपुर,
अहमदाबाद में स्थित है तथा जो अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता
सब रजिस्ट्रार विपरीत नं० 11153/14-9-81 है।

जी० सी० गंग

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 3-5-82

मोहर:

प्रकरण आई.टी.एन.एस.—

1. श्रीमती जह्नीबेन शनाभाई पटेल, जगाभाई पार्क, मनीनगर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2 (1) डा० दोनर दामोदरदास भुपतानी।

(2) डा० मंसीम सुधा दोनर भुपतानी स्वामी-नारायण मंदिर के नजदीक, मनीनगर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मई 1982

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1884—यत मुझे, जी०

सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 1218/3, सब प्लेट नं० 1 है तथा जो मनीनगर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

मकान जिसका एफ० पी० नं० 148/3, सब प्लॉट नं० 1 जो जे० भुपतानी का नमिंग होम से प्रचलित है जो स्वामी नारायण मंदिर, मनीनगर, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 9905/- सितम्बर 1981 है।

जी० सी० गर्ग

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-5-1982
मोहर :

प्रारूप भाग टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1883—यतः सुते, जी०
सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 745 टी० पी० एस० 3,
सब प्लॉट नं० 3-ए है तथा जो मादलपुर, अहमदाबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
15 मिनम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री चन्दु लाल मंगललाल पटेल और अन्य, सेन्दल
बैंक आफ इण्डिया के नजदीक, गुजरात कोलेज के
नजदीक, एलिसव्रीज, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री रोहित वी० शाह मुख्य प्रयोजक—न्यू शीतल
एपार्टमेन्ट (प्रयोजक) टेमला पोल, कालुपुर,
डोसीघाटा की पोल के नजदीक अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 740 वर्ग यार्ड है जो मादल-
पुर अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका रजिस्ट्रेशन अहमदा-
बाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 11247/15-9-81 है।

जी० सी० गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 3-5-82

मोहर:

अर्थ. टी. एम्. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1882—यन: मुझे, जी० सी०
गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 8 है तथा जो वस्त्रपुर,
जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 21 सितम्बर 1981

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रद्वह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बालमुकुन्द गनपतराम धवे एच०-2, अदीर
कोलोनी, वस्त्रपुर अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

2. गुज शीट एपार्टमेंट ओनर्स एसोसियेशन की ओर से
जेयरमेन—श्री देवेन्द्र पी० परीख वचलो खांचो,
रायपुर 1201, शामलाजी की पोल, अहमदाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

अर्जित ज़िम्मा कुल क्षेत्रफल 602 वर्ग यार्ड है जो वस्त्रपुर
अहमदाबाद में स्थित है, जिसका वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्री-
कर्ता बिक्रीखत नं० 7409/21-9-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 3-5-1982

महेश्वर :

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1881—यतःभूमे, जी० सी०
गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें हमको पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 5145 पकी 5146, 5147, 5148-2, 5150-बी है तथा जो 5144, 5145 पैकी 5148-1, 5148-3, रायखण्ड, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिनी (अन्तरिनी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री रीजवान अब्दुलकादीर कादरी श्री समसुद्दीन अब्दुलकादीर कादरी श्री रीजवीस्नीस्सा ए० कादरी कागदीवाद, संस्कार केन्द्र मार्ग, कोचरब, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. मंसस (सूचीत) मुजीब को० आ० हा० सोसायटी लिमिटेड प्रमोटर—श्री अब्दुलकादर बी० कुरेशी पारसी चाल के नजदीक प्रेम दरवाजा, अहमदाबाद।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 241 वर्ग यार्ड, 246 वर्ग यार्ड और 125.7 वर्ग यार्ड है, जो रायखण्ड अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्री-खत नं० 11539, 11541-42 और 11543/28-9-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 3-5-1982

मोहर:

प्रकृष माई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-23-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 मई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1900—यतः मुझे जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 401 वाई 2-बी है। तथा जो प्रभाग बंगला, प्लॉट नं० 401 आदीपुर कच्छ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भुज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गिड़ी है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुभरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० एस० तोलानी और श्रीमती जामन्ती एच० कमाले, प्रभु छाया, आदीपुर, कच्छ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अरुनाबेन आर० मोध और कुमारी वक्षा देसाई 16, रंग सागर फ्लैट्स प्रभुदास ठक्कर कालेज रोड, पालडी, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रभास बंगला जो प्लॉट नं० 401, वाई 2-बी आदीपुर कच्छ में स्थित है, तथा जी० डी० ए० से प्लान मंजूर किया गया है, भुज रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रजिस्ट्रेशन नं० 1786/29-9-81 है।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

तारीख : 11-5-82

मोहर :

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-23—, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 मई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1899-यतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु में अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 129, 122, 119, 125, 130, 126, 121, 131, 127, 120, है तथा जो 124 पैकी पुराना बस स्टेण्ड, उपलेटा राजकोट में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुमूर्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिगारों के कार्यालय, उपलेटा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री युनुस हाजी ताम मोहमद मुनशी और 16 अन्य भादर रोड—उपलेटा, जिला राजकोट।

(अन्तरक)

2. सर्वदमन प्रतापराय शेट और अन्य, दरबारगढ़ उपलेटा मॉन। मनसुखलाल भवल्लजी माडलीया और अन्य भादर रोड, उपलेटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 10144 वर्ग यार्ड है जो पुराना बस स्टेण्ड उपलेटा, जिला राजकोट में स्थित है, तथा राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 1854 से 1876/21-9-81 है।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख: 11-5-82

चेंबर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-23-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1898--यतः मुझे, जी० सी०
गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 188-1, 189 और 193-2, 194,
190, 193-1, है तथा जो 189-1, थलतेज अहमदाबाद में
स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 14 सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से; ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।---

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी खण्ड प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री कौशिकभाई गोरधनभाई पटेल और अन्य,
51-7-8, मेवावाला एपार्टमेंट, सरोजर्मी रोड,
बीले पारले वेस्ट, बॉम्बे।

(अन्तरक)

2. श्री अनिलकुमार भाईलालभाई पटेल और अन्य
10-बी, माधवान सोसायटी गुजरात विद्यापीठ के
सामने आश्रम रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती की जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 5 एकड़ 37 गुंठा
है, जो गांव थलतेज जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा अहमदा-
बाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 11137, 38, 39, 40/
14-9-81 हैं।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-23-I, अहमदाबाद

तारीख : 10-5-1982

माहसुत :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-23-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1897—यतः मुझे, जी० सी०
गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 20/3/बी०, 20/3/ए०, 20/2,
20-1-ए०, 20-1-बी 20-3-सी०, है तथा जो थलतेज,
अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता/प्राधिकारी के कार्यालय
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 23 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविर में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्त-
सर्जन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

19—116GI/82

1. श्री कानजीभाई मासंगजी भाई ठाकोर और अन्य
गांव —थलतेज, जिला—अहमदाबाद।

(अन्तर्गत)

2. मेनम सुवर्तनगर को० ओ० हा० सोसायटी लिमिटेड
मेक्रेटरी—श्री वलीचंद जावेचंद ए०-4, हरीदाम कालोनी,
नवजावन पैम रोड, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावधि सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 18150 वर्ग यार्ड है जो
गांव थलतेज, जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा अहमदाबाद
रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीक्रम नं० 11495, 94, 93, 91, 90,
85, 84, 79, 678, 77, 71/23-9-81 है।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 10-5-82

मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 23-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 मई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1896--यतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 488 है तथा जो वाडज, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन तारीख 24 मिनम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्घोष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के ब्यक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कुमुदबेन कौशिक प्रसाद दलवाई और अन्य नवरंग हाई स्कूल के पोछे मानेक एवेन्यु सोसाईटी के तजदाक अहमदाबाद-13।

(अन्तरक)

2. क्रांति एंपार्टमेंट को० ओ० हा० सोसायटी लिमिटेड की ओर से चेयरमेन—श्री वीलीप कुमार हसमुख लाल भट्ट, मैरीन ड्राइव सोसायटी धैरवनाथ रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 8842 वर्ग गज है जो वाडज अहमदाबाद में स्थित है तथा अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 7129/24-9-81 है।

जी० सी० गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 11-5-1982

सोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-23-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1895---यतः मुझे, जी० सी०
गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० प्लॉट नं० 108 काकाडा नोद नं०
2543-44-45 है। तथा जो 13, पंचनाथ प्लॉट शेरी, राजकोट,
में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट
में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 24 सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री गनपतराम दलपतराम श्री चंदुलाल दलपतराम
13, पंचनाथ प्लॉट, राजकोट।

(अन्तरक)

2. श्री भूपेन्द्र पररोत्तम खरटरपर रसीकलाल पररोत्तम
खरटरखर नयोनचंद्र भोरतलाल व्यास नाथालाल
भोरतलाल व्यास बजार के नजदीक, राजकोट।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

रहनेलायक मकान जो राजकोट पंचनाथ प्लॉट पर स्थित
है जिसका कुल क्षेत्रफल 351-8-72 वर्ग यार्ड है, जिसका
सीटी एस० नं० 108, काकाडा नोद नं० 2543-44-45, तथा
राजकोट रजिस्ट्रेशन नं० 5871/24-9-81 है।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

तारीख : 10-5-1982

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-23-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1982

निर्देश सं० पी० आर० न० 1891—अन मुझे, जी०
सा० गंगे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इस पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
० से अधिक है

जिसका सं० 3108 दिनांक 15-9-81 है। तथा जो
सर्वे न० 102 गांव धुमराब जामनगर में स्थित है (और इसमें
उपाख्य अनुसूचित में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार
अधिकारी के कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्रार अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 मिनम्बर
1981

को पूर्ववर्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्ववर्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उससे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1 मैमर्स ठक्कर जी० कपनी रमेशचंद्र कानजीभाई
जी०, जयहिन्द लॉज, स्टेशन रोड, जामनगर।
(अन्तरक)

2 श्री अनवरअली गुलामअली बेचलाना प्रमुख — राजकोट
हो० सोनाइट लिमिटेड धुवाब, जिवा — जामनगर।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्वेषारो के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 2,72,920 वर्ग फुट है,
सर्वे न० 102, धुवाब, जामनगर में स्थित है तथा जामनगर
रजिस्ट्रार अधिनियम न० 3108/15-9-81 है।

जी० सा० गंगे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज- , अहमदाबाद

तारीख: 10-5-82

मोहर

प्रूप बाई.टी.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-23-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1893- यन मुं० जी० सी०
गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000 - रु. से अधिक है

और जिसका सर्वे नं० 422 है तथा जो राजकोट जामनगर
हार्डवे रोड, डाय रेलवे कालोनी के नजदिक में स्थित है (और
इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्रेशन
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ताराख
15 सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिनी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से अंकित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1 श्री रमेशचन्द्र कानजीभाई जोशी एच० यु० एफ०
के कर्ता प्रो० जयहिन्द लोज, स्टेशन रोड,
जाम नगर।

(अन्तरक)

श्री केशवजी माधवजी तन्ना के/श्री० रमीकलाल केशवजी
तन्ना ग्रेन मार्केट जामनगर।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही करा जाय।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खेती की जमीन जिसका सर्वे नं० 422, कुल क्षेत्रफल 11
एकड़ 20 गुंठा है जो राजकोट जामनगर हार्डवे रोड पर
स्थित है, तथा जामनगर रजिस्ट्रार/कर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 3107/
15-9-81 है।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज- , अहमदाबाद

ताराख : 10-5-812

मोहर .

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1892—प्रतः मुझे जी० सी०
गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान भगवती कृपा गर्वन्मेन्ट सर्वेन्ट को० आ०
हा० सो० लिमिटेड पटेल आइसक्रीमवाली शेरी है तथा जो
राजकोट में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट
में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच का अन्तरण के विस्तार पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिम्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रसीकलाल मनसुख लाल शाह भगवती कृपा
गर्वन्मेन्ट सर्वेन्ट को० आ० हा० सोसायटी लिमिटेड
पटेल आइसक्रीमवाली शेरी रेसकोर्म, राजकोट।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रक्षागौरी तक्षकुमार मागर हाटकेश मंदीर के
नजदीग मांगरोल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ हो गा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 434-08 वर्ग गार्ड है जो
भगवती कृपा गर्वन्मेन्ट सर्वेन्ट को० आ० हा० सोसायटी पर
स्थित है तथा राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता नं० 7392/81 मितम्बर
1981 है

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 10-5-82

माहुर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1982

निर्देश सं० पी० आर० न० 1891—यन० मुझे जी० सी०
गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे वार्ड/4, सीटी एस० नं० 2014 है।
तथा जो 2—5, जागनार्थ प्लॉट ग्यास्त रखानारोड संतोष
सदन बंगला के नजदीक में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारि के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 सितम्बर 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपान में
सुविधा के लिए;

धन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री लेट हर्षदराय गौरीशंकर ओझा जगदीश हर्षदराय
ओझा
प्रतीमाबेन हर्षदराय ओझा
रेखाबेन हर्षदराय ओझा
श्रीमती सुशालाबेन हर्षदराय ओमा, इन्द्र दीप
सोमायट्टी, पटेल कालोती, जामनगर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती समरतबेन हरीलाल दोशी एच० जे० हाउस
कारमारल रोड, चम्बई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रथम 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उन प्रथम में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 250 वर्ग यार्ड है, जो 2/5
जागनार्थ प्लॉट, जीमखाना रोड राजकोट में स्थित है, तथा
राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता ब्रिक्लिखत नं० 7086/एम०/3-9-81
है।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

तारीख : 10-5-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मई 1982

निर्देश सं० ए० एम० आर०/82-83/63 अत. मुझे,
आनन्दसिंह/आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट जो ठाकुर० महाचन्द
रोड अमृतसर में है तथा जो अमृतसर में स्थित है और इसमें
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मितम्बर 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ए० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री अनूप सिंह, अमर सिंह पुत्र हजारा सिंह गा
बसोधि तहसील अजनाला जिला अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार, दूधवी राज कटडा कर्म सिंह कृचा
नाडिया अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जे० ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

क यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट 183 वर्ग गज जो ठाकुर महाचन्द
रोड, बटाला रोड से दूर अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं०
13076/25-9-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज
है।

आनन्द सिंह आई० आर० एम०

सक्षम अधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, चण्द्री अमृतसर

तारीख: 11-5-82

मोहर:•

प्रारूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जत रेड, जोधपुर

जालंधर, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश सं० एएमआर/82-83/64--यन मुझे आनंद सिंह आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट है तथा जो वेरका अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रार/अधीक्षक के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख गितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य या उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री हरभजन सिंह पुत्र पाला सिंह चौसी गांव वेरका द्वारा रतन लाल फेरू मल वाली 14 रतन चन्द राड अमृतसर।

(अन्तरक)

2. मैमरी रिणी खुलन मित्रज बटाला रोड नजदीक अलफर कलर मेथरग बिन्दिग अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० न० 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

1. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का टुकड़ा 1400 वर्ग गज जो वेरका (बाई पास) अमृतसर में है जैसा मेन डीड न० 11979/11-9-81 रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह आई० आर० एस०

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री सी० आर० नूर अहमद काकी प्यांटर, चिकमगलूर।
(अन्तरक)
2. मैसम मलेनाडु एंटरप्रेमिस, रत्नागिरी रोड चिकमगलूर।
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 जनवरी 1982

निर्देश सं० 402/81-82-—यन: महो श्रीमती मंजु
माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 131/2, 160/3, 164/2 है, जो
बेंडिगा ग्राम, कामबा होबली तालूक चिकमगलूर में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकारी अधिकारी के कार्यालय चिकमगलूर अंडर डायरेक्ट
नं० 1066 तारीख में भारतीय 5-9-81 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थापूवोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बेंडिगा ग्राम कामबा होबली, चिकमगलूर तालूक में
स्थित निम्न लिखित काकी लैंड

सर्वे नंबर	एकर गुंठा
131/2	5—26
160/3	5—21
164/2	15—00
	<hr/> 26—07

श्रीमती मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 15-1-82
मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 मई 1982

निर्देश सं० सी आर 62/32443/81-82/एक्यू-बी-यन.
मुझे डा० बी० एन० ललितकुमार राव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एन० सं० 515/2 है तथा कोडियल
बेल गांव मंगलूर (ता०) में स्थित है (और इसमें उपरोक्त अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 सितम्बर 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, विनं भागीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री क० साधवराव लक्ष्मीनारायण राव के पुत्र काडीबला
नाम रोड मंगलूर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री आर० एम० कदीर सागर सं० 6, देवघन
अणोक नगर काडीबला (पूर्व) बंबई।

(2) श्री राजेन्द्र कुमार देविदास आ चादनी
बिल्डिंग (ब्लॉक सं० V, V फ्लोर
आंतीलाल मोंदी रोड, काडीबला (पश्चिम)
बंबई-67।

(3) श्री गोपाल मालियान बेसूर रोजनी निवास,
कोडिकल मंगलूर।

(अन्तरिनी)

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 826/81-82 ता० 11-9-81)
पर संपत्ति है जिसका टी० एन० सं० 515/2, तथा जो
कोडियल बेल गांव मंगलूर (ता०)।

डा० बी० एन० ललित कुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, मंगलूर

तारीख 6-5-1982
मोहर:

प्रारूप प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 मई 1982

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 14/82-83 काकीनाडा
स्कॉड—यतः मुझे एन० जेगन मोहन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'रजिस्ट्रार अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, पत्र बिश्राम करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-9-30 है, जो पेदापुरम में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेदापुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्टान्त
प्रतिकूल के लिए अन्तरिम को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का
पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आरितियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाता चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री एम० गंडय्या पिता गंगाराजू

(2) श्रीमती एम० चीतम्मा पति श्री एम०
चीन्ना गंडय्या।(3) श्रीमती एम० वेंकट रमनम्मा पत्नी चांन्ना
गंडय्या सभी मेन रोड, पेदापुरम पूर्व गोदावरी
जिला के रहोवासी हैं।

(अन्तरक)

2. श्री एन० वेंकट मुद्दाराय पिता लक्ष्मीनारायण, रामा-
नायडुपेट, मछलीपट्टनम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धस्ताक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

इमारत विस्तीर्ण 233 1/3 चौ० गज घर नं० 5-9-30,
अभेममेट नं० 715, पेदापुरम पूर्व गोदावरी जिला रजिस्ट्रीकृत
जिलेख नं० 2060/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पेदापुरम।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-5-1982

मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 मई 1982

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 15/82-83—

काकीनाडा स्काँड यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो कोरीटापाडू गुंटूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वासी रेड्डी कृष्णामूर्ति कांभेल, मंगलगिरी तालुक जिला गुंटूर।

(अन्तरक)

2. डा० ल्ही० शिवरामकृष्णा प्रसाद केश्वर आफ सी० एच० रामाणिगेस्वरा राव पहली लाइन, चंद्रमौली नगर, गुंटूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुराधा

भूमि विस्तारण 1909 चौ० गज कारीटीपाडू, गुंटूर।
रजिस्ट्रीकृत धिलेख नं० 9781/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुंटूर।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, हैदराबाद

तारीख : 10-5-1982

मोहर :

प्ररूप आर्. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 मई 1982

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 16/82-83—यन मुक्षं, एम०
जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु से अधिक है

और जिसकी सं० 16-8-13 है, जो इमारत विभागापटनम
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विभागा-
पटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण ग है कि मैं बाय का नावत, 341 अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसंग
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1 श्री जी० रामचंद्राव पिता सीतारामय्या, कपड़े का
सौदागर, असपू स्ट्रीट, विजयनगरम।

(अन्तरक)

2 डा० पी० रामा मन्मासी राव बफर, म बड एजद,
हराण।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

इमारत घर न० 15-8-13, माहाराणीपेट वार्ड ऑफीसीयल
कॉलनी/स्ट्रीट, रामलिंगनगर, रोड, विभागापटनम। रजि-
स्ट्रीकर्ता विलेख न० 7327/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
विभागापटनम।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख 10-5-1982

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 मई 1982

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 17/82-83—यत मूले
एम० जेगन मोहन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 13-5-8 है, जो पालकोल में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय पालकोल में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
सितम्बर 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा
के लिए,अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्ग
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री छोडी मेट्टी चंद्राव पिता वैकटरायडु
(2) श्री सी० एच० बी० बी० पांडुरंगा राव
पिता चंद्राव
(3) श्री सी० एच० श्रीरामामूर्ति पिता चंद्राव
पर न० 3-2-2 हुमरा बार्क, पालकोल।
(यन्तरिक)

- 2 श्री सी० एच० रामावत पिता रामावत भास्कर
नावावलक, बाई दादाजी श्री सी० एच० सुर्वे
नागयणा दोडुपेटा, जिला पश्चिम गोदावरी।
(यन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

धनसूची

दुकान घर न० 13-5-8/1, 2, 3, 4, बाई न० 7,
अमेसमेट न० 3223 पालकोल नगर पालिका। रजिस्ट्रीकृत विलेख
न० 2686/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पालकोल।एम० जेगन मोहन
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 10-5-1982

माहिर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रैंज रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निर्देश सं० ए० आर० 3/2035/81-82

—यतः मुझे, सुधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 14, एंड सी० एस० नं० सी०-1 (पीटी) है तथा जो अंधेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19 सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. ओशिवरा लेंड डेवेलपमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरक)
2. अपना घर यूनिट नं० 10, आर० बी० आई दी निर्माय को०-प्रापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा की, विलेख संख्या एस० 1269/81 और जो उप-रजिस्ट्रार बम्बई, द्वारा दि० 19-9-81 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सुधाकर वर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रैंज रेंज-3, बम्बई

तारीख : 22-4-1982

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एम. -----

1 निमेष मेरी थरेमा फनाडीम अंधेरी जिमखाना।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मई 1982

निर्देश सं० ए० आर०/3/2024/82-83—यतः सुमे,
एम० एम० शुक्ला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० चलता नं० 333 बेअरिंग नं० एस० 44-ए०
है तथा जो गोव गुंडविली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14 सितम्बर
1981 हिस्सा नं० 3, सी०टी० एम० नं० 395/1 डाय्यूमेंट
नं० 105/1980

को पेशकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें वचने में सूविधा के नियम,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या क्रिया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--
21-116GI/82

को यह सूचना जारी करके पूर्वकृत संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिता पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा की, विलेख संख्या नं० 105/1980 और
जो उप-रजिस्ट्रार बम्बई, द्वारा दि० 14-9-1981 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

एम० एम० शुक्ला
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख : 11-5-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मई 1982

निर्देश सं० ए० आर० 3/2026/82-83--अतः मुझे,
एम० एम० शुक्ला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फाईनल प्लॉट नं० 149, सब-स्थल
नं० 3, सी० टी० एम० नं० 803 है, तथा
जो चेंबर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 22 मितम्बर 1981 (डाकूमेट नं० एम० 306/77)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण भिन्नित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं दिया गया है --

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. (1) श्रीमती मायदा वसंतकुमार नायर।
- (2) श्री रामदास वसंतकुमार नायर।
- (3) श्री विजयकुमार वसंतकुमार नायर।
- (4) श्रीमती वसन्ता मोहनदास नायर।
- (5) कु० गिरांजा वसंतकुमार नायर।
- (6) कु० इंदिरा वसंतकुमार नायर।
- (7) श्री सुरेश वसंतकुमार नायर।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती प्रकाशवती हरीचंद गुप्ता।
- (2) श्रीमती चंचल अजोध्याप्रसाद गुप्ता।
- (3) श्री अरुण अजोध्याप्रसाद गुप्ता।
- (4) श्री मंजीव अजोध्याप्रसाद गुप्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि, विलेख संख्या एम० 306/77 और जो
उप-रजिस्ट्रार बम्बई, द्वारा दि० 22-9-1981 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

एम० एम० शुक्ला,

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 11-5-82
मोहर :

प्ररूप आर्द्.टी.एन.एस.-----

1. श्री अनवर नवाब।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2 श्री पुरुषोत्तमदास खेमचन्दानी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 16 अप्रैल 1982

निर्देश सं० जा० आर्द्० आर० पी०-91/अर्जन--अतः
मुझे, विनोद कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसका सं० 70/3 है तथा जो ग्राम जियामऊ, लखनऊ
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रार प्राधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रार-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
25 सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, 'जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूखण्ड खसरा संख्या 70/3 क्षेत्रफल दम बिसवा
(13612.5 वर्ग फीट) स्थित जियामऊ लखनऊ तथा वह
सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड एवं फार्म 37-जो संख्या 6044
में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के
कार्यालय में दिनांक 25-9-81 को किया जा चुका है।

विनोद कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 16-4-1982

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०---

1. श्री के० सैय्या, डाक्टर सैयद जबवार।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती रेहाना बेगम।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निर्देश सं० 16659---यतः मुझे, आर० रविचंद्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 10 और 11 है, जो
मोड रोड, मद्रास-15 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मैदापेट (डाकुमेंट सं० 3763/81) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
सितम्बर 1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अमसुरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमसूची

भूमि टी० एस० सं० 10 और 11, मोड रोड, घिन्टा
मद्रास-15

(डाकुमेंट सं० 3763/81)

आर० रविचंद्रन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 22-4-82

मोहर .

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

1. श्री गोस्वामी रमेशपुरी, गुरु महेश पुरी का० इतवारि
वाड नं० 36 नागपुर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 19 जनवरी 1982

निदेश सं० आर० ए० सी०/अर्जन/180/80-81—यतः

मुझे, ए० एम० खेर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पी० एच० नं० 10 डब्ल्यू० नं० 12 फोल्ड नं० 134 है, जो मौसा बिनाकी नागपुर में स्थित है (और उसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिपति के कार्यालय नागपुर (डाकुमेंट सं० 1614/81 में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5 सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उसका दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, उस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरक) और अन्तरिणी (अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. प्रसाद गृह निर्माण सहकारी संस्था सेक्रेटरी श्री शंकरराव धर्मजी नरपाते निरस्थीबाजार वाड नं० 21, अमरेड रोड नागपुर।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौसा बिनाकी पोएच० नं० 10 वाड नं० 42, नागपुर
शेन नं० 134 नागपुर।

ए० एम० खेर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 19-1-1982

साहू

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 27 जनवरी 1982

निर्देश सं० ए० 255/81-82 मिल०/923-31—

अतः मुझे, ई० जे० मावलोंग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिनकी सं० 7380, 7378, 7361, 7365, 7360,
7364 आर० एम० पट्टा सं० 950 परगना बारकपार मौजा
मिलचर में है, तथा जो जानीगंज मिलचर में स्थित है (और इसमें
उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्रतिपत्ति के कार्यालय मिलचर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 मिनम्बर
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान
प्रतिफल का गन्दा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के प्रति :-

1. श्री ज्ञान चन्द्र राय बर्मन, अम्बोका पट्टा, मिलचर।
(अन्तरक)

० श्रीमती निमला सुन्दरी पाल के०/अप० श्री सुरेश चन्द्र
पाल, जानीगंज मिलचर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का माप दो कट्टा एक छटाक सोलह गन्डे वो
करास दी क्रान्तीस मकान के साथ जो जानीगंज में मिलचर के
व्यापारिक केन्द्र में और जिनका डावा सं० 7380, 7378
7361, 7365, 7360, 7364 आर० एम० पट्टा सं० 950
परगना बारकपार, मौजा मिलचर टाउन में।

ई० जे० मावलोंग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 27-1-1982
सांहर .

प्रारूप आर्द्र टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 19 मई 1981

निर्देश सं. III 549/अर्जन/82-83--अतः मुझे,
हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या रांची म्यूनिसिपलिटी होल्डिंग सं. 869
(नया) का अंश, एम. एस. प्लॉट सं. 758 बी. जे. सं. 758
बी/सी. से निर्गत बाउंड सं. 1 है तथा जो मौराबादी रोड, ग्राम
चवरो रांची में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 4-9-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायिले में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की रूपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

1. श्री प्रभात कुमार विश्वास (2) श्री प्रभात कुमार विश्वास (3) श्री प्रभात कुमार विश्वास (4) श्री प्रभात कुमार विश्वास (5) श्रीमती मंदलानी विश्वास, विधवा
स्व. के. के. विश्वास, निवासी मर्कट हाउस गेट
थाना लालपुर, जिला रांची, वर्तमान पता-सी. एस्.
17/4 गोलफ ग्रीन अर्बन कम्प्लेक्स कलकत्ता-
700045

(अन्तरक)

2. श्री गोविन्द भगत (2) श्री राम नारायण भगत दोनों
बल्द श्री कर्मचन्द भगत, जो अपने मां एवं स्वभाविक
अभिभावक श्रीमती मालती भगत द्वारा प्रदर्शित है
निवासी करमटोली, थाना लालपुर जिला रांची
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त 'शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-ग में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुराने आवासीय भूकान एवं जमीन के कुल रकबे 5 कटठे
स्थित मौजा मौराबादी रोड ग्राम चवरी रांची में स्थित है तथा
पूर्ण रूप से वसिका सं. 1-7521 दिनांक 4-9-81 में वर्णित
है एवं सब रजिस्टार आफ एयोरनेस कलकत्ता द्वारा पंजीकृत है।

हृदय नारायण

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख 19-5-1982

मोहर

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 26th May 1982

No. F.6, 82-SCA(1).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri R. S. Suri, P.P.S to Hon'ble the Chief Justice of India as Officiating Deputy Registrar in the Registry of the Supreme Court of India with effect from the forenoon of March, 7, 1982 to April 1, 1982 in the leave vacancy of Shri B. S. Dhawan, Deputy Registrar, from April 28, 1982 to May 12, 1982 in the leave vacancy of Shri A.S.V. Raghavan, Deputy Registrar and with effect from May 17, 1982 to June 4, 1982 in the leave vacancy of Shri S. Banerjee, Deputy Registrar, until orders.

H. S. MUNJRAI
Deputy Registrar (Admn.).

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 15th May 1982

No. A.11016/1/81-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a Section Officer of the Union Public Service Commission to perform the duties of Desk

Officer on ad-hoc basis in the office of the U.P.S.C for a period of 3 months with effect from 3rd May 1982 or until further orders whichever is earlier

2. Shri H. S. Bhatia shall draw Special Pay Rs. 75/- per month in terms of D.C.P. & A.R.O No 12/1/74-CS(I) dated 11th December 1975.

Y. R. GANDHI
Under Secretary (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110066, the 28th May 1982

No. F.2/46/81-Estt.—The President is pleased to extend the deputation period in respect of Shri S. C. Vidyarathi, an IPS Officer of Madhya Pradesh Cadre, as DIG in CRPF from 18-1-82 to 20-3-82

A. K. SURJ
Assistant Director (Estt)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 25th May 1982

No. 10/30/81-Ad. 1.—The President is pleased to appoint, by promotion, the undermentioned Senior Geographers as Research Officer (Map), on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period not exceeding one year, in the office of the Directors of Census Operations in States and with effect from the date as indicated against each or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter :—

Sl. No.	Name	Office in which working	Headquarters	Date of Appointment	
1	2	3	4	5	
1.	Shri Md. Abbas	D.C.O., Bihar, Patna.	Patna	The 26th Feb, 1982	(F.N.)
2.	Shri S. R. Puri	D.C.O., Haryana, Chandigarh.	Chandigarh	The 22nd Feb, 1982	(A.N.)
3.	Shri Shyam Deo	D.C.O., Andhra Pradesh, Hyderabad.	Hyderabad	The 24th Feb, 1982	(F.N.)
4.	Shri Madhāv Shyam	D.C.O., Maharashtra, Bombay.	Bombay	The 18th March, 1982	(F.N.)

The above-mentioned *ad-hoc* appointment will not bestow upon the officers concerned any claim to regular appointment or to the office of Research Officer (Map). The services rendered by them on *ad-hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The aforesaid *ad-hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the appointing authority without assigning any reason therefor.

The 29th May 1982

No. 10/52/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion, Shri V. V. Rao, Assistant Director (Programme) in the office of the Registrar General, India, New Delhi and at present working as Systems Analyst on ad-hoc basis, as Deputy Director (Programme), in the same office, on regular basis, in temporary capacity, with effect from the forenoon of the 30th March, 1982, until further orders.

2. The headquarters of Shri Rao will be at New Delhi.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 24th May 1982

No. CA-1/40-69.—On their attaining the age of superannuation S/Shri D. P. Banerjee and Manoranjan Nath, Audit Officers (Comml) serving in the Office of the Accountant General-II West Bengal, Calcutta have retired from Government service with effect from 31-10-81 and 30-11-81 respectively.

M. A. SOMESWARA RAO
Joint Director (Comml)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT,
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 11th May 1982

No. Admn.I/O.O.No. 54.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri Man Mohan Singh a permanent Audit officer of this office will retire from service of the Government of India with effect from the afternoon of 31-5-1982. His date of birth is 24th May 1924.

No. Admn.IO.O. No. 55.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri G. B. Lal a permanent Audit officer of this office will retire from service of the Government of India with effect from the afternoon of 31-5-1982. His date of birth is 18th May 1924.

SAMAR RAY
Joint Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (I), M.P.
Gwalior, the 17th May 1982

No. OFI/G.Os-Promotion/56.—In supersession of this office even Notification No. 510 dated 31-3-1982 the Accountant General-I, Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to accord proforma promotion to Shri L. B. Singh (02/273) Section Officer as Accounts Officer in the officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 1st January, 1982 Forenoon.

D. C. SAHOO
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I,
RAJASTHAN

Lupur, the 29th May 1982

No Admn II (G-Notfn/168)—The Accountant General, Rajasthan is pleased to promote the following Selection Grade Section Officers of this office and appoint them as Officiating Accounts Officers with effect from dates noted against each until further orders—

S/Shri

- 1 Ganesh Narain Vyas—16 4-82 (FN)
- 2 Ram Gopal Agrawal—24 4-82 (FN)
- 3 Sukhdeo Kumar Khanna—27 4 82 (FN)

M S SHEKHAWAT
Sr Dy Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE
DGOF HQRS CIVIL SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD

The 22nd May 1982

No 27/G/82—On attaining the age of superannuation, Shri K P Sukul, Offg S. O. (Subst & Permt. Asstt.) retired from service wef 31st October, 1981 (AN)

The 22nd May 1982

No 25/G/82.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri Bachcha Singh, Offg Assistant Manager (Subst & Permt Foreman) retired from service with effect from 31st December, 1981 (AN)

No 26/G/82—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri H R Majumdar, Offg Asstt Manager (Subst & Permt Storeholder) retired from service with effect from 30th June, 1981 (AN).

V. K. MEHTA
Asstt Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi the 25th May 1982

No A-19018(164)/75-Admn (G) Vol II—The President is pleased to appoint Shri S C Gulati, Asstt. Director (Gr I) (Mech) Small Industries Service Institute, Allahabad as Deputy Director (Mech) on Ad-hoc basis at Small Industries Service Institute, Ranchi effect from the forenoon of 12-5-1982, until further orders

The 26th May 1982

No 12(752)/22 Admn (G)—On completion of this tenure of deputation as Technical Adviser with Indian Investment Centre/IDBI, Bhopal from 31-5-1980 to 31-3-1981 and on the expiry of E I from 1 4-82 to 5-5-82 Shri S. R. Singh, assumed charge of the post of Dy Director (Chem.) in the office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi with effect from the forenoon of 6 5-1982.

C. C. ROY
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi 1, the 26th May 1982

No A-1/2(353)VII—The President is pleased to appoint the following officers who have been officiating as Deputy 22—116 GI/82

Directors (Gr II of Indian Supply Service, Group 'A') in the offices mentioned against their names, on ad hoc basis, to officiate as Deputy Directors (Gr. II of Indian Supply Service, Group 'A') on regular basis with effect from 30-9-1981:—

- 1 Shri P. N. Soni, DGS&D, Hqrs. office, New Delhi
- 2 Shri S. Farukh Hamid, —do—
- 3 Shri Sughosh Bansal, DS&D, Calcutta
- 4 Shri S. L. Sakhuja, DS&D, Bombay
- 5 Shri S. K. Shukla, DGS&D, Hqrs office, New Delhi

2. The above mentioned officers on promotion as Deputy Directors of Supplies on regular basis, are placed on probation for two years from 30 9-1981 (FN)

S. L. KAPOOR
Deputy Director (Administration)

(ADMN SECTION A-6)

New Delhi-110011, the 31st May 1982

No A-6/247(38)—Resignation of Shri G. Sahadevan, substantive Assistant Inspecting Officer (Engineering) officiating in the grade of Inspecting Officer (Engineering) has been accepted on his permanent absorption with Messrs Richardson & Cruddas Limited, (A Government of India Undertaking) with effect from the forenoon of 1st June, 1980.

N. M. PERUMAL
Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL & MINES
DEPARTMENT OF STEEL
IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 27th May 1982

No EI-2(3)/75.—Iron & Steel Controller hereby appoints Shri Prabir Kumar Basu Roy Chowdhury, Superintendent, on promotion to officiate in the post of Assistant & Iron & Steel Controller in this office wef 22-5-1982 (FN)

S. N. BISWAS
Joint Iron & Steel Controller

DEPARTMENT OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 25th May 1982

No A19012(3)/76-Est.A—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri G. S. Reddy, Pmt. Assistant Mining Engineer, Indian Bureau of Mines has been promoted to the post of Assistant Controller of Mines in Indian Bureau of Mines with effect from 28-12-1981 (Forenoon).

B. C. MISHRA
Head of Office
Indian Bureau of Mines

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 15th May 1982

No. 301/18/82-F.F.—In pursuance of Rules 19 and 20 of the 29th National Film Festival of India 1982 Regulations and Rule 15 of the National Award for the Best Book on Cinema 1982 Regulations published vide Ministry of Information and Broadcasting Notifications No. 301/18/82-F(F), dated 3-3-1982 the Central Government on the basis of the recommendation submitted by the three National juries have decided to give awards to the following films/producers/directors/artists/technicians/author, namely :—

S. No.	Title of the film and language	Name and address of the Award Winner	Award
1	2	3	4
I. FEATURE FILMS			
1.	Award for the Best Feature Film : DAKHAL (Bengali)	PRODUCER Information & Culcutral Affairs Department, Government of West Bengal, Writers' Buildings, Calcutta-700001. DIRECTOR Shri Goutam Ghose, 24E, Rustomjee St., Calcutta-700019.	'Swarn Kamal' (Golden Lotus) and a cash prize of Rs. 50,000/- (Rupees fifty thousand) only. 'Swarn Kamal' (Golden Lotus) and a cash prize of Rs. 25,000/- (Rupees twenty five thousand) only.
2.	Award for the Second Best Feature Film : POKKUVEYIL (Malayalam)	PRODUCER Shri K. Ravindranathan Nair, General Pictures, Quilon-691001. (Kerala). DIRECTOR Shri G. Aravindan, 9/1733, Vellayambalam, Trivandrum-695010. Kerala.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 30,000 (Rupees thirty thousand) only. 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees fifteen thousand) only.
3.	Nargis Dutt Award for Best Feature Film on National Integration SAPTAPADI (Telugu)	PRODUCER Shri Bheemavarapu Buchireddy, Jyothi Art Creations, No. 12, Ramanathan St., 'T' Nagar, Madras-600017. DIRECTOR Shri K. Viswanath, No. 2, 6th Cross St., United India Colony, Madras-600024.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 30,000/- (Rupees thirty thousand) only. 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees fifteen thousand) only.
4.	Award for the Best First Film of a Director : AADHARSHILA (Hindi)	Shri Ashok Ahuja, 15/20, West Patel Nagar, New Delhi-110008.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only.
5.	Award for Best Direction : 36 CHOWRINGHEE LANE (English)	Ms. Aparna Sen, 8C, Sonali Apartments, 8/2 A, Alipore Park Road, Calcutta-700027.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 20,000/- (Rupees twenty thousand) only.
6.	Award for the Best Screenplay : THANNER THANNER (Tamil)	Shri K. Balachander, 34, Warren Road, Madras-600004.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand) only.
7.	Award for the Best Actor OM PURI (AROHAN) (Hindi)	Shri Om Puri, 181, Bakshi Niwas, Bhagat Singh Colony, Andheri (East), Bombay.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand) only.
8.	Award for the Best Actress REKHA (UMRAO JAAN) (Hindi)	Ms. Rekha, 'Sea Bird' Bandstand, Bandra (West), Bombay-400050.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand) only.
9.	Award for the Best Child Artist LEIKHENDRA SINGH (IMAGI NINGTHEM) (Manipur)	Master Leikhendra Singh, Thangmeiband, Imphal-795001.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand) only.

1	2	3	4
10. Award for the Best Cinematography (Colour) 36 CHOWRINGHEE LANE (English)	Shri Ashok Mehta, Plot No. 60, Sector No. 8, New Bombay, Vashi.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand) only.	
11. Award for the Best Cinematography (Black and White) MOORU DARIGALU (Kannada)	Shri S. R. Bhat, Ganesh Mahal Hotel, 18th Cross, Sampige Road, Malleswaram, Bangalore-560055.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand) only.	
12. Award for the Best Audiography ELIPPATHAYAM (Malayalam)	Shri P. Devadas, Kerala State Film Development Corporation, Trivandrum-695014.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand) only.	
13. Award for the Best Editing : AROHAN (Hindi)	Shri Bhanu Das Divkar, 4th Topiwala Lane, Sharda Building, Room No. 39, Dr. D. B. Marg, Bombay-400007.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- Rupees ten thousands only.	
14. Award for the Best Art Direction UMRAO JAAN (Hindi)	Shri Manzoor, Art House Plot No. 58, Irla, Andheri (West), Bombay-400058.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus), and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand) only.	
15. Award for the Best Music Direction UMRAO JAAN (Hindi)	Shri Khayyaam, Dakshina Murti, Apartments 71/A, 10th Road, Bombay-400049	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand) only.	
16. Award for the Best Male Playback Singer : EK DUUJE KE LIYE (Hindi)	Shri S. P. Balasubramayam, No. 64, I Cross Street, Kamdar Nagar, Madras-600034.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand) only.	
17. Award for the Best Female Playback Singer UMRAO JAAN (Hindi)	Ms. Asha Bhosle, 'Prabhu Kunj', Peddar Road, Bombay.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand) only.	
18. Special Jury Award SADGATI (Hindi)	Shri Satyajit Ray, Director, 1/1, Bishop Lefroy Road, Calcutta-700020.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus, and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand) only.	
19. Award for the Best Feature Films in each Regional Language			
(i) Award for Best Bengali Film			
ADALAT-O-PKTI-MEYE (Bengali)	PRODUCER : Shri D. K. Chakraborty, M/s. D. K. Films Enterprises, P-36, India Exchange Place, Calcutta-700001. DIRECTOR : Shri Tapan Sinha 675, Block 'O', New Alipore, Calcutta-700053.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus), and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees fifteen thousand) only. 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 7,500/- (Rupees Seven thousand & five hundred only).	
(ii) Award for Best English Film			
36 CHOWRINGHEE LANE (English)	PRODUCER : Shri Shashi Kapoor, M/s. Film Valas, 6, Readymoney Terrace, 2nd Floor,	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees fifteen thousand) only	

1

2

3

4

Dr. A. B. Road, Worli,
Bombay-400018
DIRECTOR :
Ms. Aparna Sen
8C, Sonali Apartments,
8/2 A, Alipore Park Road,
Calcutta-700027.

'Rajat Kamal' (Silver Lotus)
and a cash prize of Rs 7,500/-
(Rupees seven thousand and
five hundred only).

(iii) Award for the Best Hindi Film

AROHAN

PRODUCER :
Information & Cultural Affairs
Department,
Govt. of West Bengal,
Writers' Building,
Calcutta-700001.
DIRECTOR :
Shri Shyam Benegal,
103, Sangam,
Dr. G. Deshmukh Marg
Bombay-400026.

'Rajat Kamal' (Silver Lotus)
and a cash prize of Rs. 15,000/-
(Rupees fifteen thousand) only.

'Rajat Kamal' (Silver Lotus)
and a cash prize of Rs 7,500/-
(Rupees Seven thousand add five
hundred) only

(iv) Award for the Best Kannada Film

PARA

PRODUCER :
Shri M. S. Sathyu,
B-3, Nehru Nagar,
Juhu Tara,
Bombay-400049.
DIRECTOR :
Shri M. S. Sathyu,
B-3, Nehru Nagar,
Juhu Tara,
Bombay-400049.

'Rajat Kamal' (Silver Lotus)
and a cash prize of Rs. 15,000/-
(Rupees fifteen thousand) only.

'Rajat Kamal' (Silver Lotus)
and a cash prize of Rs 7,500/-
(Rupees seven thousand &
five hundred) only.

(v) Award for the Best Malayalam Film

ELIPPATHAYAM

PRODUCER
Shri K. Ravindranathan,
General Pictures,
Quilon-691001,
(Kerala).

'Rajat Kamal' (Silver Lotus)
and a cash prize of Rs. 15,000/-
(Rupees fifteen thousand) only.

DIRECTOR :
Shri Adoor Gopala krishnan,
'Darsanam'
Trivandrum-695017,
(Kerala).

'Rajat Kamal' (Silver Lotus)
and a cash prize of Rs 7,500/-
(Rupees seven thousand and five
hundred) only

(vi) Award for the Best Manipuri Film

IMAGI LINGTHEM

PRODUCER :
Shri K. Ibohal Sharma
X-Cine,
Paona Bazar,
Imphal-795001
Manipur
DIRECTOR
Shri Aribam Syam Sharma,
Thangmeiband Lourungpure
Leikai,
Imphal-795001,
(Manipur)

'Rajat Kamal' (Silver Lotus)
and a cash prize of Rs. 15,000/-
(Rupees fifteen thousand) only.

'Rajat Kamal' (Silver Lotus)
and a cash prize of Rs 7,500/-
(Rupees seven thousand and five
hundred) only.

(vii) Award for the Best Marathi Film

UMBARTHA

PRODUCERS :
1. Shri D. V. Rao,
B-201, Kalpita Enclave,
Sahar, Road
Andheri (West),
Bombay-400069.
2. Dr. Jabbar Patel,
Kurkum Road,
Daund,
District Pune.
DIRECTOR :
Dr. Jabbar Patel,
Kurkum Road,
Daund,
District Pune.

'Rajat Kamal' (Silver Lotus)
and a cash prize of Rs 15,000/-
(Rupees fifteen thousand) only,
jointly

'Rajat Kamal' (Silver Lotus)
and a cash prize of Rs 7,500/-
(Rupees seven thousand and five
hundred) only.

1	2	3	4
	(viii) Award for the Best Oriya Film		
SEETA RAATI	PRODUCER : Shri Balram Misra, C/o Varatee Pictures, Misra Bhavan, Tulasipur, Cuttack-8 (Orissa) DIRECTOR : Shri Manmohan Mahapatra, VR 20 Unit Six, Bhubaneswar-751001, (Orissa).	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees fifteen thousand) only.	
	(ix) Award for the Best Tamil Film		
THANNEER THANNEER	PRODUCER (i) Shri P. R. Govindarajan, Kalakendra Movies, 31, East Abiramapuram, 3rd Street, Madras-600004. (ii) Smt. D. Jayalakshmi, Kalakendra Movies, 31, East Abiramapuram, 3rd Street, Madras-600004 DIRECTOR : Shri K. Balachander, 34, Warren Road, Madras-600004.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees fifteen thousand) only. jointly. 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 7,500/- (Rupees seven thousand & five hundred) only.	
	(x) Award for the Best Telugu Film		
SBETHAKOKA CHILAKA	PRODUCER Shri Edida Nageswara Rao, 13, Kamdar Nagar, Nungambakkam, Madras-400034. DIRECTOR : Shri Bharathi Raja, E-5, Parsa Buildings, Gemini Complex, Mount Road, Madras-600006.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees fifteen thousand) only. 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 7,500/- (Rupees seven thousand & five hundred) only.	
II. SHORT FILMS			
20. Award for the Best Information Film : FACES AFTER THE STORM	PRODUCER : Films Division, Govt. of India, 24, Dr. G. D. Marg, Bombay-400026. DIRECTOR : Shri Prakash Jha, Films Division, 24, Dr. G. D. Marg, Bombay-400026.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand) only. 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand) only.	
21. Award for the Best Educational/Instructional Film THE FOUR MINUTES	PRODUCER : Films Division, Govt. of India, 24, Dr. G. D. Marg, Bombay-400026. DIRECTOR : Shri B. G. Devare, Films Division, Govt. of India, 24, Dr. G. D. Marg, Bombay-400026.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand) only. 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand) only.	
22. Award for the Best Promotional Film : HYDRUM	PRODUCER : Films Division, Govt. of India, 24, Dr. G. D. Marg, Bombay-400026.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand) only.	

1	2	3	4
		DIRECTOR Shri Mahmood Quraishi, Films Division, Govt. of India, 24, Dr. G. D. Marg, Bombay-400026.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus)
23. Award for the Best Animation Film THE THINKER ?		PRODUCER Films Division, Govt. of India, 24, Dr. G. D. Marg, Bombay-400026.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand) only.
		DIRECTOR Shri. A. R. Sen, Films Division, Govt. of India, 24, Dr. G. D. Marg, Bombay-400026.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand) only.
		ANIMATOR Ms. Shaila Paralkar, Films Division, Govt. of India, 24, Dr. G. D. Marg, Bombay-400026.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand) only.
24. Award for the Best Indian News Review : NEWS MAGAZINE NO. 12		PRODUCER Films Division Govt. of India, 24, Dr. G. D. Marg, Bombay-400026.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand) only.

III. BOOK AWARD

25. Award for the Best Book on Cinema : THAMIZ CINIMAVIN KATHAI (Tamil)	Shri Aranthai Narayanan, 19/14, Peters Road Colony, Madras-600014.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand) only.
--	--	---

IV. DADA SAHEB PHALKE AWARD

Shri Naushad Ali, Ashiana, Carter Road, Bandra Bombay-400050.	'Swaran Kamal' (Golden Lotus) and a cash prize of Rs. 40,000/- (Rupees forty thousand) only and a shawl.
---	---

K. BIKRAM SINGH
Director (Films)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES.

New Delhi, the 24th May 1982

No. A.12026/38/80(AIHHPH) Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. Choudhuri, Section Officer in the Ministry of Finance, Department of Expenditure (Defence Division), New Delhi, to the post of Administrative Officer in the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, on deputation basis, with effect from the forenoon of the 14th April, 1982, and until further orders.

The 25th May 1982

No. A.12023/7/76 (SIH) Admn.I.—Consequent upon his appointment to the post of Senior Labour Officer at Naval Headquarters, New Delhi, Shri A. S. Sharma relinquished charge of the post of Public Relation Officer at the Safdar-jang Hospital, New Delhi, with effect from the forenoon of the 30th October, 1981.

The 27th May 1982

No. A.12026/38/80(AIHHPH) Admn.I.—Consequent upon reversion to his parent office, Shri J. M. Bhattacharjee, relinquished charge of the post of Administrative Officer at the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, with effect from the forenoon of the 14th April, 1982.

T. C. JAIN
Dy. Director Administration (O&M)

New Delhi, the 26th May 1982

CORRIGENDUM

No. A.31014/3/82-CGHS.I.—In this Directorate's Notification No. A. 31014/3/82-CGHS.I, dated 31-3-1982, sent with this Directorate letter of even number dated 26-4-1982, kindly

For "14—Dr. N. R. Nair"

Read—"14—Dr. K. N. Radhakrishnan Nair"

P. K. GHAI
Dy. Director Admn. (CGHS)

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 15th May 1982

No. PPED/3(282)/81-Est.I/6539.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri S. M. Sharma, a permanent Upper Division Clerk in PPED Pool and officiating Assistant Accountant in DAE as Assistant Accounts Officer in this Division in a temporary in the scale of pay of Rs. 650-30-740-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of April 30, 1982 until further orders.

No. PPED/3(282)/81-Est.I.6540.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri K. T. Thomas, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant of Bhabha Atomic Research Centre as Assistant Accounts Officer in this Division in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-

40-960 with effect from the forenoon of May 1, 1982 until further orders.

R. V. BAIJAI
General Administrative Officer

Bombay-5, the 14th May 1982

No. PPED/4(788)/79/Admn/6566.—On the expiry of his deputation period, Shri M. S. Mohamed Iqbal, a permanent Section Officer in the Office of CDA(ORs) South Madras and officiating as Asstt. Accounts Officer in this Division relinquished the charge of his post in this decision with effect from the afternoon of April 30, 1982.

B. V. THATTE
Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 12th February 1982

ORDER

Ref) : NFC/PA.V/2606/2925/284.—WHEREAS Shri Mohd Abdul Majeed, Tradesman A, MTP (EC No. 2925), NFC was remaining absent from duty unauthorisedly (without any intimation/sanction of leave) from 25-11-1980 onwards;

AND WHEREAS a telegram was issued on 3-4-81 to the said Shri Majeed directing him to report for duty immediately;

AND WHEREAS the post copy of the telegram bearing No. NFC : TP : 315 dated 3-4-81 was also sent to him by registered post A. D. to his permanent residential address at House No. 5-10-64, Near Police Line, Nizamabad (AP);

AND WHEREAS the said Shri Majeed did not report for duty;

AND WHEREAS another telegram was issued to the said Majeed on 31-5-81 with a direction to report for duty immediately;

AND WHEREAS the post copy of the telegram bearing No. NFC : A-149/505 dated 31-5-1981 sent to him by registered post A. D. to his local address at House No. 20-7-241/4, Inside Danika Bagh, Qazipura, Shah-Ali-Banda, Hyderabad was also returned undelivered by the postal authorities with remark 'Addressee left R/S';

AND WHEREAS the said Shri Majeed continued to remain absent from duty unauthorisedly and thus committed an act of misconduct in terms of para 39(5) of NFC Standing Orders and Rule 3(1) of CCS (Conduct) Rules, 1964;

AND WHEREAS the said Shri Majeed was informed of the charge and of the action proposed to be taken against him vide memorandum No. NFC/PA.V/2606/2925/1807 dated 22-10-81;

AND WHEREAS the said memorandum of charge dated 22-10-81 sent by registered post A. D. to his above mentioned local address was returned undelivered by the postal authorities with the remark 'party left R/S';

AND WHEREAS the said Shri Majeed continued to remain absent from duty unauthorisedly and did not inform NFC of his whereabouts, which amounted to voluntarily abandoning his service with NFC;

AND WHEREAS, therefore, it became practically impossible to hold an inquiry as provided under the rules;

AND WHEREAS the undersigned after carefully going through the records of the case was satisfied that the said Mohd Abdul Majeed was not a fit person to be retained in service and came to the provisional conclusion that the penalty of removal from service should be imposed on the said Shri Mohd Abdul Majeed;

AND WHEREAS the said Shri Majeed was informed of the provisional conclusion as aforesaid vide memorandum No. NFC/PA.V/2606/2925/2249 dated 29-12-81;

AND WHEREAS the said memorandum dated 29-12-81 sent by registered post A. D. to his residential address at H. No. 20-7-241/4, Inside Danikbagh, Qazipura, Shah-Ali-Banda, Hyderabad was also returned undelivered by the postal authorities with the remarks 'left R/to sender';

AND WHEREAS the undersigned on the basis of the records of the case has come to the final conclusion that the penalty of removal from service should be imposed on the said Mohd Abdul Majeed;

NOW, THEREFORE, the undersigned, in exercise of the powers conferred on him under Rule 19(ii) of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965 read with para 43 of NFC Standing Orders and DAE Order No. 22(1)/68-Adm.II dated 7-7-79, hereby removes the said Shri Mohd Abdul Majeed from service with immediate effect.

N. KONDAL RAO
Chief Executive

Shri Mohd Abdul Majeed
H. No. 20-7-241/4,
Inside Danikbagh, Qazipura
Shah-Ali Banda, Hyderabad

Shri Mohd. Abdul Majeed
H. No. 5-10-64, Near Police Line
Nizamabad, Nizamabad Dt.

Hyderabad-500762, the 31st March 1982

ORDER

Ref : NFC/PA.V/2606/2638/653.—WHEREAS Shri G. Narsing, Helper B (E. C. No. 2638), EUOP, NFC has been remaining absent from duty unauthorisedly from 11-12-80;

AND WHEREAS a telegram was issued to him on 29-12-80 directing him to report for duty immediately;

AND WHEREAS the said Shri Narsing received the post copy of the telegram bearing No. NFC/PA.II/N-139/2636/EUOP 3383 dated 29-12-80 sent to his residential address was received by him but Shri Narsing did not report for duty;

AND WHEREAS another telegram was issued to him on 6-2-81 directing him to report for duty immediately but Shri Narsing failed to report for duty;

AND WHEREAS by his aforesaid action the said Shri Narsing committed an act of misconduct in terms of para 39(5) of NFC Standing Orders and rule 3(1) (ii) and 3(1) (iii) of CCS (Conduct) Rules, 1964;

AND WHEREAS the said Shri Narsing was informed of the charge and of the action proposed to be taken against him vide memorandum No. NFC/PA.V/2606/2636/929 dated 26-4-81;

AND WHEREAS the charge sheet No. NFC/PA.V/2606/2636/929 dated 26-4-81 sent to his residential address at H. No. 7-1-632/107 Bapunagar Sanjeeva Reddy Nagar, Hyderabad-500038 was returned undelivered by the postal authorities with the remark 'left';

AND WHEREAS the undersigned considered that an inquiry should be held to inquire into the charge framed against the said Shri Narsing and accordingly appointed an Inquiry Officer vide order No. NFC/PA.V/2606/2636/1271 dated 9-7-81;

AND WHEREAS the Inquiry Officer submitted his report dated 13-10-81 stating that an inquiry was held ex-parte as the said Shri Narsing failed to attend the inquiry despite notices issued to him to attend the inquiry;

AND WHEREAS the undersigned on the basis of the records of the case including the inquiry report dated 13-10-81 held the charge framed against the said Shri Narsing as proved and came to the provisional conclusion that the penalty of removal from service should be imposed on the said Shri Narsing;

AND WHEREAS the said Shri Narsing was informed of the provisional conclusion as aforesaid vide memorandum No. NFC/PA.V/2606/2636/176 dated 29-1-82;

AND WHEREAS the memorandum dated 29-1-82 sent by registered post A.D. to his above mentioned residential address was acknowledged by the said Shri Narsing;

AND WHEREAS the said Narsing did not submit any representation within the stipulated time;

AND WHEREAS the said Shri Narsing continued to remain absent from duty unauthorisedly (without sanction of leave) which amounted to voluntarily abandoning his service under NFC;

AND WHEREAS the undersigned on the basis of the records of the case including the inquiry report has come to the final conclusion that the said Shri Narsing is not a fit person to be retained in service and that the penalty of removal from service should be imposed on him;

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 43 of NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm.II dated 7-7-79 hereby removes the said Shri G. Narsing from service with immediate effect.

G. G. KULKARNI,
Manager, Personnel & Admn.

Shri G. Narsing
H. No. 7-1-632/107
Bapunagar
Sanjeeva Reddy Nagar
Hyderabad-500038

DEPARTMENT OF SPACE
ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560058, the 20th May 1982

No. 020/1(002)/82.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to accept the change of name of Shri N. Haridasan Chettiar, Engineer-SB of ISRO Satellite Centre, Bangalore to Shri N. Haridas, in all Office Records with effect from May 20, 1982 he having completed all the formalities connected therewith.

Any reference to all Government records referred to so far as N. Haridasan Chettiar shall be deemed to refer to Shri N. Haridas.

S. SUBRAMANYAM
Administrative Officer-II

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 28th May, 1982

No. A. 32013 (Met.)/6/81-E.I.—The President has been pleased to appoint the undermentioned officers of India Meteorological Department, to officiate as Meteorologist Grade I, in the same Department, with effect from the dates indicated against their names and until further orders :—

S. No.	Name	Date of assumption of charge as Meteorologist Grade I
1.	Shri B. L. Sharma	23-11-1981
2.	Shri Kul Yash Raj	10-12-1981
3.	Shri J. K. Khanna	28-11-1981
4.	Shri Om Parkash	9-11-1981
5.	Shri P. Prasad	9-11-1981
6.	Shri V. Mohan	28-11-1981
7.	Smt. Ajana Chaudhury	9-11-1981
8.	Dr. Jagadish Singh	9-11-1981
9.	Shri K. Subba Rao	24-12-1981
10.	Shri P. D. Saddy	9-11-1981
11.	Shri Abhijit Lahiri	9-11-1981
12.	Dr. H. V. Gupta	9-11-1981
13.	Shri V. R. Seshadri	9-11-1981
14.	Smt. N. Jayanthi	9-11-1981
15.	Shri T. C. Manchanda	9-11-1981
16.	Shri R. C. Saxena	30-11-1981
17.	Shri K. Sethumadhavan	9-11-1981
18.	Shri P. C. Sharma	9-11-1981
19.	Shri Suraj Prakash	9-11-1981
20.	Dr. T. Ramana Rao	10-11-1981
21.	Shri Kanti Prasad	9-11-1981
22.	Shri S. K. Banerjee	20-11-1981
23.	Shri P. N. Lidoo	21-11-1981

No. E(I)00791.—In partial modification of the Gazette notification No. A. 32013 (iii)/2/74-E.I./SFS dated 30-8-1977, Shri M. S. Rajagopalan and Shri S. K. Jain, Assistant Meteorologists of India Meteorological Department are granted proforma promotion to the post of Meteorologist Grade II in the same Department with effect from 12-5-1977 instead of 14-4-1977.

S. K. DAS
Addl. Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 25th May 1982

No. A. 32013/9/81-E.C.—The President is pleased to appoint the following Technical Officers in the Civil Aviation Department to the grade of Senior Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months w.e.f. the dates indicated against each and to post them to the stations indicated against each :—

S. No.	Name	Present Station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
S/Shri				
1.	P. Gupta	R.C.D.U., New Delhi	A.C.S., Gauhati	14-4-82 (F.N.)
2.	V. Govardanan	R.C.D.U., New Delhi	A.C.S., Silchar	1-5-82 (F.N.)

PREM CHAND
Assistant Director (Administration)

New Delhi, the 26th May 1982

No. A.32014/1/81-EW.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Vishram Singh, Senior Fire Foreman, (officiating as Assistant Fire Officer on ad-hoc basis) to the grade of Assistant Fire Officer in the scale of

pay of Rs. 650-1200 with effect from the 12th April, 1980 on a regular basis and until further orders.

2 Shri Vishram Singh is posted to Civil Aerodrome, Lucknow

E. L. TRESSICK
Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bombay-1, the 29th May 1982

No. St.-2/80-81 —In exercise of the powers conferred by Sub-rule (1) of Rule 232-A of Central Excise Rules, 1944, the names and addresses, and other particulars specified in sub-rule (2) of the persons who have been convicted by the court under Section 9 of the Central Excises and Salt Act, 1944 and persons on whom a penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed by an officer referred to in Section 33 of the Act are published as follows :—

I. COURT CASES

Statement for quarter ending 31st March 1982

S. No.	Name of the persons	Address	The provisions of the Act contravened	The amount of penalty imposed
1	2	3	4	5
NIL				

II. DEPARTMENTAL ADJUDICATIONS

S. No.	Name of the person	Address	Provisions of the Act or Rules made thereunder contravened	Amount of penalty imposed	Value of excisable goods adjudged by an officer under Section 33 to be confiscated.	Amount of fine in lieu of confiscation under Section 34 of the Act.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. Prabhat Dyeing & Printing Works	Sonawala Cross Road, Goregaon, Bombay-63.	Rule 173 F Rule 173G(1) R.W. Rule 9(1) Rule 173G(2), R.W. Rule 52-A Rule 173G(4) R.W. Rule 53 & 226	Rs. 40,000/-	NIL	NIL

K. S. DILIPSINHJI
Collector of Central Excise,
Bombay-1

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT
CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 27th May 1982

No. 9/82.—Shri G Doraiswamy lately posted as Assistant Collector of Central Excise Madras on Transfer to the South Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise vide Ministry of Finance Department of Revenue Order No. 77/82 (F. No. A.22012/13/82-Ad.II) dated 24-4-1982 took over charge of the post of Assistant Director from Shri H. A. Pandya with effect from 29-4-82 (F.N.).

S. B. SARKAR
Director of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 24th May 1982

No. A-19012/997/82-Estt. V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri G. L. Dudani Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the afternoon of 3rd April, 1982. On his previous posting No. 23-116GI/82

motion Shri Dudani is posted to the Central Electricity Authority, New Delhi.

The 27th May 1982

No. A-19012/1003/82-Estt.V —Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri R. S. Randhawa, Design Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the Scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 31st March, 1982.

The 28th May 1982

No. 19012/853/80-Estt.V —Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. C. Saraswat, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the Scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 initially for a period of six months or till the post is filled on regular basis, with effect from the forenoon of 17th September, 1980.

A. BHATTACHARYA
Under Secretary
Central Water Commission

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 30th April 1982

No. 1/348/69-ECIX.—Shri P.C. Sharma, Architect of this of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 30-4-82 (AN).

No. 1/348/69-ECIX.—Shri P. C. Sharma, Architect of this Department retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from 30-4-1982 (AN).

Mrs. NEENA GARG
Dy. Director of Administration

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 24th May 1982

CORRIGENDUM

No. 365.—The following amendment may be made in the notice issued by this office under section 269-D (1) and published on page 3441 of the Gazette of India for the week ending 17-6-78

Read "Shri Sanjiv Gupta S/o Sh. B. N. Gupta R/o House No. 74, Sector 5A, Chandigarh".

For "Shri Ranjiv Gupta S/o Sh. B. N. Gupta".

SUKHDEV CHAND
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA

Patna, the 19th May, 1982

Ref. No. III-549/Acq./82-83—Whereas, I, H. NARAIN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing part of Ranchi Municipality Holding No. 869 (New) portion of M. S. Plot No. 758B as marked as No. 758 B/C, Ward No. I situated at Morabadi Road, of village chadri, Ranchi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-9-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

1. (1) Shri Prabhat Kumar Biswas
(2) Sri Prasanta Kumar Biswas
(3) Sri Prabhas Kumar Biswas
(4) Sri Pradyot Kumar Biswas,
All sons of Late K. K. Biswas
(5) Smt. Saibalini Biswas
widow of Late K. K. Biswas all R/O Circuit House Road, P. S. Lalpur, Distt-Ranchi, Present, Address C. S. 17/4 Golf Green Urban Complex, Calcutta-700045.
(Transferor)
2. (1) Shri Govind Bhagat
(2) Shri Ram Narayan Bhagat,
both sons of Sri Karam Chand Bhagat, represented through their mother and natural guardian Smt. Malti Bhagat, R/O Karam Toli, P. S. Lalpur, Distt. Ranchi,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that part of the old residential building alongwith land measuring 5 Kathas situated on Morabadi Road of village Chadri, Ranchi morefully described in deed No. I-7521 dated 4-9-81 registered with the Sub-Registrar of Assurance, Calcutta

H. NARAIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Dated : 19-5-82
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA

Patna, the 19th May 1982,

Ref. No. III-550/Acq./82-83—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

part of Ranchi Municipality Holding No. 869(New), portion of Ranchi M. S. Plot No. 758B marked as No. 758 B/B, Ward No. 1, situated at Morabadi Road, of village Chadri, Ranchi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 4-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Shri Prabhat Kumar Biswas
(2) Sri Prasanta Kumar Biswas
(3) Sri Prabhash Kumar Biswas
(4) Sri Pradyot Kumar Biswas
All sons of Late K.K. Biswas (5) Smt. Saibalini Biswas widow of Late K. K. Biswas all R/O circuit House Road P. S. Lalpur Distt. Ranchi, Present Address C. S. 17/4 Golf Green Urban Complex, Calcutta-700045.
2. (1) Shri Krishna Bhagat
(2) Sri Jaydeo Bhagat, both minor sons of Sri Karam Chand Bhagat, Represented thorough their mother and natural guardian Smt. Malti Bhagat resident of Karam Toli, P. S. Lalpru Distt. Ranchi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that part of the old residential building alongwith land measuring 5 kathas situated on Morabadi Road of Village Chadri, Ranchi morefully described in deed No. I-7512; dt. 4-9-1981 registered with the Sub-Registrar of Assurance, Calcutta.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date 19-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR, PATNA

Patna, the 19th May 1982

Ret No III-548/Acq/82-83—Whereas, I H NARAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000 - and bearing No part of Ranchi Municipality Holding No 869 (New), portion of Ranchi M S Plot No 758B marked as No 758 B/A Ward No. 1 situated at Morabadi Road of village Chadri, Ranchi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 5-9-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely—

Htt Kumar Biswas

(2) Sri Prasanta Kumar Biswas

(3) Sri Prabhas Kumar Biswas and

(4) Sri Pradyot Kumar Biswas

All sons of Late K. K. Biswas

(5) Smt Saibalini Biswas

widow of Late K. K. Biswas all R/O Circuit House Road, P S Lalpur Distt Ranchi, Present Address C S 17/4 Golf Green Urban Complex, Calcutta-700045

(Transferor)

2 (1) Smt Malu Bhagat

W/o Sri Karam Chand Bhagat

(2) Sri Ravindra Nath Bhagat S/o Sri Karam Chand Bhagat R/o Karam Toli, P S Lalpur Distt Ranchi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

IHL SCHEDULE

All that part of the old residential building alongwith land measuring 5 Kathas situated on Morabadi Road of village Chadri, Ranchi morefully described in deed No I-7523 dated 5-9-81 registered with the Sub-Registrar of Assurance, Calcutta.

H NARAIN
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Dated 19-5-1982
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGL, PUNE-1

Pune, the 10th May, 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Miraj-1/Sept. 81/684/82-83 —Whereas, I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 236 situated at Mouje Kupwad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Miraj-1 on Sept., 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Anna Appa Bhilwade & Others 2,
At Kupwad,
Tal. Miraj,
Distt. Sangli.

(Transferor)

- (2) Shri Pratap Krishna Patil,
Chief Promotor of Niyojit Ashray Sahakari Griha Nirman Society
Vishrambag.
SANGLI.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 236 situated at Mouje Kupad, Tal. Miraj, Distt. Sangli.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2053 in the office of the Sub Registrar, Miraj-1, in the month of Sept. 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Poona

Date : 10-5-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 10th May, 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR Jalgaon/Nov 81/689/82-83—Whereas, I, R. K. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shet S. No. 240/1 situated at Mehrun, Tal & Distt (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at SR Jalgaon on Nov., 1981 for the apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

- (1) Shri Rahimuddin Sheruddin Peerjade,
Through Jafiuddin Rahimuddin Peerjade,
At Mehrun,
Tal. & Distt Jalgaon
(Transferor)
- (2) Shri Dilip Samratmal Ganhu,
Partner of Samrat Development Corporation Jalgaon,
56, Navi Peth,
JALGAON
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Shet S No. 240/1 situated at Mehrun Tal. & Distt. Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 4180 in the office of the Sub Registrar, Jalgaon, in the month of Nov. 1981)

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune-1

Date : 10-5-1982
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 30th April 1982

Ref. No. JAC/CA5/SR. Malegaon/Sept. 81/671/82-83—Whereas, I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C. S. No 733/B Plot No. 16 situated at Camp Road, Malegaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Malegaon on Sept. 81. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ramesh chandra G. Shah,
153, Somwar Peth,
Malegaon-423203,
Distt. Nasik

(Transferor)

- (2) Economic Transport Organisation,
Economic House,
1st Flank Road,
Chinch Bandar,
Bombay-400009

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing C. S. No. 733 B Plot No. 16 situated at Camp Road, Malegaon Distt. Nasik.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 4256 in the office of the Sub Registrar, Malegaon in the month of Sept. 81)

R. K. AGGARWAL
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona,

Date : 30-4-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 1st May, 1982

Ref No. IAC/CA5/SR. Kalyan/Sept. 81/679/82-83—Where-
as, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 6 (part) and S. No. 8 (part) C. S. No. 9814 to 9817
Tikka No. 42 situated at Gajbandhan Patharli Tal. Kalyan
Distt. Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
SR. Kalyan, on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

4—116 GI/82

(1) Shri Chandrakant Ramchandra Deo,
Swapn Manjusha,
Gopal Nagar,
Dombivili (East),
Distt. Thane.

(Transferor)

(2) Mrs. Mandakini Suresh Dange,
Laxmi Niwas,
Kalyan Road,
Dombivili (East),
Distt. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 6 (part) & S. No. 8 (part) C.
S. No. 9814 to 9817 Tikka No. 42 situated at Gajbandhan
Patharli Tal. Kalyan, Distt. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under
document No. 1466 in the Office of the Sub Registrar, Kalyan
in the month of Sept. 81)

R. K. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 1-5-1982.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE 1

Pune-1, the 1st May 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Jalgaon/Sept. 81/680/82-83—Whereas, I, R. K. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C. S. No. 1945/2 situated at City Jalgaon, Distt. Jalgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sr. Jalgaon on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Vishwanath Jethmal Saraswat,
117, Navi Peth,
Jalgaon,
Distt. Jalgaon.

(Transferor)

(2) Shri Ramchandra Dhondiram Kabare,
Shri Premraj Dhondiram Kabare,
109, Navi Peth,
Jalgaon,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing C. S. No. 1945/2 situated at City Jalgaon, Distt. Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3453 in the Office of the Sub Registrar, Jalgaon in the month of Sept., 81)

R. K. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 1-5-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-411009

Pune-411009, the 10th May, 1982

Ref. No. 1AC/CA5/Sr. Jalgaon/Sept. 81/687/82-83—Whereas I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shet S. No. 143/1C-2 situated at Jalgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Jalgaon on Sept., 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Yashvant Soma Choudhary,
Vithal Peth,
Jalgaon

(Transferor)

(2) Shri Dilip Samrathmal Gandhi,
Partner of Samrat Development Corporation Jalgaon,
56, Navi Peth,
Jalgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Shet S. No. 143/1C-2 situated at Jalgaon.
(Property as described in the sale deed registered under document No 3456 in the office of the Sub Registrar, Jalgaon in the month of Sept. 1981)

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poonan

Date : 10-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 10th May 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Jalgaon/Sept. 81/686/82-83—Whereas, I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shet S. No. 143/1C-1 situated at Jalgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at Sr Jalgaon on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shrikrishna Soma Choudhari,
Vithal Peth,
Jalgaon.

(Transferor)

(2) Shri Dilip Samrathmal Gandhi,
Partner of Samrat Development Corporation,
Jalgaon,
56, Navi Path,
Jalgaon.

Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Shet S. No. 143/1C-1 situated at Jalgaon. (Property as described in the sale deed registered under document No. 3455 in the office of the Sub Registrar, Jalgaon in the month of Sept. 1981.)

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date : 10-5-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RENG, PUNE

Pune-1, the 1st May, 1982

Ref. No. I.A.C./C.A.5/S.R. Nasik/Sept. 81/677/82-83.—
Whereas, I, R. K. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 440/2 situated at Takli Road, Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Nasik, on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Umaji Mahadu Bankar,
Near Nasardi Bridge,
Bankar Mala,
Nasik Pune Road,
Nasik-422001.

(Transferor)

- (2) The Chief Promotor,
Ujwal Co-op. Housing Society (Noyojit
C/o Zila Marketing Office
431/4, Vishwa Apartment,
3rd Floor, Ashok Stambh,
Nasik-422002

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 440/2 situated at Takli Road, Nasik (Property as described in the sale deed registered under document No. 4014 in the Office of the Sub Registrar, Nasik in the month of Sept., 1981).

R. K. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 1-5-1982
Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 1st May, 1982

Ref. No. I.A.C./C.A.5/Sr. Jalgaon/Oct. 81/676/82-83,—
Whereas, I, R. K. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C. S. No. 1973 A & B Plot No. 12 situated at City Jalgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Jalgaon on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vijay Gambhirmal Jain,
98, Bhavani Peth,
Jalgaon.

(Transferor)

- (2) M/s. Motimahal Apartments Jalgaon,
Partner Shri Mahendrakumar Devichand Jain,
Bhavani Peth,
Jalgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing C. S. No. 1973 A+B Plot No. 12 situated at City Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1828 in the Office of the Sub Registrar, Jalgaon in the month of October, 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 1-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-1, the 28th April, 1982

Ref. No. I. A. C./C. A.S./S. R. Kalyan/Jan, 8/670/82-83.—
Whereas, I, R. K. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 10, S. No. 57 His a No. 28+4K situated at Villag Gajbandhan, Sr. Kalyan, District Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Kalyan on Jan. 29, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Madhukar Balwant Choudhary & Other,
5, Aryadeep,
Kopar Road,
Dombivali (West),
District Thane.

(Transferor)

(2) Shri R. B. Malgi,
Secretary of Aryodaya Co-Operative Housing Society,
Manpada Road,
DOMBIVLI (East),
District Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 10, S. No. 57 Hissa No. 28+4 K situated at Gajbandhan Patharli, Tal. Kalyan, District Thane (Property as described in the sale deed registered under document No. 9 in the Office of the Sub Registrar, Kalyan in the month of Jan, 1982).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 28-4-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 1st May, 1982

Ref. No. I. A. C./C. A. S./S.R. Karad/Sept 81/675/82-83. -
Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Old R. S. No. 75/1A/2, New R. S. No. 79/1A/2 situated at Kasbe Karad, Tal. Karad, District Satara,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Karad, on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dattatray Mahadeo Subade,
66, Somwar,
Karad,
District Satara

(Transferor)

- (2) Shri Rajaram Shridhar Kotnis,
Shivajinagar Housing Society No 62,
Karad,
Distt. Satara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Old R. S. No. 75/1A/2 new R. S. No. 79/1A/2 situated at Kasbe Karad, Tal. Karad District Satara
(Property as described in the sale deed registered under document No 3274 in the office of the Sub Registrar, Karad in the month of Sept., 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 1-5-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****OFF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, PUNE-1**

Pune-1, the 30th April, 1982

Ref. No. I.A.C./C. A. 5/S. R. Jalgaon/Sept. 81/673/32-82.—
Whereas, I R. K. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shet S. No. 270, situated at Mehrun, Tal. & Distt., Jalgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sr. Jalgaon on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25—116G1/82

(1) Shri Mijawaddin Gayasuddin Pirjade,
At. Mehrun,
Tal. & Distt. Jalgaon.

(Transferor)

(2) Shri Anirudha Vishwanath Patil,
Partner of M/s. Sonal Traders,
172, Navi Peth,
Jalgaon

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Shet S. No. 270 situated at Mehrun, Tal. & Distt. Jalgaon

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3417, in the Office of the Sub Registrar, Jalgaon in the month of Sept., 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 30-4-1982
Sd/-

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE-1

Pune-1, the 1st May 1982

Re: No. I. A. C./C. A. 5/S. R. Dhule/Sept. 81/681/82 83.—
Whereas, I R. K. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, C. S. No. 1381/2 situated at Dhule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Dhule on Sept 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Anant Shridhar Phadnis & Others 5,
Subhash Nagar
Dhule

(Transferor)

(2) 1. Shri Hotchand Chimanlal Rizwani,
2. Sou. Kamalabai Chimanlal Rizwani
3. Sou. Nirmalabai Hotchand Rizwani
2864, Agra Road
Dhule.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undermentioned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing G. No. 5, C. S. No. 1381/2 situated at Dhule.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 864 in the office of the Sub Registrar, Dhule in the month of Sept., 1981)..

R. K. AGGARWAL,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Poona.

Date : 1-5-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-I

Pune-I, the 1st May 1982

Ref. No. I.A.C./C. A. 5/S.R. Dhule/Nov. 81/682/82-83.--
Whereas, I R. K. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5 C. S. No. 1381/2 situated at Dhule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Dhule on Nov., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hotchand Chimanlal Rizwani & Others 2.
C. S. No. 2864, G. No. 3,
Dhule

(Transferor)

- (2) Dr. Balwant Sitaram Panat,
C. S. No. 1382, G. No. 5,
Dhule.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing G. No. 5, C. S. No. 1381/2 situated at Dhule.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3707 in the office of the Sub Registrar, Dhule in the month of Nov. 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Poona.

Date : 1-5-1982
Seal:

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 30th April, 1982

Ref. No. I.A.C./C.A. 5/S.R.. Malegaon/Sept. 81/672/82-83.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 228/2/3/2 situated at Sangameshwar, Tal. Malegaon, Distt. Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at S. R. Malegaon, on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prabhakar Manohar Hinge,
N. D. C. Colony,
Banglow No. 6,
Soygaon,
Tal. Malegaon,
Distt. Nasik.

(Transferor)

- (2) Shri Ramprakash Shivchandrai Agarwal & Others 4,
336, Kalbadevi,
2nd Floor,
Bombay-40002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 228/2/3/2 situated at Sangameshwar Tal. Malegaon District Nasik.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3502 registered in the Office of the Sub Registrar Malegaon in the month of Sept., 1981)

R. K. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 30-4-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 30th April 1982

Ref. No. I.A.C./C. A. 5/S.R. Thane/Sept. 81/674/82-83.
Whereas, I R. K. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

146 Hissa No. 8 (Part) situated at Patlipada, Kolshet Grampanchayat, Tal. & Distt. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

S. R. Thane on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(1) Shri Nariman Hormusha Dotiwala,
Ness Baug C3, Nana Chowk,
Bombay-400007.

(Transferor)

(2) Shri Achyut Ramchandra Kulkarni,
Shri Uday Achyut Kulkarni
Kulkarni Bungalow,
Ghantali Road,
Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 146 Hissa No. 8 (part), situated at Village Patlipada, Kolshet Grampanchayat, Tal. & Distt. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 841 in the Office of the Sub Registrar, Thane in the month of Sept. 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 30-4-1982

Seal :

FORM IT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 15th May 1982

Ref. No. A. C.-6/R-II/Cal./82-83.-- Whereas, I K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

219, situated at Dum-Dum Road, Calcutta-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 30-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nando Gopal Paul,
21/A, Rakhal Mukherjee Road,
Calcutta-25,

(Transferor)

- (2) Shri Nani Gopal Dutta & Ors.
Partners of M/s. Priyadarshini of 157,
Jodhpur Park,
Calcutta,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of No. 219 Dum-Dum Road, Calcutta-28, More particularly described in deed No. 8528 of R. A. Calcutta, dated 30-9-1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 15-5-1982

Seal :

FORM I.T.N.S. _____

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 15th May, 1982

Ref. A. C. 4/R-II/Cal/82-83.- Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

219, situated at Dum-Dum Road, Calcutta-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 30-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Mihir Kumar Paul,
21/A, Rakhal Mukherjee Road,
Calcutta-25

(Transferor)

(2) Shri Nani Gopal Dutta & Ors.,
Partners of
M/s. Priyadarshini of
157, Jodhpur Park,
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of No. 29, Dum-Dum Road, Calcutta-28, more particularly described in deed No. 8526 of R. A. Calcutta, dated 30-9-1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 15-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 15th May 1982

Ref. No. A. C.-5/R.-II/Calcutta/82-83.—Whereas, I K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 219, situated at Dum-Dum Road, Calcutta-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta, on 30-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sushil Ch. Paul,
21/A, Rakhal Mukherjee Road,
Calcutta-25.

(Transferor)

(2) Shri Nani Gopal Dutta & Others,
Partners of M/s. Priyadarshini of
157, Jodhpur Park,
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of 219 Dum-Dum Road, Calcutta-28. More particularly described in the deed No. 8527 of R. A. Calcutta dated 30-9-1981.

K. SINHA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 15-5-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Basudev Paul,
21/A Rakhal Mukherjee Road,
Calcutta- 25.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nani Gopal Datta & Ors.,
Partners of
M/s. Priyadarshini of 157,
Jodhpur Park,
Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV : CALCUTTA

Calcutta, the 15th May 1982

Ref. No. A.C.- 7/R-II/Cal./82-83.—Whereas, I K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 219, situated at Dum-Dum Road, Calcutta-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta, on 30-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/5th share of No. 219 Dum Dum Road, Calcutta-28. More particularly described in deed No. 8329 dated 30-9-1981.

K. SINHA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—116 GI/82

Date : 15-5-1982

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 15th May 1982

Ref. A. C.-8/R-II /Calcutta/82-83. Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 219, situated at Dum-Dum Road, Calcutta-28, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 30-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other, assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Sunil Ch. Paul,
21/A, Rakhal Mukherjee Road,
Calcutta-25.

(Transferor)

(2) Shri Nani Gopal Dutta & Ors.
Partners of
M/s Priyadarshini of
157, Jodhpur Park,
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of No. 219 Dum-Dum Road, Calcutta-28. More particularly described in deed No. 8530 of R. A. Cal dated 30-9-1981.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date : 15-5-1982

Seal -

FORM ITNS—

(1) Panchanan Das

(Transferor)

(2) Metropolitan Development

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th May 1982

Ref. No. I. R.-175/81-82/SI. 616./I.A.C. Acq. R-I/Cal.—
Whereas, I M Ahmad

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 55, situated at Malanga Lane, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R A Calcutta on 4-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) .

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette** or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As per Deed No. 7508 dated 4-9-1981 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta—Property at 55, Malanga Lane, Calcutta.

M. AHMAD

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 12-5 1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th May 1982

Ref. No. F. R. 191/81-82/Sl. 617.IAC ACQ R-I Cal.—

Whereas, I M. Ahmad

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1 situated at Netai Babu Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R. A., Calcutta on 2-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|--|---|
| (1) M/s. Pigments and Allied Products | (Transferor) |
| (2) Chandradip Saha & Lakshmi Prosad Saha. | (Transferee) |
| (3) Vendee. | (Persons in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 1, Netai Babu Lane, Calcutta with land measuring 2 cottahs 14 chittacks 41 sq. ft. registered on 2-9-1981 before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Daed No. 8051.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date: 12-5-1982
Seal:

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Debaprosad Maitra

(Transferor)

(2) Smt. Kalyani Nath

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th May, 1982

Ref. No. 1092/Acq. R. III/82-83.—Whereas, I M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3 situated at Gobinda Bose Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 2-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share of land measuring 1 cottah 3 chittacks 12 sq. ft. with building being premises No. 3, Gobinda Bose Lane, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Calcutta,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta—700016

Date 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sovana Lahiri

(Transferor)

(2) Smt. Kalyani Nath

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th May, 1982

Ref. No. 1093/Acq. R.-III/82-83.—Whereas, I M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing

No. 3 situated at Gobinda Bose Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 2-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share of land measuring 1 cottah 3 chittacks 12 sq. ft. with building being premises No. 3, Gobinda Bose Lane, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta—700016

Date : 14-5-1982
Seal:

FORM ITNS—

(1) Sm. Shanti Mayee Maitra

(Transferor)

(2) Smt. Kalyani Nath

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 14th May 1982

Ref. No. 1094/Acq. R.-III/82-83.—Whereas, I M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3 situated at Gobinda Bose Lane, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 2-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share of land measuring 1 cottah 3 chittacks 12 sq. ft. with building being premises No. 3, Gobinda Bose Lane, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(1) Shri Ratan Prosad Maitra

(Transferor)

(2) Smt. Kalyani Nath

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th May 1982

Ref. No. 1095/Acq. R-III/8283.—Whereas, I M. AHMAD being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3, situated at Gobinda Bose Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 2-9-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share of land measuring 1 cottah 3 chittacks 12 sq. ft. with building being premises No 3, Gobinda Bose Lane, Calcutta.

M AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Jayanta Prosad Mahtta

(Transferor)

(2) Smt. Kalyani Nath

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th May 1982

Ref No 1096/ACQ R-III/82-83/Cal —Whereas, I M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

No 3 situated at Gobindt Bose Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Calcutta on 2-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share of land measuring 1 cottah, 3 chittacks, 12 sq. ft. with building being premises No 3, Gobinda Bose Lane, Calcutta

M AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

27—116 GI/82

Date 14-5-1982
Seal :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

FORM ITNS—

(1) Shri Jyotirindra Nath Maitra

(Transferor)

(2) Smt. Kalyani Nath

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th May 1982

Ret. No. 1097/Acq. R.-III/82-83/Cal.—Whereas, I M. AHMAD being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3, situated at Gobinda Bose Lane, Calcutta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 2-9-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share of land measuring 1 cottah 3 chittacks, 12 sq. ft. with building being premises No. 3, Gobinda Bose Lane, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date 14-5-1982
Seal :

FORM LT.N.S.—

(1) Smt. Nirmala Saha

(Transferor)

(2) Smt. Sukrity Dev

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th May, 1982

Ref. No. 1090/Acq. R.-III/82-83/Cal.—Whereas, I M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 7, situated at Allenby Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at at Calcutta on 23-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that undivided half share of 3 cottahs 3 chittacks 35 sq. ft. with building being premises No. 7, Allenby Road, Calcutta-20.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1982

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th May 1982

Ref. 1091/Acq. R.-III/82-83/Cal.—Whereas, I M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7 situated at Allenby Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in teh office of Registering Officer at Calcutta on 23-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1) Smt. Tinnala Saha

(Transferor)

(2) Smt. Tripti Dutta

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided half share of 3 cottahs, 4 chittacks, 35 sq. ft. with building being premises No. 7, Allenby Road, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 15-5-1982

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Sushila Bala Das

(Transferor)

(2) M. D. Salim

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th May 1982

Ref. No. 1087/Acq. R.-III/82-83/Cal.—Whereas, I M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2C situated at Tiljala Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that undivided 1/2th share of land measuring 5K-12 ch. with building being premises No. 2C, Tiljala Lane, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 15-5-1982
Seal

FORM ITNS—

(1) Mrs. Sashia Bala Das

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. D. Aslam & Ors

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 15th May 1982

Ref. No. 1088/Acq R -III/82-83.--Whereas, J M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2C situated Tilajala Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All the undivided 1/4th share of land measuring 5K--12 ch. with building being premises No. 2C, Tilajala Lane, Calcutta-19.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date : 15-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Mrs. Sushila Bala Das

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abdul Ghafoor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 5th May 1982

Rel. No. 1089/Acq. R. III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2C situated at Tiljala Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share of land measuring 5 K—12ch with building being premises No. 2C, Tiljala Lane, Calcutta

M. AHMAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 15-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sushanta Kumar Paul

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chunilal Phumbhra

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th May, 1982

Ref. No. 1084/Acq. R.-III/82-83/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4, situated at Dover Park, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such consideration therefor by more than consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/3rd share of land measuring 19 cottah 5 chittacks 39 sq. ft. with building being premises No. 4, Dover Park, Calcutta.

M. AHMAD

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 15-5-1982

Seal :

FORM LT.N.S.—

(1) Sushanta Kumar Paul

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Makhanlal Phumbhra

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th May, 1982

Ref No. 1085/Acq R.-III/82-83/Cal ---Whereas, I M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

4 situated at Dover Park, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta on 28-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—116 GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/3rd share of land measuring 19 cottahs 5 chittacks 39 sq. ft. with building being premises No. 4, Doure Park, Calcutta.

M. AHMAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 15-5-1982

Seal

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA**

Calcutta, the 15th May, 1982

Ref. No. 1086/Acq. R.-III/82-83/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4, situated at Dover Park, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

(1) Shri Sushanta Kumar Paul

(Transferor)

(2) Shri Brijlal Phumbhra

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/3rd share of land measuring 19 cottahs 5 chitracks 39 sq. ft. with building being premises No. 4, Dover Park, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-III, Calcu

Date : 15-5-82
Seal :

FORM IINS—

(1) Biswarup Bose

(Transferor)

(2) Smt. Santi Rani Mitra

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th May, 1982

Ref. No. 1083/Acq. R.-III/82-83/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 49/13B situated at Hindustan Park, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta on 21-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring cottah 8 chittacks 2 sq. ft. with building situated at and being premises No. 49/13B, Hindustan Park, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

M. AHMAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 15-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bimal Kumar Ghosh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kanai Lal Chatterjee & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th May, 1982

Ref. No. 1082/Acq. R.-III/82-83/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 43 situated at Jhil Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipur on 16-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3K-9Ch. with kancha structure being premises at 43 Jhil Road, Calcutta.

M. AHMMD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM I'INS

(1) Shri Debendra Ch. Roy & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Ruby Skinex Traders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th May, 1982

Ref. No 1081/Acq R.-III/82-83/Cal.—Whereas, I M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 45/1A situated at Shyamsul Huda Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 16-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring an area of 2 cottahs 5 chittacks with building being premises No. 45/1A, Shyamsul Huda Road, Calcutta

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Ashalata Ghogy

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Debabrata Sarkar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th May, 1982

Ref. No 1080/Acq R.-III/82-83/Cal —Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 144 (Ground floor flat) situated at Chari Chandra Place East, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Alipore on 30-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A flat (ground floor) situated at 144, Chari Chandra Place East, Calcutta

M. AHMAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 569D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982
Seal

FORM NO. IT.N.S.—

(1) Md. Yakub & Ors

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chittaranjan Routh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th May, 1982

Ref. No. 1079/Acq. R -III/82-83/Cal.—Whereas, I
AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1, situated at Colonel Biswas Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 4-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2 cottahs with building situated at and being premises No. 1, Colonel Biswas Road, Calcutta

M AHMAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 12-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 6th May, 1982

Ref. No. 1078/Acq. R.-III/82-83/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 46/3A situated at Ballygunge Place, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Amiya Kumar Chakraborty
(Transferor)
- (2) Shri Mahesh Kumar Saraf
Smt. Bimala Devi Saraf
Smt. Sushila Devi Saraf
Smt. Premlata Saraf
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring an area of 1 cottah, 14 chittacks being premises No. 46/3A, Ballygunge Place, Calcutta

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III Calcutta.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

CALCUTTA, the 13th May 1982

Ref. No. T.R.-170/81-82/Sl. 623/IAC./Acq. R.-I/Cal.—
Whereas, I M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16, situated at Shakespear Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at R. A, Calcutta on 9-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

29—116GI/81

- | | |
|---------------------------|-------------------------------------|
| (1) Dipak Chandra Lahiri | (Transferor) |
| (2) Subir Karanjai & Ors. | (Transferee) |
| (3) Bhabesh Bhaduri | (Persons in occupation of property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One storeyed building with land area 476.66 sq. mtr. being divided and demarcated portion of 16, Shakespeare Sarani, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 7682 on 9-9-1981.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I - Calcutta

Date : 13-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th May 1982

Ref. No. T.R.-171/81-82/Sl. 622/I.A.C./Acq. R-I/Cal.—
Whereas, I, M. AHMADbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 5/2, situated at Seal Lane, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto).
has been transferredunder the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office
of the Registering Officer at

R. A., Calcutta on 8-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 26D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Shri Sadhangsu Sekhar Chowdhury
(Transferor)
(2) Shri Kalipada Ghosh & Ors.
(Transferee)
(3) Shri Bimal Das and other eighteen tenants.
(Persons in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed tile shed at premises No. 5/2, Seal Lane,
Calcutta on land measuring one bigha three cottahs one chittack
forteen sq. ft. registered before the Registrar of Assurances,
Calcutta vide Deed No. 7655 dated 8-9-1981.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th May 1982

Ref No T.R-157/81-82/SI 621/I A C/Acq R-I/Cal —
Whereas, I, M AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21H situated at Atul Sur Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R A, Calcutta on 30-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Gangaram Das & Ors.
(Transferor)
(2) Smt. Gita Devi Bajpai
W/o Shri Prosad Bajpai
(Transferee)
(3) Vendor
(Persons in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 3 K, 5 Ch 24 Sft., situated at premises No 21H, Atul Sur Road, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No 1184, dated 30-9-81.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA**

Calcutta, the 14th May 1982

Ref. No. T. R.-283/81-82/Sl. 620/I.A.C./Acq. R.-I/Cal. —
Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. 5/1A, 5/2A, 5/3A, 5/4A, 5/5A situated at Hospital Street, Calcutta

Delhi (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 5-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Dipika Seal.

(Transferor)

(2) Shri Pannalal Shaw

(Transferee)

(3) Tenants.

(Persons in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share of partly two storeyed and partly three storied brick built building on a land measuring 6 cottahs 13 chittacks situated at premises No. 5/1A, 5/2A, 5/3A, 5/4A, & 5/5A, Hospital Street, Calcutta registered vide Deed No. 7530 dated 5-9-1981.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sourindra Nath Datta

(Transferor)

(2) Malabika Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th May 1982

Ref. No. 1099/Acq. R.-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14, situated at Selimpore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 4-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 88 cottahs more or less with structure being premises No. 14, Selimpore Road, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 15-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 17th May 1982

Ref. No. T.R.-220/81-82/Sl. 625/I.A.C./Acq. R.-I/Cal.—
Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 8, situated at Golap Sastri Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Calcutta on 30-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kamal Kumar Auddy & Ors. (Transferor)
(2) Shri Tarak Dutta Misra. (Transferee)
(3) The purchaser. (Persons in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storeyed building together with land area of 3 cottahs 4 chittacks situated at premises No. 8, Golap Sastri Lane, Calcutta registered before the Sub-Registrar of Assurances Calcutta vide Deed No. I-8608, dated 30-9-1981.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date 17-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 13th May 1982

Ref. No. T.R.-169/81-82/Sl. 624/I.A.C./Acq. R-I/Cal. —
Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16, situated at Shakespeare Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

R. A., Calcutta on 9-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|--------------------------------|---|
| (1) Shri Alok Chandra Lahiri | (Transferor) |
| (2) Shri Subir Karanjai & ors. | (Transferee) |
| (3) Bhabosh Bhaduri | (Persons in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One storeyed building at premises No. 16, Shakespeare Sarani, Calcutta on land measuring 476.81 sq. met. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 7683 on 9-9-1981.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date : 13-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th May 1982

Ref. No. T. R.-282/81-82/Sl. 619/I.A.C./Acq. R.-I/Cal.—
Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5/1A, 5/2A, 5/3A, 5/4A, 5/5A situated at Hospital Street Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Dipika Seal

(Transferor)

(2) Smt. Kewla Devi & Ors.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share of partly two storeyed and partly three storeyed brick built building on a land measuring 6 cottahs 13 chittacks situated at premises No. 5/1A, 5/2A, 5/3A, 5/4A & 5/5A Hospital Street, Calcutta registered vide Deed No. 7531 dated 5-9-1981.

M. AHMAD

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 14-5-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Dhananjoy Roy

(Transferor)

(2) Smt. Manju Mitra

(Transferee)

(3) Tenants

(Persons in Occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th May, 1982

Ref. No. T. R.-196/81-82/Sl. 618/I.A.C./Acq. R.-I/Cal.--
Whereas, I, M. AHMAD

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 124B Situated at Lenin Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 21-9-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

30—116GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly three and partly four storeyed brick build building together with land measuring 4 chittaks 3 chittacks 6 sq. ft. at premises No. 124B, Lenin Sarani, Calcutta, registered vide deed No. 8044, dt. 21/9/81 in the office of Registrar of Assurance, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 12-5-1982
Seal :

FORM ITNS.— — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 4th December 1981

No. 382/81-82—Whereas, I, SMT AM. NJU MADAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

No RS. No. 203 plot No 20 situated at Hindawadi, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum under document number 1069 on 3-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sushila Dhundiraj Dombale.
R/o No. 95, Road No. 3, Bharatinagar,
Shahapur-Belgaum.

(Transferor)

(2) 1. Shri Phiroze Darabshaw Mehta.
2. Smt. Dhun Phiroze Mehta .
R/o. 203/2/IB, Plot No. 20,
Hindawadi, Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1069 Dated 3-9-1981]
Land and building bearing RS. No. 203, Plot No. 20 situated at Hindawadi, Belgaum.

SMT. MANJU MADHAUAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore)

Date : 4-12-1981

Seal .

FORM ITNS

(1) Shri G.A. Shivaswamy,
S/o Sri G.N. Ankaleshaiah,
5th Cross, Siddaganga Extension,
Tumkur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

(2) Sri H. M. Gangadharaiah,
Secretary,
Siddhartha Education Society
Gollahally, Tumkur

(Transferee)

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 21st May 1982

No. 62/32772/81-82/Acq Dt: 21-5-82—Whereas, I MANJU
MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value
exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. M 2758 & 2759 situated at Gandhinagar, Tumkur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Tumkur Document No. 1715 on 7-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1715 Dated 7-9-1981)
M. N. New 2758 and 2759, Gandhinagar, Tumkur.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date 21-5-1982

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th May 1982

No. C-33/Acq. —Whereas I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. B-4 out of plot No. 12 situated at I.T. College Crossing, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 12-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pragatisheel Sahkari Grih Nirman Samiti Limited, C-207, Nirala Nagar, Lucknow.
(Transferor)
- (2) Smt. Chandra Lekha
(Transferee)
- (3) Smt. Chandra Lekha
Person in occupation of the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Layout plot No. B-4 out of plot No. 12, Khasra No. 992, I.T. College Crossing Lucknow measuring 5148 sq. ft. and all that description of the property which is mentioned in form 37-G No. 6340 and the Sale-deed which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow on 12-9-1981.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 20-5-1982
Seal :

Shri/Smt./Km. M/s. Pragatisheel S. L. Ch. N. n. S. m. t.
Limited, C-207, Nivala Nagar Lucknow.
lalalandha, the 12th May 1982

(2) Shri Jai Narain (Transferor)
(Transferee)

(4) Person whose the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of Land No. ...out of plot No.12, Khasia No. 992 situated at I.T. College Crossing, Lucknow measuring 3680 sq. ft. and all that description of the property which is mentioned in form 37-G No. 6334 and Sale-deed which have duly been registered in the Office of the Sub-Registrar Lucknow on 18-9-1981.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 20-5-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th May 1982

No. C-34/Acq.—Whereas, I A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B out of plot No. 12 situated at I.T. College Crossing, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow, on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **and/or**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s. Pragatishree Sahkari Grah Nirman Samiti Limited, C-207, Nirala Nagar Lucknow.

(Transferor)

(2) Smt. Chandra Prabha Bhatti

(Transferee)

(3) Above Transferee.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of Land No. B out of Plot No. 12, Ahasra No. 992 Situated at I.T. College Crossing, Lucknow measuring 3530 sq. ft and all that description of the property which is mentioned in form 37-G, No. 6342 and Sale-deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar Lucknow in September 1981

(A. PRASAD)

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 20-5-1982
Seal :

FORM ITNS. — — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th May, 1982

No.A 108/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No B/5, I.T. College Crossing situated at Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 18-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Pragatisheel Sarkari Grih Niman Samiti Ltd
N-207, Cirala Nagar,
Lucknow.

(Transferor)

- (2) Smt. Annapurna Devi

(Transferee)

- (3) Smt. Annapurna Devi

(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Layout plot No. B/5 measuring 5121 sq. ft. out of plot no. 12, khasra No. 992, I.T. College Crossing, Lucknow and all that description of the property which mentioned in form 37-G No. 6336 and Sale-deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow on 18-9-1981

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 20.5.1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th May, 1982

No. M-134/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-58/30, D-58/30a, 30-B and 30-C situated at Sigra, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Varanasi on 12-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

- (1) Shri Iswar Ganendraswar Shiva Thakur
(Deity installed in premises No. B-8/44-44 A Sonarpura, Varanasi, through its Shewaitis and Trustees:—

1. Shri Amalendu Sekhar Naskar
2. Shri Ardhendu Sekhar Naskar
3. Shri Nabendu Sekhar Naskar
4. Shri Purendu Sekhar Naskar
5. Shri Bimalendu Sekhar Naskar

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Mann Agarwal
2. Sri Mukund Rai Kataria
3. Sri Bal Govind Agarwal

(Transferee)

- (3) Above transferees.
(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that land with building bearing premises No. D-58/30 D-58/30 A, D-58/30-B and D-58/30-C measuring 23462 sq. ft. equivalent to 2,181.95 sq. mts. situated at SIGRA, Varanasi and all that description of the property which is mentioned in the Sale Deed which has duly been registered in the Office of the Sub-Registrar, Varanasi on 12-9-1981.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 20-5-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th May 1982

G.I.R. No. J-56/Acq.—Whereas I A. PRASAD being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-13 out of plot No. 12 situated at I.T. College Crossing, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi at Lucknow on 29-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

31—116GI/82

- (1) M/s Pragatisheel Shakari Grh Nirman Samiti Ltd, C-207, Nirala Nagar Lucknow.

(Transferor)

- (2) Smt. Jai Shree Pandey

(Transferee)

- (3) Above Transferee

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of Land No. A-13, out of plot No. 12, khasra No. 992 situate at I.T. College Crossing, Lucknow measuring 2030, sq. ft. and all that description of the property which is mentioned in form 37-G No. 6566 and Sale Deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar Lucknow on 29-9-1981.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 20-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Pragatisheel Shakari Girh Nirman Samiti Ltd,
C-207, Nirala Nagar, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Santosh Dixit.

(Transferee)

(3) Smt. Santosh Dixit

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th May 1982

No. S-230/Acq.—Whereas, I A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No B/3 out of plot No. 12 situate at I.T. College Crossing, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

Lucknow on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Layout plot No. B/3 out of plot No. 12, khasra No. 992, Situate at I.T. College Crossing Lucknow measuring 2006 sq. ft. and all that description of the property which is mentioned in form 37 G No 6338 and Sale Deed which have duly been Registered in the office of the Sub-Registrar Lucknow in Sept 1981.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 20-5-1982

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Nirmala Devi

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Karuna Tiwari
2. Prabhakar Tripathi
3. Sudhakar Tripathi
4. Vivek Tewari

(Transferee)

- (3) Above transferee.

Person in occupation of the property.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 25th May 1982

No. K-108/Acq.—Whereas, I A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-1/1, Kursi Road, Mahanagar situate at Extension Housing Scheme, Kursi Road, Lucknow,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 19-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease-hold rights in plot No. B-1/1, measuring 7,000 sq. ft. situated at Kursi Road, Mahanagar Extension Housing Scheme Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and form 37-G No 5973 which have already been registered in the office of the Sub-Registra Lucknow on 19-9-1981.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 25-5-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th May 1982

No. N-47/Acq.—Whereas I A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 253/1, Vill. Tulsipur situated at Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 26-10-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Lal Bahadur Misra
2. Lallan
3. Man Bahal Singh
4. Rama Dhar Singh

(Transferor)

- (2) M/s. Navodit Sahkari Avas Samiti Limited
Varanasi,
through its Secretary—
Shri Bhunesh War Prasad,
Regd. Office CK-65/190
Bari Peari, Varanasi.

(Transferee)

- (3) Above Transferee.
(Person in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire plot admeasuring 63881 sq. ft. out of plot no. 253/1 situated at Village, Tulsipur, Pargana Dehat Amanat, Distt Varanasi and all that description of the property which is mentioned in the Sale Deed and form 37-G No. 42/1981 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar Varanasi on 26-10-82

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 20-5-1982

Seal :

FORM IT.N.S.—

(1) Smt. Chandra Lekh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pragatisheel Sahkari Grih Nirman Samiti Limited,
C-207, Nirala Nagar,
Lucknow.

(Transferee)

(3) Above Transferee.

Person in occupation of the property

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOWObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to undersigned—

Lucknow, the 20th May 1982

No. P-92/Acq.—Whereas I. A. PRASAD

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

No B-4 out of plot No. 12 situate at I.T. College Crossing, Lucknow

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 14-10-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

An open plot of Land No. B-4 out of plot No. 12, Khasra No. 992, situate at I.T. College Crossing, Lucknow measuring 5148, sq. ft. and all that description of the property which is mentioned in form 37-G No. 6894 and Sale-deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow on 14-10-1981.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely :—

Date : 20-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 26th April 1982

Ref. No. P.R. No. 1879 Acq. 23-I/82-83 --Whereas, I
R.R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 997 paiki land situated at Village Vajepur, Tal. Morvi, Dist. Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Morvi on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dabhi Mohan Lana;
Behind Narsang Tekri,
Vajepur, Vadi,
Tal. Morvi, Dist. Rajkot.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Jayantilal Haribhai Patel;
At Village Motimarad, Tal. Morvi,
(2) Shri Nathalal Gokaldas Patel etc.
at Village Motimarad Tal. Dhoraji at present Morvi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 6 Vighas situated at S. No. 997 at village Vajepuri: Tal. Morvi, duly registered by Sub-Registrar, vide sale-deed No. 4258 registered in Sept., 1981.

R.R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 26-4-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 26th April 1982

Ref. No. P.R. No. 1880 Acq. 23-1/82-83 —Whereas, I
R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 402, Plot No. 16 patki Umakant Pandit Udhyog-nagar, Gondal Rd., Mandvi Plot, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 1-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Vinlaben Dhanjibhai through P.A. Holder; Shri Tribhovandas Ishwarbhai Amin, Kalawad Road, Rajkot (Transferor)
- (2) Smt. Jayaben Mohanlal etc., Behind Galaxy Cinema; Swastik Society, Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 600 sq. yds. situated at Umakant Pandit Udhyog-nagar, Rajkot, duly registered by Sub-Registrar, Rajkot vide sale-deed No. 6480 dated 10-9-1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date : 26-4-1982

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD**

Ahmedabad, the 19th April 1982

Ref. No. P.R. No. 1590 Acq. 23-II/82-83—Whereas, I R.R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nondh No. 264, Wd. No. 2, Malesar Maholle, situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sheth Faramroz Kersasji Golwala;
Roshanben Nariman;
Faraben Faridun Kelawala;
Rustom Bag, Bayculla,
Bombay.

(Transferor (s))

- (2) 1. Parbhuram Shival;
2. Chandanben Parbhuram;
3. Shirishkumar Parbhuram;
4. Vinodkumar Parbhuram;
Ambawadi, Kalipool, Surat.

(Transferee (s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Malesar Maholle, Wd. No. 264, Wd. No. 2, Surat registered in Sept., 1981.

R.R. SHAH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 18-5-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 19th April 1982

Ref. No. P.R. No. 1591 Acq. 23-II/82-83—Whereas, I R.R. SHAH

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nondh No. 4403, Chhapgar Sheri, situated at Sagrapura, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on September 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Chhampaklal Manilal Chhapgor;
2. Prabhaben Chhampaklal Chhapgor;
Sagrapura, Chhapgor Sheri,
Surat. (Transferor) (s)
- (2) 1. Shri Arvindbhai Mangubhai Shah;
2. Smt. Mrudulaben Arvindbhai Shah;
Jyoti Flats,
Kala Mehta Sheri,
Sagrapura, Surat (Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 4403 Chhapgor Sheri, Sagrapura Surat, registered in Sept., 1981.

R.R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 19-4-1982

Seal :

FORM NO. IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-38009, the 19th April 1982

Ref. No. P.R. No. 1592 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I,
R.R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 1059, Near Adarsh Society, Situated at Athwa, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat in September 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) P.A. Holder of Puspaben Dolatbhai Patel;
Dr. Ramanlal Kalidas Desai;
Adarsh Society, Athwa Lines,
Surat.

(Transferor)(s)

(2) President and Secretary of Asiana Park Apartment
Coop. Housing Society;
1. Shri Yogesh Shantilal Contractor;
Daria Mahal, Chok Bazar, Surat
2. Shri Ashok Dwarkadas Adhikari,
Pani-ni-Bhit,
Soni Falia,
Surat.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 1059, Near Adarsh Society, Athwa Lines, Surat registered in Sept., 1981.

R.R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 19-4-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD 380009

Ahmedabad, the 20th April, 1982

Ref. No. P.R. No. 1852 Acq. 23-I/82-83—Whereas, I R.R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Natvernagartal Vadia, Near Bagasara, Dist. Amreli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amreli on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Vorabai Rukanbai Abdulhussainbhai;
Bala Pirni Sheri, Village Badasara,
Dist. Amreli. (Transferor) (s)
- (2) Shri Manojkumar Amratlal Dhanak;
through Guardian Shri Amratlal Girdharlal Dhanka;
In Bazar, Village Bagasara,
Dist. Amreli. (Transferee) (s)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm.-472 sq. yds. situated at Natvernagar near Bagasara, Tal. Vadia, Dist. Amreli., duly registered by Sub-Registrar Vadia, vide sale-deed No. 908/Sept., 1981.

R.R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 20-4-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd April, 1982

Ref. No. P.R. No. 1853 Acq. 23-1/82-83—Whereas, I, R. R.
SHAH

being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. S. No. 154-2, FP. No. 259-2, TPS. 20, situated at
Kocharab, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexd hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 11-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the India Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Shailendra Jaswantra Anjaria & another;
ai kunth Coop. Housing Society,
Lallubhai Park,
Andheri, Bombay-58. (Transferor) (s)
- (2) Shri Rameshchandra. C. Modi;
L.D. Engineering College Quarters,
Navrangpura,
Ahmedabad. (Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publications of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 622 sq. yds. situated at Kocharab, Ahmedabad
duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale-deed No
11080/11-9-81 i.e. property as fully described therein.

R.R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 22-4-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd April, 1982

Ref. No. P.R. No. 1854 Acq. 23-I/82-83—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

N.O. FP No. 676-TPS. 28, situated at Wadaj, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 11-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Seal :

(1) Shri Jagdishbhai Kuverlal Patel;
8, Kalyan Society,
Ellishbridge,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Lilaben Ashwinkumar Patel;
222-6, Patel Park Stadium Road,
Navrangpura,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 659 sq. yds. situated at Wadaj, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 3273/11-9-81.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 22nd April, 1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 22nd April 1982

Ref. No. P.R. No. 1855 Acq. 23-I/82-83 —Whereas, I,
R. R. SHAH,being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

FP. No. 676, TP S. 28, situated at Wadaj, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 11-9-1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Hargovandas Kuverbhai Patel;
8, Kalyan Society,
Ellisbridge,
Ahmedabad-6.

(Transferor)

- (2) Smt. Dahiben Parshottamdas;
222-6, Near Patel Park Stadium,
Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 659 sq. yds. situated at Wadaj, Ahmedabad duly
registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No.
3275/11-9-81.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 22-4-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd April 1982

Ref. No. P.R. No. 1856 Acq. 23-I/82-83—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. 1681-A-2, Shahpur Wd. 2, Sheet No. 41, C. No. 760-C situated at Nagar Sheth's Vanda, Gheekanta Road, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-9-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Shri Mahendra Lalbhai;
Pattanis Khadki, Zaveriwad,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Chandrakant Gulabchand Shah;
Nagar Sheth's Vando, Gheekanta,
Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. standing on land 92.4 sq. yds. situated at Nagarsheth's Vando, Gheekanta, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale-deed No. 9564/65 dated 17-9-1981.

R. R. SHAH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 22-4-1982

Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd April 1982

Ref. No. P.R. 1857 Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F. P. 146 paiki, TP S. 6, Sub-Plot No. 3 paiki situated at Paldi, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Narhariprasad Mahashanker Trivedi;
2. Harishkumar Narhariprasad Trivedi;
Both at "Narhari Bhuvan", Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Harish Apartment Paldi Coop. Housing Society (Proposed),
Promoter: Shri Ghanshyamlal J. P. Mulva;
Raikhad, Kanya Shala No. 5,
Tokersha's Pole,
Jamalpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 206 sq. mts 493.65 sq. yds. & 206 sq. mts. situated at Paldi, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed Nos 11124, 11125 & 11122 /18-9-81.

R.R. SHAH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 22-4-1982

Seal :

FORM NO. ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd April 1982

Ref No P R No 1858 Acq 23-I/82-83—Whereas, I, R R SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No

FP No 394+400+401 part, Sub Plot No 19, Sub Plot No 19-A TPS, situated at Changispur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 21-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1 Shri Rajivbhai Rameshchandra Parikh,
2 Shri Rameshchandra Jagmohandas Parikh,
3 Smt Vijayaben Ramesh Chandra Parikh,
4 Shri Sanjeevbhai Ramesh chandra Parikh
'Vande-mataram Flats' Alkapuri,
Ahmedabad

(Transferor)

- (2) 1 Smt Pravinaiben Shuleshbhai,
2 Shri Saileshbhai Bansilal Parikh,
'Jaldarshan Society, Opp Nataraj Cinema,
Ashram Road,
Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm 532½ sq yds situated at Changispur Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 3588 3589 3593 & 3594/21-9-81

R R SHAH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 22-4-1982

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(2) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd April 1982

Ref No PR No 1859 Acq 23-1/82-83—Whereas I,
R R SHAH

being the competent authority under Section 269D of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing No FP No 27-1, Sub-Plot No 20 part Eastern side TPS 4 situated Maninagar, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 24-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Savalram Dalaji Nagari,
Kankaria Road, End of Gordhanwadi,
"Nagar Bhuwan", Maninagar
Ahmedabad

(Transferor)

- (2) Shri Tanskukh A. Rath & another,
46, Rajendra Park Society,
Odhav Road, Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Building standing on land adm 210 sq yds situated at Maninagar, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale deed No 11523/24-9-81

R R SHAH

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 22-4-1982

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd April 1982

Ref. No. P.R. No. 1860 Acq. 23-I/82-83—Whereas, I,

R.R. SHAH,

being the competent authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. 193 +194, FP. 328, Sub-Plot No. 10, TPS. 21, Paldi, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Ahmedabad on 25-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sejal Construction;
through : Partner Shri Satishchandra Budhalal Shah;
Near Geeta Baug,
C.G. Shah Road Paldi,
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Kirtibhai S. Vora;
B-1, Jayasadan,
Juhu Scheme Road, No. 3,
Vile-Parle, West, Bombay-56.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, adm. 84 sq. yds. built up area situated at Paldi Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vid sale-deed No. 8653/25-9-81.

R. R. SHAH,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 22-4-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd April 1982

Ref. No. P.R. No. 1861 Acq. 23-I/82-83—Whereas, I, R.R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 193+194, F.P. 328, Sub-Plot No. 10, TPS. 21, situated at Paldi, Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 25-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sejal Construction :
through : Partner Shri Satishchandra Budhalal Shah;
Near Geeta Baug,
C.G. Road, Paldi,
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Lilavati Bhanuprasad Vyas & another,
Smruti Apartment,
Flat No. 8,
Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, adm. 84 sq. yds. built up area situated at Paldi, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No.-8937/25-9-81.

R.R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 22-4-1982
Seal :

FORM IT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd April, 1982

Ref. No. P.R. No. 1862 Acq. 23-I/82-83—Whereas, I, R.R.

SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 387 paiki, Sub-Plot No. 20-23 paiki, Unit No. 3, TPS, 19 situated at Shaikhpur, Khanpur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ahmedabad on 29-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sarlaben Chaturbhai Patel;
through: P.A. Holder;
Shri Dineshchandra Chandulal Shah;
Girish Patel & Co.,
Nehru Park, Vastrapur,
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri C. P. Pande,
Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12 having built up area of 113 sq. yds., situated at Shaikhpur Khanpur, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar Ahmedabad vide sale-deed No. 11651/29-9-81.

R.R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 22-4-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd April 1982

Ref. No. P.R. No. 1863 Acq 23-I/82-83—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F.P. No. 387 paiki, Sub-plot No. 20-23 paiki, Unit No. 3, TPS, 19 situated at Shaikhpur-Khanpur, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sarlaben Chaturbhai Patel;
Through : P.A. Holder;
Shri Dineshchandra Chandulal Shah;
Girish Patel & Co.,
Nehrupark, Vastrapur,
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri M. M. Singh,
D-6, Samarpan, Gulbai Tekra,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11 having built up area of 119 sq. yds. situated at Shaikhpur-Khanpur, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 11652/29-9-81.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Ahmedabad.

Date : 22-4-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 22nd April, 1982

Ref. No. P.R. No. 1864 Acq. 23-1/82-83 -Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

FP 387 paiki, Sub-Plot No. 20-23 paiki, Unit No. 1, Flat No. 4 situated at TPS. 19, Shaikhpur-Khanpur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sarlaben Chaturbhai Patel;
through : P.A. Holder ;
Shri Dineshchandra Chandulal Shah,
Grish Patel & Co.,
Nehrupark, Vastrapur, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri G.S. Nayyar & another;
5, Suvarna Nagar,
Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, having built-up area of 113 sq. yds. situated at Shaikhpur-Khanpur, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 11653/29-9-81.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 22-4-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd April 1982

Ref. No. P.R. No. 1865 Acq. 23-I/82-83 —Whereas, I, R.R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

FP. No. 623, Sub-Plot No. 8, TPS. 3, situated at Kocharab, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 3-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rasiklal Nareshchandra Shah;
Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Navinchandra Kantilal Shah & another,
Gulbai's Tekra,
Ellisbridge,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. standing on land 1307 sq. yds. situated at Kocharab, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 15512/3-9-81.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 22-4-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 22nd April, 1982

Ref. No. .R. No. 1866 Acq. 23-I/82-83—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

183 paiki, Sub-plot No. 6-A, TPS. 26, situated at Vasana, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 8-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

34—116 GI/82

- (1) Shri Talsibhai Bhalabhai Patel;
Village: Vasana, Dist. Ahmedabad

(Transferor)

- (2) Tulsi Apartment Owners Assn.
President: Jayendra Manilal Tripathi;
Village Vasana, Dist. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. standing on land 631.50 sq. yds. situated at Vasana, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 10684/3-9-81.

R.R. SHAH

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 22-4-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 22nd April, 1982

Ref. No. P.R. No. 1867 Acq. 23-I/82-83—Whereas, I R. R.
SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

150-1, 151-1, 151-2, 151-3, paiki TPS. 20 FP. 300-3 205 P situated at Kocharab, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 10-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the proper as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

- (1) Shri Jayantilal Vallabhji Hirani;
"Hirani Niwas", Opp. Post Office,
Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Srinath Apartments Association;
Secretary: Shri Kishore Shamji Potaliya,
Nawa Wadaj, Ahmedabad.
President : Hasmukhlal Jayantilal Shah;
Vasna, Ahmedabad.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm.-563 sq. yds. situated at Kocharab, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, vide sub-deed No 11040/10-9-81.

R.R. SHAH

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 22-4-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 22nd April, 1982

Ref. No. P.R. No. 1868 Acp. 23-I/82-83—Whereas, I R.R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 184+185, Paiki Sub-Plot No. 22, TPS. 21, situated at Paldi, Ambawadi, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 11-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mukeshbhai Navinchandra Patel;
Bungalow No. 10, 2nd Lane, Panchvati,
Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferor) (s)

- (2) 1. Smt. Indumatiben Krishnaprasad Parikh;
2. Shri Krishnaprasad Ochhavhal Parikh;
of Saikrupa Apartment, Flat No. 3,
Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat having q. mts. 121 built up area situated at Ambawadi, Ahmedabad, duly registered by sb-Registrar, Ahmedabad, vide Sale-deed No. 11120/11-9-61 i.e. property as described therein.

R.R. SHAH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 22-4-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd April, 1982

Ref. No. P.R. No. 1869 Acq. 23-I/82-83—Whereas, I R.R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 846 Vejalpur, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on Sept., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dahyaji Bhaiji;
Village Vejalpur,
Dist. Ahmedabad.

(Transferor) (s)

(2) Minal Rameshbhai;
Village Shahwadi, Dist. Ahmedabad.

(Transferee) (s)

(3) As per Sr. No. 2 above

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 4 A-31 G. situated at village Vejalpur, Dist. Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 2287/Sept., 1981 i.e. property as fully described therein.

R.R. SHAH

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 22-4-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009 the 22nd April, 1982

Ref. No. P. R. No. 1870 Acq. 23-I/82-83—Whereas I
R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1866 situated at Khadia Wd. 3, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 82-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Death-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Vimalaben Jeshingbhai;
(2) Nitinbhai Bhatgubhai Sankar Shori,
Manek chowk,
Ahmedabad.

(Transferor)(s)

1. Chhayaben Uttamrao;
2. Diptiben Aswinkumar;
both at Soni's Khadki,
Manek chowk, Ahmedabad.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing S. No. 1866 of Khadia Wd. 3, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 10996/28-9-81.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
Ahmedabad).

Dated : 22nd April, 1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1 AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 22nd April, 1982

Ref. No. P. R. No. 1871 Acq 23-I/82-83—Whereas, I R. R. SHAH.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. FP. No. 323, Sub-Plot No. 2, Hissa No. C & B situated at Dariapur-Ka ipur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-9-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Rajitbhai Subhashbhai,

(Transferor) (a)

2. Suvitbhai Subodhbhai,

Both at Opp.
Shahibaug Police Stadium,
Ahmedabad.

(2) Ratan Apartments;

C/o. Subodhbhai Mangaldas;
Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 690 sq. mts. and building standing on land 286 sq. mts. situated at Dariapur-Ka ipur, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 10876 and 10879/25-9-81.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range I,
Ahmedabad

Dated 22nd April, 1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Jag

14-C,

Sardar Kunj Society, Nr. Bahai Centre,
Shahpur, Ahmedabad.

(Transferor) (s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1 AHMEDABAD

Ahmedabad 380009, the 22nd April, 1982

Ref. No. P.R. No. 1872 Acq 23-1/82-83—Whereas I, R.R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. F.P. No. 101, Sub-Plot No. 1 paiki 2 & 3 paiki situated at Shaikhpur-Khanpur, Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Saurashtra Emponum;

through:

Partner Shri Dhunsukhlal Harjivanbhai;
Vaghela & others;
Heisiddh Chambers,
Ashram Road,
Ahmedabad.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957):

Shop adm. 307 sq. ft. situated at Shaikhpur Khanpur, Ahmedabad, duly registered by Sub Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 11031/10-9-81.

R. R. SHAH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range 1, Ahmedabad.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 22nd April, 1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 22nd April 1982

Ref No. P. R. No. 1873 Acq. 23 J/82-83—Whereas. I
R.R. SHAH

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 448-2-1/448-2-2 paiki situated at Village Bodakdev, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 14-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kankuben Govindbhai Somabhai;
Village Bodakdev, Dist. Ahmedabad.

(Transferor(s))

- (2) Shri Sagarbhai Kalyanbhai Raika;
C-1,
Vasundhara Apartments,
Opp. Navrangpura Market,
Ahmedabad.

(Transferee(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 2400 + 2339 + 2400 sq. yds. situated at village Bodakdev, Dist. Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 11141/11142/11146/14-9-81.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated 22nd April, 1982:
Sd/-

FORM ITNS—

(1) Smt. Vidhyagauri Prahladbhai Mody;
"Kuberniwas", Raikhad, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I AHMEDABAD

Ahmedabad-380009-- the 22nd April 1982

Ref No. P. R. No. 1874 Acq. 23-I/82-83—Whereas, I
R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. S. No. 376-6, 376-7 & 376-3 situated at Saijpur Bogha,
Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Ahmedabad on 16-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
35—116GI/82

(2) Srinagar Saijpur Coop. H. Socy.
C/o Manojkumar Hirabhai Patel;
6-A, Pratikunj Society,
Ambawadi
Bhadarpura Road,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 29 guntha paiki 1/2, 29 guntha paiki 1/2,
0-15 G, and 0-12 G, situated at Saijpur Bogha, Ahmedabad
duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed
Nos. 11257, 11258, 11205, 11266, 11254, 11255, 11259/
16-9-81.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated : 22nd April, 1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 22nd April 1982

Ref. No. P. R. No. 1875 Acq 23-1/82-83—Whereas, I
R.R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- No. 412 & 421—TPS. 10—FP. 46 Sub-Plot No. 4-B situated at Rakhial, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering office at Ahmedabad on 24-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manchharam Dhulabhai Datania;
Village Rakhial,
Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

- 2) Pradip Industries ;
Sole Proprietor:
Mansukhbhai C. Panchal;
73, Nehrupark Society,
Gomtipur,
Ahmedabad-22.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1100 sq. yds. situated at Rakhial TPS. 10, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 8464/24-9-81.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated : 22nd April 1982.
Seal :

FORM NO. IT.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 22nd April, 1982

Ref. No P R No. 1876 Acq. 23—I/82-83—Whereas, I
R. R SHAH

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ward No. 6, Sheet No. 229, Sanand Nos. 2146 to 52 situated at Ambawadi Road, Opp. Kilol Bal Mandir

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 16-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1 Smt. Prabhavati Balwantrao Jani,
Subhashnagar,
Nr. Khodiyar Temple,
Bhavnagar.
- 2 Shri Kishorchandia Balwantrao Jani,
Bharatnagar, Bemalia, Block No. 766, Bhavnagar
- 3 Shri Jagdishchandra Balwantrao Jani,
Subhashnagar,
Nr. Bhodiyar Temple,
Bhavnagar.

(Transferor)

- (2) Shah Bhupendra Vijlal & others;
Plot No. 945,
Opp. Hirabhuvah Dawn,
Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Building plot No. 1195 situated Opp. Kilol Bal Mandir, Ambawadi Road, Bhavnagar bearing R No. 2308 dated 16-9-81 of Sub-Registrar, Bhavnagar

R.R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I,
Ahmedabad.

Dated : 22nd April, 1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 23rd April 1982

Ref No. P. R. No. 1877 Acq. 23-I/82-83—Whereas, I,
R.R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 402, Plot No. 15 paiki situated at Umakant Pandit, Udhynagar, Gondal Rd. Mandvi Plot, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Rajkot on 6-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Chandrikaben Tribhovandas;
Kalawad Road,
Rajkot.

(Transferor)

(2) M/s. Liberal Engg. Works;
Para Bazar, Rajkot

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. sq. yds 760 situated at Umakant Pandit, Udhynagar, Rajkot duly registered by Sub-Registrar, Rajkot vide sale-deed No. 6386 dated 10-9-81.

R.R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range 1,
Ahmedabad.

Date : 23-4-1982.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Chandrikaben Tribhovandas;
Kolawad Road Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Dayaben Manharlal;
Para Bazar,
Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd April 1982

Ref No. P. R. No. 1878 Acq. 23-I/82-83—Whereas, I
R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 402, Plot No. 15 paiki situated at Umakant Pandit, Udhoygnagar, Gondal Rd. Mandvi Plot, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 6-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. sq. yds. 480 situated at Umakant Pandit, Udhoygnagar, Rajkot, duly registered by Sub-Registrar Rajkot vide sale-deed No. 6384 dated 10-9-81.

R.R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I,
Ahmedabad.

Date : 23-4-1982.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 24th April 1982

Ref. No. P. R. No. 1605 Acq. 23-II/82-83—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 101/2, 101/3, 101/4 (P), 132/2, 132/3, 132/4, 132/5, 132/6/7, 132/8, 132/9, situated at Dungari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vasantlal Bhanjibhai;
Vapi,
Tal. Pardi.

(Transferor)

(2) Shri Mohamad Tahar Bawamuya;
Byculla,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 101/2, 101/3, 101/4, 132/2, 132/3, 132/4, 132/5, 132/6/7, 132/8, 132/9 at Dungari, registered in Sept. 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I,
Ahmedabad,

Dated : 24th April, 1982

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AHMEDABAD

Ahmedabad-380009 the 24th April 1982

Ref. No. P. R. No. 1606 Acq. 23-II/82-83 Whereas I
R.R. SHAHbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. S. No. 87/2 91/P 93 94, 95, 96/1, 73/1, 96/2/B situated at
Chhiri, Tal. Pardi(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Pardi on Sept., 1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys of other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—(1) Mr. Mahmad Haji Suleman & Ahhusein Haji Suleman;
Village : Chhiri,
Tal. Pardi,
Dist. Bulsar.

(Transferor)

(2) Rama Pulp & Paper Pvt. Ltd.
812, Raheja Chambers,
Nariman Point
Bombay-400021.

(Transferees)

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Village Chhiri, S. No. 87/2, 91/P, 93, 94, 95, 96/1
73/1, 96/2/B, registered in Sept., 1981.R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Dated : 24th April, 1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 24th April 1982

Ref. No. P. R. No. 1607 Acq. 23-II/82-83—Whereas, I R.R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 31/2, 31/6—land situated at Bardoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bardoli on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Yusuk Ibrahim Karia;
Abdullah Ibrahim Karia;

(Transferor)

(2) Aksanagar Associates;
Voharvad,
Bardoli

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property at S. No. 31/2, 31/6 at Bardoli registered in Sept., 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II d
Ahmedabad

Dated : 24th April, 1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 24th April, 1982

Ref. No. P. R. No. 1608 Acq. 23-II/82-83- Whereas, I
R.R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No. 122, Kadodara land situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kamaej on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

36 - -116GT/82

- (1) Shri Ramabhai Himabhai Patel,
-
- Kadodara,
-
- Tal. Palsana.

(Transferor(s))

- (2) Partners of M/s Mahendra Zaveri & Associates,
-
- Athwa Lines, Surat.

1. Mahendra Chhaganbhai Zaveri;
-
2. Sakarchand Chhaganbhai Sarkar;
-
- Krishnakunj,
-
- 212, Valkeshwar Road,
-
- Bombay.
-
3. Navinchandra Chhaganbhai Sarkar;
-
- Krishnakunj, 212,
-
- Valkeshwar Road,
-
- Bombay.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
-
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Kadodara, Block No. 122, registered in
Sept., 1981(R. R. SHAH),
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II,
Ahmedabad.

Dated. 24th April 1982

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II AHMEDABAD

AHMEDABAD-380009, the 26th April 1982

Ref. No. P. R. No. 1609 Acq. 23-II/82-83—Whereas, I
R.R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. F. P. No. 77, TPS. 4, situated at Anand
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering
Officer at
Anand on 1-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to be-
lieve that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
Parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

- (1) Patels Ashokbhai Maganbhai Bin Laxmidas;
- (2) Patel Shantaben Maganbhai Bib Laxmidas ;
Both staying at Saptarshi Society,
Amul Dairy Road,
Anand.

(Transferor)

- (1) M/s. J. K. Investment Company;
C/o Jangon's House,
Subhash Road,
Anand

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land at TPS 4, F. P. No. 77, Anand and as fully
described in sale deeds No. 2369 and 2370 registered in the offi-
ce of Sub-Registrar, Anand on 1-9-1981.

R.R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Dated, 26-4-1982,
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II AHMEDABAD

Ahmedabad-3800009, the 26th April, 1982

Ref. No. P. R. No. 1610 Acq. 23 II/82-83—Whereas, I
R.R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F. P. No. 78, TP S. 3, situated at Anand (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 23-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Chavda Shankerbhai Shanabhai;
(2) Chavda Harmanbhai Shanabhai,
Behind Pushpakunj Society,
Anand.

(Transferors)

- (2) Kunverben Nathabhai Prajapati;
Behind Chandrolak;
Bhalej Road,
Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Sub-Plots Nos. 1 and 2 of Final Plot No. 78, TPS 2, situated at Anand as fully described in sale-deed No. 2538 registered in the office of Sub-Registrar, Anand on 23-9-81

(R. R. SHAH)
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II,
Ahmedabad)

Dated : 26-4-1982

Seals :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-II/9-81/5545.—Whereas,
I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Palam, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Sardar Singh
s/o Gokal,
Sukhbir Sri
S/o Dhig Ram
R/o V. P. O. Palam, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Radha Kishan
s/o Shri Uma Shankar
R/o V. P. O. Palam,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Measuring 16, 1/2 Biswas i.e. 825 sq. yds.
Village Palam, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 18-5-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-II/9-81/5546.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Palam, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at on Sept. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sardar Singh
s/o Gokal,
Sukhbir Sri
s/o Dhigh Ram
R/o V. & P. O. Palam,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Jai Chand
s/o Shri Ganpat
R/o V. & P. O. Sahibabad Mohd. Pur,
New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Measuring 16,1/2 Biswas of Village Palam, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 18-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.-II/9-81/5625.—Whereas,
I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Old Seemapuri, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dharam Pal
s/o Vishnu Dutt
R/o V. & P. O. Chhapola,
District Gaziabad (U.P.)
and Smt. Sat Wati
w/o Surinder Si
Smt. Rajwati
w/o Virender Si
both r/o 1619/11 Navin Shahdara
Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Vidya Wati
w/o Chhaju Ram
R/o V. & P. O. Burari,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Measuring 19 Biswas, Kh. No. 268 (New)
(Old) 875, Village Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 18-5-1982
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 24th May 1982

Ref. No. I.A.C./Bhopal/2604.—Whereas J. D. P. Panta being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Kapurthala adjoining to Amar Talkies, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 23rd September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Rammurari S/o Laxmiprasad
2. Shri Madan Murari S/o Laxmiprasad
3. Shri Kunjibihari S/o Laxmiprasad
4. Smt. Ramvati W/o Shri Laxmiprasad
All R/o Sagar.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Shankarlal S/o Kundanall Khatik
2. Shri Ramprasad S/o Ganeshprasad
3. Shri Satnar S/o Arati
4. Smt. Puranlal S/o Bhayyalal
c/o Rajdhani Hotel
Mitra Bazar, Sagar.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 8505 Sq. ft situated adjoining to Amar Talkies at Katra Ward, Sagar.

D. P. PANTA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 24-5-1982

Seal :

FORM TINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

HYDERABAD

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 29th April, 1982

Ref. No. R.A.C. 20/82-83.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-5-67 situated at Musheerabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikadpally on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Syed Abdul Nayeem S/o Late Syed Abdul Hafeez
38 Moor House Drive Scar Brough,
Toronto, Ontario Canada.
2. Syed Khader Nawaz S/o Syed Abdul Hafeez,
Hutton Common Road,
Sutton Surrey, England
3. Syed Ghouse Mohiuddin alias Faheem
S/o Syed Abdul Hafeez,
1-1-300/2, Asoknagar, Hyderabad.
4. Syed Khaja Mohiuddin,
1980 Apartment No. 402, Foulor Drive,
Missavage Ontario, Canada.
5. Mohammadi Sultana alias Sultana Sarcar
W/o Late Co. M.M. Sarcar,
8 Dux Lane, Colaba, Bombay.
6. Ahmadi Moina W/o B. S. Shaik,
10-5-3/3 Masab Tank, Hyderabad.
G.P.A. for 1,2, 4 and 5 Mr. Syed Ghouse Mohiuddin
alias Faheen 1-1-300/2, Ashoknagar,
Hyderabad.

(Transferors)

- (2) Smt. Ammera Begum
W/o Late Mir Ahmed Ali
23-1-644/1 Moghalpura, Hyderabad
(1-5-67, Musheerabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 1-5-67 Musheerabad, Hyderabad area 1041 sq. yards registered with S.R.O. Chikadpally Vide Doc. No 815/81

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 29-4-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 29th April 1982

Ref. No. R.A.C. 21/82-83.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-1-485 to 487 situated at Jambagh, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri T. Rahuraj Singh
S/o D. Laxman Singh
H. No. 2-1-602, Vidyanagar,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Mohammed Abdul Aziz,
S/o Late Mohd. Abdul Hafeez,
2. Mrs. Rafia Sultana
w/o Mohd. Abdul Aziz
5-1-485 to 487 Jambagh,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 5-1-485, 486, 487 putlibowli, Jambagh Hyderabad area 239 sq. yards. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 5240/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 29-4-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 30th April 1982

Ref. No. R.A.C. 22/82-83.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3-6-364 situated at Basheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act; in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Udani Engineering Co. (Hyd.) Pvt. Ltd.,
Rep. by Mr. P. J. Udani,
Managing Director,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. L. Bramarambha
W/o L. Krishna Murthy,
6-6-85, Arundalpet,
Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land at MCH No. 3-6-364 Behind Liberty Cinema Basheerbagh, Hyderabad area 280 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 5266/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 30-4-1982

Seal :

FORM TINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 30th April 1982

Ref. No. R.A.C. 23/82-83.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3-6-364 situated at Basheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Udani Engineering Co. (Hyd.) Pvt. Ltd.,
Rep. by Shri P. J. Udani,
Managing Director,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Shri K. Shivraj
S/o K. Ramaswamy
H. No. 23-1-193, Kotla Alija,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land at MCH. No. 3-6-364 Behind Liberty Cinema Basheerbagh, Hyderabad area 250 sq yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 5267/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 30-4-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 30th April 1982

Ref. No. R.A.C. 24/82-83.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3-6-364 situated at behind Liberty Cinema, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Udani Engineering Co. (Hyd.) Pvt. Ltd.,
Represented by Mr. P. J. Udani,
Managing Director,
Hyderabad,

(Transferor)

- (2) 1. Dr. J. Satyanarayana
S/o J. Venkatadri
2. Smt. D. Rajamani
W/o D. B. Manikyam,
23-1-889/1 Mirjuma Talab,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land in M. C. H. No. 3-6-364 behind Liberty Cinema Basheerbagh, Hyderabad area 383 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 5265/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 30-4-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 30th April 1982

Ref. No. R. A. C. 25/82-83.—Whereas, I, S. GOVINDA RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land situated at Shamshabad Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.R. Dt. on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties* has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Rukmini Bai
W/o Late Kishen Das Gandhi
2. Harbhagwan Das K. Gandhi
S/o Late Kishen Das Gandhi
3. Govindram K. Gandhi
S/o Late Kishen Das Gandhi
4. Tikamchand K. Gandhi
5. Deneshkumar K. Gandhi
6. Prakashchand K. Gandhi
7. Ramesh K. Gandhi
all sons of Kishendas Gandhi
47, Dadabhai Road, Bombay, 56GPA,
Shri Bansilal K. Gandhi,
8. Bansilal K. Gandhi
S/o Kishendas Gandhi,
Shamshabad Village, R. R. District.

(Transferor)

- (2) Smt. Seema Gandhi
W/o Bansilal K. Gandhi
Shamshabad Village, Taluk West,
Rangareddy, District A. P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 3 Acs. 7 guntas out of Survey No. 40 and 5 Acs 3 guntas out of Survey No. 42 (Total 8 Acs. 10 guntas), at Shamshabad village Taluk West Ranga Reddy, District registered with Sub-Registrar Ranga Reddy District vide Doc. No. 5556/81.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 30-4-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 30th April 1982

Ref. No. R.A.C. 26/82-83.—Whereas, I, S. GOVINDA-
RAJAN

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land situated at Shamshabad R. R. District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi at R. R. District on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Rukmini Bai
W/o Late Kishendas Gandhi
2. Narbhagwandas K. Gandhi
3. Govindram K. Gandhi
4. Tikam Chand K. Gandhi
5. Dineshkumar K. Gandhi
6. Prakash Chand K. Gandhi
7. Ramesh K. Gandhi
all sons of Late Kishendas Gandhi,
47 Dadabhai Road, Bombay 56 G.P.A.
Shri Bansilal K. Gandhi
8. Bansilal K. Gandhi
S/o Late Kishendas Gandhi
Shamshabad Village,
Taluk West,
Rangareddy District, A. P.

(Transferor)

- (2) Smt. Seema Gandhi
W/o Bansilal K. Gandhi
Shamshabad Village Taluk West,
Rangareddy District, A. P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 8 Acs. 37 guntas in Survey No. 41 with Grape Garden on a small portion at Shamshabad Village Taluk West Rangareddy District registered with Sub-Registrar Rangareddy District vide Doc. No. 5905/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 30-4-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 30th April 1982

Ref. No. R. A. C. 27/82-83.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Shamshabad Village, R. R. District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at R. R. District Hyderabad, on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Rukmini Bai
W/o Late Kishandas Gandhi
2. Harbhagwandas K. Gandhi
3. Govindram K. Gandhi
4. Tikamchand K. Gandhi
5. Dinesh Kumar K. Gandhi
6. Prakash Chand K. Gandhi
7. Ramesh K. Gandhi
all sons of late Kishandas K. Gandhi
47 Dadabhai Road, Bombay-56,
G.P.A. Shri Bansilal K. Gandhi
8. Bansilal K. Gandhi,
S/o Late Kishandas Gandhi,
Shamshabad Village,
Taluk West, Rangareddy District, A. P.
(Transferor)
- (2) Smt. Seema Gandhi
W/o Bansilal K. Gandhi
Shamshabad Village Taluk West,
Rangareddy District, A.P.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 1Ac 26 guntas out of Survey No. 24, 26 guntas out of survey No. 39, 11 Acres 11 guntas out of survey No. 40, 4 Acs 12 guntas out of survey No. 41, 1Ac, 25 guntas out of survey No. 23 (Total 19 Acs. 20 guntas) at Shamshabad village Taluk West Rangareddy District, Andhra Pradesh registered with Sub-Registrar, Rangareddy District vide Doc. No. 6863/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 30-4-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 4th May, 1982

Ref. No. P.R. No. 1890/Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. S. No. 2064, situated at Wadhawan, District Surendranagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan on 9-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Rana Harpalsinh Hanubha & others;
Wadhawan,
District Surendranagar. (Transferor)
- (2) Shri Durga Poly Sacks;
through : Pravin M. Kapasi;
Mahalaxmi Cinema,
Surendranagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 3-A—24 G situated at Wadhawan, sim, District Surendranagar, duly registered by Sub-Registrar, Wadhawan, vide sale-deeds Nos. 3902, 3, 4 & 5/9-9-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 4-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 4th May, 1982

Ref No. P R. No. 1889/Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. C. S. No. 2110—Khadia Wd. 3, situated at Luvar's Pole, Madangopal Haveli's Road, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule (annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 3-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
8—116GI/82

- (1) Shri Panchal Ranchhodlal Nandlal alias Nansha Panchal;
A-7, Jeevan Parag Society,
Raj Bhawan Road,
Shahibaug,
Ahmedabad-380004.

(Transferor)

- (2) Shri Manubhai Chunilal Patel & others;
Bungalow No. 2,
Vasant Vihar Society,
Behind H. L. College Commerce,
Navrangpura,
Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 107 sq. yds., situated at Luvar's Pole, Madangopal Haveli Road, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No 10642/3-9-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 4-5-19
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd May 1982

Ref. No. P. R. No. 1888, Acq. 23-1/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F. P. No. 1 2, Hissa No. C, T.P.S. 29, situated at Wadaj, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mahendrasinhji L.
through : Narendrasinhji L.
14, Nanekbaug Colony,
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Sambhavnath Apartment Coop. H. Society Ltd.,
C/o Bhagwati Medical & General Stores;
Opp. Gujarat Vidhyapith,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 272 sq. yds. (1/3rd out of 817 sq. yds.) situated at Wadaj, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale deed Regn. No. 11631/30-9-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 13-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd May 1982

Ref. No. P. R. No. 1887/Acq. 23-1/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F. P. No. 102—Hissa No. C, T. P. S. 29, situated at Wadaj, Ahmedabad

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Indrajit sinhji Vaghela;
Pravin Colony,
Navrangpura,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sambhavnath Apartment Coop. H. Socy. Ltd.,
C/o Bhagwati Medical & General Stores;
Opp. Gujarat Vidhyapith,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from this date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 272 sq. yds. (1/3rd out of 817 sq. yds.), situated at Wadaj, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale-deed Regn. No. 11640/30-9-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 3-5-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd May, 1982

Ref. No. P. R. No. 1886/Acq. 23-1/82-83.—Whereas
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C. S. No. 2515-1-A paiki—Kulapur 3, situated at 2nd Floor Anand Shopping Centre, Shop No. 170, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Lachchand Tarachand;
32, Virpurnagar Society,
New Wadaj, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Rajkumar Thakershahbhai,
2. Smt. Vimlaben Fojalal Mehta;
Gopipur.,
Kaji's Medan,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 170—of 2nd Floor of Anand Shopping Centre, P. Ankorak, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, vide sale-deed Registration No. 11005/10-9-1981.

G. C. GARG

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 3-5-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 31d May, 1982

Ref. No. P. R. No. 1885/Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I
G. C. GARG

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act)) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 3487, 3488, 3489, 3486—Shahpur-II situated at Flat No. No. F-6, Fifth Floor, Firdosh Flats, Khanpur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Ahmedabad on 14-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Kumbhari Tehminaben Khorshedji Karanjawalla;
Karanj.w.H. Building,
Opp. Khanpur Dairwaja,
Opp. Ushakiran Flats,
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Shujauddin Fakhruddin Kadri;
No. E-5, 1-flat,
5th Floor,
Firdos Flats,
Khanpur,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat bearing built up area 127 sq. yds., Situated at Khanpur Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed Registration No. 11153/14-9-1981.

G. C. GARG

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 3-5-1982

Seal :

FORM NO. LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd May, 1982

Ref. No. P. R. No. 1884/Acq. 23-I/82-83.—Whereas
G. C. GARG

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F. P. No. 148/3, Sub-Plot No. 1, situated at Maninagar, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Ahmedabad on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Dahiben Shanabhai Patel;
Jagabhai Park,
Maninagar,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Dr. Dolar Damodardas Bhutani;
2. Dr. Mrs. Sudha Dolar Bhutani;
Near Swaminarayan Mandir,
Maninagar,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing F. P. No. 148/3, Sub-Plot No. 1, known as Dr. Bhutani's Nursing Home, situated at Swaminarayan Mandir, Maninagar, Ahmedabad vide sale-deed No. 9905/Sept., 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 3-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd May 1982

Ref. No. P. R. No. 1885/Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F. P. No. 745—T. P. S. 3, Sub-Plot No. 3-A, situated at Madalpur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chandulal Maganlal Patel & others;
Near Central Bank of India,
Nr. Gujarat College,
Ellisbridge,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Rohit V. Shah;
Chief Promoter of
New Sheetal Apartment (Proposed),
Temla Polc,
Kalapur,
Nr. Doshiwada's Polc,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 740 sq. yd., situated at Madalpur, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale-deed No. 11247/15-9-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 3-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd May 1982

Ref. No. P. R. No. 1882/Acq. 23-I/82-83.—Whereas, J. G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing F. P. No. 8, situated at Vastrepur, District Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 21-9-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Balmukund Ganpatram Dave;
H-2, Atrra Colony,
Vastrepur,
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Suj-shit Apartments Owners' Association;
through : Chairman
Shri Devendra P. Parikh;
Vachhlo Khancho,
1201, Shamlaji's Pole,
Raipur,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 602 sq. yds., situated at Vastrepur, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale deed No. 7409/21-9-81.

G. C. GARG
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad,

Date : 3-5-1982
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd May 1982

Ref. No. P. R. No. 1881/Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C. S. 5145 paiki, 5146, 5147, 5148-2, 5150-B, 5144, 5145 paiki 5148-1, 5148-3, situated at Raikhad, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 28-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
39—116GI/82

- (1) 1. Shri Rizwas Abdul Kadir Kadri;
2. Shri Samsuddin Abdul Kadir Kadri;
3. Zahirunissa A. Kadri;
All at Kagdiwad,
Sanskar Kendra Marg,
Kocharab,
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) (Suchit) Mujib Coop. H. Socy. Ltd.,
Promoter : Shri Abdulkadar V. Kureshi;
Near Parsi Chawl,
Piem Darwaja
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 241 sq. yds., 246 sq. yds. and 125.7 sq. yds. situated at Raikhad, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 11539, 11541-42, & 11543/28-9-81.

G. C. GARG

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 3-5-1982

- al -

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 11th May, 1982

Ref No P. R. No 1900/Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 401 Werd-2-B, situated at Prabhus Bunglow on Plot No. 401, Ward 2-B, Adipur, Kutch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sub: Registrar, Bhuj on 29-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shi P. S Tolani and
Smt. Jamvanti H. Kama),
Prabhu Chhaya,
Adipur-Kutch.

(Transferor)

- (2) Smt. Arunaben R. Modh
Kum. Daxa Desai
16, Rang Sagar Flats,
Prabhudas Thacker College Road,
Paldi,
Ahmedabad-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Prabhus" Bunglow on plot No. 401 Ward 2-B, at Adipur, Kutch as per plans approved by G.D.A. registered vide R. No. 1786 dated the 29-9-81 by Sub-Registrar, Bhuj.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 11-5-1982
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 11th May, 1982

Ref. No. P. R. No. 1899/Acq.-23/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 129, 122, 119, 125, 130, 126, 121, 131, 127, 132, 128, 123, 120, 124 paiki situated at Nr. Old Bus Stand, Upleta, District Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Upleta on 21-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Yunus Haji Tas Mohamad Munshi and 16 others,
Bhader Road,
Upleta,
District Rajkot.

(Transferor)

(2) 1. Shri Sarvadaman Prataprai Sheth & Others,
of Darbargadh of Upleta.
2. Soni Mansukhlal Vallabhji Mandala & others,
Bhader Road, Upleta.
3. Smt. Godavriben Gopaldas Aggarwal & Others,
Bhader Road, Upleta.
4. Shri Narandas Mohandas Patel
of Village Bhanp,
Tal. Upleta.
5. Shri Mansukhlal Jethabhai,
Navapara,
Upleta,
Distt. Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 10144 sq. yard situated at old Bus stand Upleta District Rajkot duly registered by S. Registrar, Upleta vide sale deed Nos. 1854 to 1876/21-9-1981.

G. C. GARG

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I Ahmedabad,

Date 11-5-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 10th May 1982

Ref. No. P. R. No. 1898/Acq. 23-I/81-82.—Whereas I
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 188-J, 189, 193-2, 194, 190, 193-1 and 189-1 situated at Thaltej District Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 14-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Kaushikbhai Gordhanbhai Patel & others
51-7-8, Mewawalle Apartments,
Sarojini Road,
Vileparle, West,
Bombay.

(Transferor)

- (2) Shri Anilkumar Bhailalbhai Patel & Others,
10-B, Madhuvan Society,
Opp. Gujarat Vidhyapith,
Ashram Road,
Ahmedabad-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land adm. 5 acr. 27 G. situated at village Thaltej District Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed Nos. 11137, 38, 39, 40/14-9-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Ahmedabad.

Date : 10-5-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD**

Ahmedabad, the 10th May 1982

Ref. No. P.R. No. 1897/Acq. 23.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20/3/B, 20/3/A, 20/2, 20-1-A, 20-1-B, 20-3-A situated at Thaltej, District Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Kunjibhai Masangjibhai Thakore & Others,
2. Shri Ghabhaji B. Thakore Others,
3. Shri Ataji Kakuji & Others,
4. Shri Bhikaji Chhagoji & Others,
all at Village Thaltej,
District Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Muktinagar Co. Op. Housing Society Ltd.
Secretary Shri Dalchand Zaverchand,
A-4 Haridas Colony,
Navjivan Press Road,
Navrangpura,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 18150 sq. yard situated at village Thaltej Dist. Ahmedabad duly registered by S. R. Ahmedabad vide sale deed Nos. 11495, 94, 93, 91, 90, 85, 84, 79, 78, 77, 71/23-9-1981.

G. C. GARG

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 10-5-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD

Ahmedabad, the 11th May 1982

Ref. No. P. R. No. 1896/Acq. 23/82-83. Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 488 situated at Wadaj, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 24-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Kumudben Kaushilyaprasad Dalwadi & others, Behind Navrang High School, Nr. Manek Avenue Society, Ahmedabad-13.

(Transferor)

- (2) Kanti Apartment Co. Op. Housing Society Ltd., through Chairman—Shri Dilipkumar Hasmukhlal Bhatt, Marine Drive Society, Bhairavnath Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 8842, sq. yd. situated at Wadaj, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide Sale deed No. 7129/24-9-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date 11-5-1982

Seal -

FORM I.T.N.S. - - - - -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD

Ahmedabad, the 10th May 1982

Ref.No. P.R.No.1895/Acq 23.—Whereas, I, G.C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No City Survey Sheet No. 108, Kakda Nondh No. 2543-44-45, situated at 13, Panchnath Plot Sheri, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Rajkot on 24-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I have initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Ganpatram Dalpatram
2. Shri Chandulal Dalpatram,
13, Panchnath Plot,
Rajkot.

(Transferor)

- (2) 1. Bhupendra Parshottam Khakhkal,
2. Rasiklal Parshottam Khakhkal,
3. Navinendra Mohanlal Vyas,
1. Nathalal Mohanlal Vyas,
Para Bazar, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential building situated at Rajkot in 13-Panchnath Plot, Rajkot admeasuring 351-8-72 sq. yards at City S.No. 108, Kakada Nondh No. 2543-44-45 registered vide R. No. 5871 dated the 24-9-1981 at Sub-registrar, Rajkot.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 10-5-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 10th May 1982

Ref. No. P. R. No. 1894/Acq. 23.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3108 dated the 15-9-81 situated at S. No. 102 at Village Dhunrav Near Jamnagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S. R. Jamnagar, on 15-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferring; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Thakkar Joshi Co.,
C/o Rameshchandra Kanubhai Joshi
Karta of H.U.F.
Jaihind Lodge,
Station Road,
Jamnagar

(Transferor)

(2) Asgarali Gulamali Vajlani,
President,
Rajkot Housing Society Ltd.,
Dhunrav, District Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2,72,920 sq. feet at Village Dhunrav bearing S. No. 102 at Dhunrav registered by Sub-Registrar, Jamnagar vide R. No. 3108, dated the 15-9-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad,

Date : 10-5-1982
Seal

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 10th May, 1982

Ref. No. P. R. No. 1893/Acq. 23.--Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 422 situated at Rajkot Jamnagar Highway Road Near Hapa Railway Colony

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Jamnagar on 15-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

40—116GI/82

- (1) Shri Rameshchandra Kanjibhai Joshi,
Karta of H.U.F.,
Prop. Jai-Hind Lodge,
Station Road,
Jamnagar.

(Transferor)

- (2) Shri Keshavji Madhavji Tanna,
C/o Rasiklal Keshavji Tanna,
Grain Market,
Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing S. No. 422, admeasuring 11 acr 20 Gundha situated at Rajkot Jamnagar Highway Road, registered vide R. No. 3107, dated the 15-9-1981 by Sub-Registrar, Jamnagar.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

: 10-5-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMSDABAD

Ahmedabad, the 10th May 1982

Ref. No. P. R. No. 1892/Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building situated at Bhagwati Krupa Government Servant's Co-op. Housing Society Ltd., Patel Ice-creamwari Sheri, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rasiklal Mahasukhlal Shah,
Bhagwati Krupa Govt. Servant's Co. Op. Housing Society Ltd.,
Patel Ice-creamwari Sheri,
Race-course, Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Raxagauri Tarunkumar Sagar
Nr. Hatkesh Temple,
Mangrol.

(Transferee)

(3) Smt. Raxagauri Tarunkumar Sagar
Near Hatkesh Temple,
Mangrol

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 434.8 sq. Yds., situated at Bhagwati Krupa Govt. Servant's Co-operative Housing Society Ltd., Patel Ice-creamwari Sheri, Race Course, Rajkot duly registered vide Register No. 7392/81 recd. in Sept. 81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 10-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 10th May 1982

Ref. No. P. R. No. 1891/Acq.-23/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey Ward 14, City S. No. 2014 situated at 2-5, Jagnath Plot, Gymkhana Road, Nr. Santosh Sadan Bungalow (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Rajkot on 3-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Legal heirs of Late Shri Harshadrai Gaurishankarbha Oza,
 1. Jagdish Harshadrai Oza
 2. Pratimaben Harshadrai Oza
 3. Rekhaben Harshadrai Oza
 4. Smt. Sushilaben Harshadrai Oza
 Indradip Society,
Patel Colony,
Jamnagar

(Transferor)

- (2) Smt. Samratben Harilal Doshi,
H. J. House,
Carmaikel Road,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 250 sq. yard situated at 2/5, Jagnath Plot, Gymkhana Road, Rajkot vide R. No. 7086/M dated the 3-9-1981 by sub-Registrar, Rajkot.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I Ahmedabad

Date : 10-5-1982
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th May 1982

Ref. No. Amritsar/82-83/63.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land on Thakur Mohanchand Road situated at Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at S.R. Amritsar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Anup Singh,
Amar Singh
ss/o Hajara Singh
r/o Village Bachiwind,
Teh. Ajnala,

(Transferor)

District Amritsar.

- (2) Shri Ashok Kumar
s/o Shri Prithvi Raj
r/o Katra Karam Singh,
Kucha Nadhian,
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 183 sq. yds. situated in Thakur Mohan Chand Road off Court Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 13076/dated 25-9-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

11-5-1982

D₂ Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th May 1982

Ref. No. Amritsar/82-83/64.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 2500/- and bearing

No. Plot of land at Verka situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar, on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harbhajan Singh
s/o Pala Singh
r/o Village Verka through Sh. Rattan Lal,
s/o Shri Pheroo Mal,
r/o 14-Rattan Chand Road,
Amritsar

(Transferee)

- (2) M/s. Rishi Woollen Mills at Batala Road,
near Alfor Cooler Makers Building,
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One piece of land measuring 1400 sq. yds. situated at Verka Amritsar (Bve pass) as mentioned in the sale deed No. 11979/dated 11-9-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-5-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 15th January, 1982

Notice No. 402/81-82.—Whereas, I MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing

No. Survey No. 131/2, 160/3, & 164/2, situated at Bendiga Village, Kasaba Hobli, Taluk Chikmagalur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office

at Chikmagalur, Under document under 1066 on 5-9-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri C. R. Noor Ahamed,
S/o Haji Abdul Rahim,
Coffee Planter,
Chikmagalur.

(Transferor)

(2) M/s. Malenadu Enterprises,
Ratnagiri Road,
Chikmagalur,
Represented by its partners,
1. Shri A. Chinnaswamy,
2. Shri B. Hussain Mohammed

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1066, dated 5-9-1981).

Below mentioned coffee lands situated at Bendiga Village, Kasaba Hobli, Taluk Chikmagalur.

	Acres-gunta
Survey No. 131/2	5—26
Survey No. 160/3	5—21
Survey No. 164/2	15 00
Total	26—07

MANJU MADHAVAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-1-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 6th May 1982

C. R. No. 62/32443/81-82/ACQ/B.—Whereas, I DR. V. N. LALITHKUMAR RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T. S. No. 515/2, situated at Kodialbail Village, Mangalore (Tq.), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore on 11-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. Madhava Rao,
S/o Laxminarayana Rao,
Kambla Cross Road,
Mangalore.

(Transferor)

(2) 1. Shri R. M. Kshirsagar,
No. 6, Dev-vrat,
Ashoknagar,
Kandvli (East),
Bombay-1.

2. Rajendra Kumar Devidas Shah,
Chandvi Buildings,
Block No. 11, IInd Floor,
Shanthilal Modi Road,
Kandvli (West),
Bombay-67

3. Gopal Saljan Belloor,
V. N. Roshan Nivas',
Kodikkal,
Mangalore.

(Transferees)

(3) NIL

(Persons in occupation of the property)

(4) NIL

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 826/81-82, dated 11-9-1981).
All that property with land and building bearing T. S. No. 515/2, situated at Kodial Dail Village, Mangalore (Tq.).

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 6-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th May 1982

Ref. No. R.A.C. No. 14/82-83/Kakinada Squad,—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 5-9-30 situated at Peddapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Peddapuram on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Sikala Chinna Gantayya,
S/o Ganga Raju
 2. Smt. Sikala Chittamma,
W/o S. Chinna Gantayya
 3. Smt. Sikala Venkata Ramanamma,
W/o S. Chinna Gantayya
- All are residing at Main Road,
Peddapuram,
E. G. District.

(Transferor)

- (2) Shri Narasala Venkata Subba Rao,
S/o Laxmi Narayana Ramanaidu Peta,
Masulipatam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building admeasuring 233-1/3rd sq. yards with Door No 5-9-30 Asst. No. 715 situated at Peddapuram, East Godavari, District was registered with the S.R.O., Peddapuram during the month of September 1981 vide document No. 2060 of 1981.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 10th May 1982

Ref. No. R.A.C. No. 15/82-83/Kakinada Squad.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Site situated at Koritipadu, Guntur
at on

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept. 1981 Hyderabad

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

41—116C/82

- (1) Shri Vasireddy Krishna Murthy,
Kanthuru,
Mangalagiri Taluk,
Guntur District.

(Transferor)

- (2) Dr. V. Sivarama Krishna Prasad,
C/o Chalasani Ramalingeswara Rao,
1st Line, Chendramoulunagar
Guntur/

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site admeasuring 1909 sq. yards at Koritipadu, Guntur was registered with the S.R.O., Guntur during the month of September 1981 vide document No. 9781/81.

M. JAGAN MOHAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad..

Date : 10-5-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th May 1982

Ref. No. R.A.C. No. 16/82-83/Kakinada Squad – Whereas,
I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16-8-13 situated at Visakhapatnam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfreed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sri Garuda Ramachandra Rao,
S/o Seetharamayya,
Cloth Merchant,
Asapu Street,
Vizianagaram

(Transferor)

(2) Dr. P. Rama Sanvasi Rao,
Bafrae,
Maybod,
Yazd,
Iran

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building with Door No. 16-8-13 Maharanipeta Ward-Official Colony/Street—Ramalinganagar Road—Visakhapatnam was registered with the S.R.O., Visakhapatnam during the month of September, 1981 vide document No. 7327/81.

M. JEGAN MOHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad

Date : 10-5-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th May, 1982

Ref. No. R. A. C. No. 17/82-83 —Kakinada Squad.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13-5-8 situated at Palakol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palakol on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Chodisetty Chendra Rao,
S/o Venkatarayulu.
 2. Shri Chodisetty Veera Venkata Panduranga Rao
S/o Chendra Rao.
 3. Shri Chodisetty Srirama Murthy
S/o Chendra Rao.
- All are residing at Door No 3-7-2, 2nd Ward,
Palakol.

(Transferor)

- (2) Shri Chegondi Ravi Sankar
S/o Rama Krishna Baskar
Being minor Rep. by
Grand father Shri Chegondi,
Suryanarayana,
Doddipatla—W.G. District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tiled Shop bearing Door No. 13-5-8/1, 2, 3, 4—7th Ward Asst. No. 3223—Palakol Municipality was registered with the S.R.O., Palakol during the month of September, 1981 vide document No. 2686/81.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 22th April, 1982

Ref. No. A. R -III/2035/81-82—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Plot No. 14, & C.S.T. No. C-10 Pl. situated at Andheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 19-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Oshivra Land Development Co. Pvt. Ltd.
(Transferor)
- (2) Apna Ghar Unit No. 10,
R. B. I. the Nbrbhoy Co.-op. Housing Society
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S/1269/81 and Registered on 19-9-1981 with the Sub-Registrar, Bombay.

SUDHAKAR VARMA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date . 22-4-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Ann Mary Theresa Fernandez

(Transferor)

(2) Andheri Gymkhana,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th May, 1982

Ref. No. A.R.-III/2024/82-83.—Whereas, I, M. M. SHUKLA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Chatta No. 333 bearing S. No. 44A, Hissa No. 3, C.T.S. No. 395/1 situated at Village Gundavali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 14-9-1981 Document No. 105/1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
27—106GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No 105/1980 and registered with the Sub-Registrar, Bombay, on 14-9-1981.

M. M. SHUKLA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 11-5-1982
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th May, 1982

Rel. No. A. R.-III/2026/82-83.—Whereas, I M. M. SHUKLA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 149, Sub-Scheme No. 3, C. T. S. No. 803 situated at Chembur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 22-9-1981 Document No. S 306/77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mrs. Sarda Vasantkumar Nair
2. Ramdas Vasantkumar Nair
3. Vijaykumar Vasantkumar Nair
4. Mrs. Vatsala Mohandas Nair
5. Miss Girja Vasantkumar Nair
6. Miss Indira Vasantkumar Nair
7. Mr. Suresh Vasantkumar Nair

(Transferor)

- (2) 1. Mrs. Prakashvatil Harichand Gupta
2. Mrs. Chanchal Ajodhyaprasad Gupta
3. Mr. Arun Ajodhyaprasad Gupta
5. Mr. Sanjiv Ajodhyaprasad Gupta

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S. 306/7 and registered with the Sub-Registrar, Bombay, on 22-9-1981

M. M. SHUKLA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 11-5-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 16th April, 1982

Ref. No. G. I. R. No. P-81/Acq.—Whereas I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 70/3, situated at Village Jiya Mau, Lucknow at Lucknow on 25-9-1981 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Anwar Nawab (Transferor)
 (2) Shri Purushottam Das Khem Chandani (Transferee)
 (3) Above transferee.
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
 (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land Khasra No. 70/3, measuring 10 Bisw (13612.5 sq. ft.) situated at Village Jia Mau, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 6044, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar Lucknow on 25-9-1981.

VINOD KUMAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range Lucknow

Date : 16-4-1982
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-6, the 22th April, 1982

Ref. No. 16659.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. T. S. 10 & situated at 11, Mount Road, Madras-15 (Doc. 3763/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at sadapet on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) K. Ramiah,
158, Mount Road,
Guindy,
Madras-15.

(Transferor)

(2) Dr. Syed Jabbar
Rehan, Begum,
Vetapalem,
Prakasam District,
Andhra Pradesh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T. S. No. 10 and 11, Mount Road, Guindy, Madras 15 (2 grounds and 1299 sq. ft.)
(Doc. 3763/81).

R. RAVICHANDRAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras

Date : 22-4-1982
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 19th January 1982

F. No. I.A.C. A.C.Q./180/80-81 — Whereas I, A. M. KHER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P. H. No. 10, Ward No. 42, Nagpur field No. 134 situated at Mouza Binaki

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 5th September 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Shri Goswami Rameshpuri
Guru Maheshpuri
R/o Itwar
C. M. 10/15,
Ward No. 36,
Nagpur
 - (2) Prasad Griha Numan Sahakar Sanstha
Secretar,
Shri Shankarrao Dharmaji Nakhate,
Munichibazar,
W. No. 21,
United Road,
Nagpur.
- (Transferor)
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mouza Binaki PH. No. 42, Nagpur, Field No. 134.

A. M. KHER,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur,

Date : 19-1-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jnan Chandra Roy Barman,
Ambicapatty,
Silchar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nirmala Sundari Paul,
C/o Sri Suresh Chandra Paul,
Janiganj,
Silchar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 27th January, 1982

Ref No. A-255/81-82/Sil/923/31 – Whereas, I E J MAW LONG,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Dag No 7380, 7378, 7361, 7365, 7360, 7364 of R. S. Patta No 950 of Pargana Barakpur Mouza Silchar, situated at Janiganj, Silchar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Silchar on 1-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the 'Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Kathas 1 Chatak 16 Gondas 2 Karas 2 Kiamis with a house thereon is situated at Janiganj a Commercial centre of Silchar and covered under Dags No 7380 7378, 7361, 7365, 7360, 7364 of R. S. Patta No 950 of Pargana Barakpur and Mouza, Silchar town

E. J. MAWLONG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Shillong.

Date: 27-1-1982

Seal: